



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 5, 1991/अश्विन 13, 1913

No. 40]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 5, 1991/ASVINA 13, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएँ
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India other than

गृह मंत्रालय

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1991

बनो आ० 2453.—भारत के राजपत्र (असाधारण) भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 16-10-90 में प्रकाशित भारत सरकार के गृह मंत्रालय के का.मा. 799(अ) तारीख 15-10-90 में :-

- पृष्ठ 1 पर प्रारम्भिक पैरा में, 7वीं पंक्ति में "हुए" शब्द के पश्चात् "," जोड़े।
- पृष्ठ 1 पर प्रारम्भिक पैरा में, 11वीं पंक्ति में "से संबंधित" को "से संबंधित" पढ़ें।
- पृष्ठ 1 पर पैरा 1 की दूसरी पंक्ति में "1960" के स्थान पर "1990" पढ़ें।
- पृष्ठ 1 पर, पैरा 2(1)(क) में "मेपजो" शब्द को "मेपजी" पढ़ें।
- पृष्ठ 1 पर, पैरा 2(1)(ग) की चौथी पंक्ति में "है" के पश्चात् "," जोड़े।
- पृष्ठ 2 पर, पैरा 2(1)(ब) की पहली पंक्ति में "उत्तराधिकारी पत्रिका को "उत्तराधिकारी परिपत्र" पढ़ें।

- पृष्ठ 2 पर, पैरा 3(ग) की तीसरी पंक्ति में "लिए" के को "के लिए" पढ़ें।
- पृष्ठ 2 पर, पैरा 4(1) की पहली पंक्ति में "रजिस्ट्रार" के पश्चात् "," जोड़े।
- पृष्ठ 2 पर, पैरा 4(1) की दूसरी पंक्ति में "है" के पश्चात् "," जोड़े।
- पृष्ठ 2 पर, पैरा 4(1) की 5वीं पंक्ति में "होगी" को "होगी" पढ़ें।
- पृष्ठ 2 पर, पैरा 4(2) की पहली पंक्ति में "28" को "26" पढ़ें।
- पृष्ठ 2 पर, पैरा 4(2) की दूसरी पंक्ति में "द्वारा" शब्द का लोप करें।
- पृष्ठ 2 पर पैरा 4(2) की तीसरी पंक्ति में "समस्त" के पश्चात् "," जोड़े।
- पृष्ठ 2 पर, पैरा 5 की पहली पंक्ति में "सम्यक्त" को "सम्यक्त" पढ़ें।
- पृष्ठ 2 पर, पैरा 5 की चौथी पंक्ति में "मेपजो" को "मेपजी" पढ़ें।

(3779)

16. पृष्ठ 2 पर, पैरा 5 की छठी पंक्ति में "हुए" और "वित्त" शब्दों के बीच "नियत अन्तःस्थापित किया जाएगा।"
17. पृष्ठ 2 पर, पैरा 6(ख) में "मामले में" शब्दों के पश्चात् "," जोड़ें।
18. पृष्ठ 2 पर, पैरा 7 की दूसरी पंक्ति में "पूर्वादिधमान" को "पूर्व विद्यमान" पढ़ें।
19. पृष्ठ 2 पर, पैरा 7 की दूसरी पंक्ति में "उप" को "उस" पढ़ें।
20. पृष्ठ 2 पर, पैरा 7 की तीसरी पंक्ति में "उत वित्त तक" शब्दों के पूर्व और उनके पश्चात् आने वाले "क" को "के" पढ़ें।
21. पृष्ठ 2 पर, पैरा 7 की पाँचवीं पंक्ति में "में" के पश्चात् "," जोड़ें।
22. पृष्ठ 2 पर, पैरा 9 की पहली पंक्ति में "विधि" को "विधिक" पढ़ें।
23. पृष्ठ 2 पर, पैरा 10(क) की पहली पंक्ति में—

- (i) "प्रयोजन" शब्द के पश्चात् "," जोड़ा जाएगा; और
- (ii) "वित्त" और "कसी" शब्दों के बीच "से" शब्द अन्तःस्थापित किया जाएगा।

24. पृष्ठ 2 पर, पैरा 10(क) की तीसरी पंक्ति में "1" को "," पढ़ें।
25. पृष्ठ 2 पर, 11 की तीसरी पंक्ति में "अन्य" को "अन्य" पढ़ें।
26. पृष्ठ 3 पर, पैरा 12 की पहली पंक्ति में "विरचित" को "विरचित" पढ़ें।
27. पृष्ठ 3 पर, पैरा 12 की छठी पंक्ति में "नियत" को "नियम" पढ़ें।
28. पृष्ठ 3 पर, पैरा 13 की पहली पंक्ति में "उपरान्तरण" को "उपरान्तरण" पढ़ें।
29. पृष्ठ 3 पर, पैरा 13 की दूसरी पंक्ति में "विद्यमान" को "विद्यमान" पढ़ें।
30. पृष्ठ 3 पर, पैरा 13 की दूसरी पंक्ति में "निरस्तित" को "निरस्तित" पढ़ें।
31. पृष्ठ 3 पर, अनुसूची के पैरा 1 में "अ" को "अ" पढ़ें।
32. पृष्ठ 3 पर, अनुसूची के पैरा 1 की दूसरी पंक्ति में "18क" को "19क" पढ़ें।
33. पृष्ठ 3 पर, अनुसूची के पैरा 1 के पश्चात् है नए पैरा के प्रारंभ में "1" को "2" पढ़ें।
34. पृष्ठ 3 पर, अनुसूची के पुनः संख्यांकित पैरा 2 की तीसरी पंक्ति में "बावत" को "बावत" पढ़ें।
35. पृष्ठ 3 पर अनुसूची के पुनः संख्यांकित पैरा 2 की 9वीं पंक्ति में "संविद्यायारत" को "संक्रियारत" पढ़ें।
36. पृष्ठ 3 पर पुनः संख्यांकित पैरा 2 की दसवीं पंक्ति में "विधित" शब्द को "विधित" पढ़ें।
37. पृष्ठ 3 पर अनुसूची के पुनः संख्यांकित पैरा 2 की 17वीं पंक्ति में "भषज्जो" को "भषज्जो" पढ़ें।
38. पृष्ठ 3 पर, अनुसूची पुनः संख्यांकित पैरा 20 की 25वीं पंक्ति में, "भषज्जो" शब्द को "भषज्जो" पढ़ें।
39. पृष्ठ 3 पर अनुसूची के पुनः संख्यांकित पैरा 2 की 29वीं पंक्ति में "भषज्जो" को "भषज्जो" पढ़ें।
40. पृष्ठ 3 पर अनुसूची के पुनः संख्यांकित पैरा 2 की 32वीं पंक्ति में "पाष" को "पाष" पढ़ें।
41. पृष्ठ 3 पर अनुसूची के पुनः संख्यांकित पैरा 2 की 37वीं पंक्ति में "दाप" के पश्चात् "," जोड़ें।

42. पृष्ठ 3 पर, अनुसूची के पुनः संख्यांकित पैरा 2 की 39वीं पंक्ति अंत में "ओड़ें।"
43. पृष्ठ 3 पर अनुसूची के पैरा 3 की तीसरी पंक्ति में "29" के स्थान पर "29क" पढ़ें।
44. पृष्ठ 3 पर अनुसूची के पैरा 3 की तीसरी पंक्ति में "भषज्ज" को "भषज्ज" पढ़ें।
45. पृष्ठ 3 पर अनुसूची के पैरा 3 की 9वीं पंक्ति में "ठ." को "छट" पढ़ें।
46. पृष्ठ 3 पर अनुसूची के पैरा 3 की 14वीं पंक्ति में "रजिस्ट्रिकरण" को "रजिस्ट्रिकरण" पढ़ें।
47. पृष्ठ 3 पर, अनुसूची के पैरा 3 के अंत में "जोड़ें।"

[सं. एस-12014/12/74-एस आर]

श्रीमती टी. कुन्धवी,
डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

CORRIGENDA

New Delhi, the 19th September, 1991

S.O. 2453.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S. O. 799(E), dated the 15th October, 1990 published at pages 3-6 of the Gazette of India, Extraordinary Part II, Section 3, Sub-Section (ii), dated the 16th October, 1990 :—

- (a) at page 3, in the Preamble, in line 10, for "Asusm" read "Assam";
- (b) at page 4, in clause 3, in sub-clause (e), in line 3, for "clauses" read "clauses";
- (c) at page 4, in clause 7,—
 - (i) in line 3, for "apointed" read "appointed";
 - (ii) in line 7 for "ordinarily" read "ordinarily";
- (d) at page 4, in clause 8, in line 2, for "exiting" read "existing";
- (e) at page 5, in the Schedule, in line 44, for "Counell" read "Council";
- (f) at page 6, in the Schedule,—
 - (i) in line 21, for "registered" read "register";
 - (ii) in lines 22 and 23, for "fur-the" read "further".

[No. S-12014/12/74-SR]

SMT. T. KUNDHAVI, Desk Officer.

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आवेदन

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1991

का.आ. 2454.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा राज्य के पुलिस स्टेशन भिवानी मस्टी, भिवानी में 23-9-90 की प्रथम इसिल रिपोर्ट सं. 382 के अंतर्गत रजिस्टर्ड किए गए मामले में भारतीय दंड संहिता (1860 का 45) की धारा 307, 120-घ और शस्त्र अधिनियम, 1959 (1959 का अधिनियम सं. 54) की धारा 25, 27 के अंतर्गत दंडनीय अपराधों और उक्त अपराधों और उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैध ही संव्यवहार के अनुक्रम में

किए गए किसी अन्य अपराधों के संबंध में या उनसे संसक्त प्रयत्नों, बुध्दियों और धर्मों के अन्वेषण के लिए हरियाणा सरकार के आदेश स. 25/38/90-9-2 दिनांक 4-6-91 द्वारा दी गई हरियाणा सरकार की सभी विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारों का विस्तार संयुक्त हरियाणा राज्य पर करती है।

[संख्या 228/24/91-ए. सी. डी-II]

ए. सी. शर्मा, अवसर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, P. G. & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

ORDER

New Delhi, the 13th September, 1991

S.O. 2454.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of Government of Haryana vide Government of Haryana order No. 25/38/90-9-HG-2, dated 4-6-1991, hereby extends the powers and jurisdiction of the Members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Haryana for investigation of the offences punishable under sections 307, 120-B of Indian Penal Code (45 of 1860) and sections 25, 27 of Arms Act, 1959 (Act No. 54 of 1959) and attempts, abettments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences and any other offences committed in the course of the same transaction whatsoever, committed in the course of the same transaction arising out of the same facts in the case registered vide FIR No. 382, dated 23-9-1990 at Police Station Bhiwani City, Bhiwani in the State of Haryana.

[No. 228/24/91-AVD. II]

A. C. SHARMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली 10 सितम्बर, 1991

स्टाम्प

का.भा. 2355.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो आवास तथा शहरी विकास निगम द्वारा जारी किए जाने वाले चार सौ करोड़ रुपये मात्र मूल्य के 9 प्रतिशत कर मुक्त विमोक्ष्य अपरि-वर्तनीय ऋणको बन्धपत्र शृंखला 1 तथा 13 प्रतिशत कर दिये विमोक्ष्य अपरिवर्तनीय ऋणको बन्धपत्र शृंखला 1 के रूप में वर्णित ऋणपत्र के रूप में बन्धपत्रों पर उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्रभावी है।

[सं. 38/91-स्टाम्प-का. सं. 33/29/91-वि. क.]

आरामा राम, अवसर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 10th September, 1991.

STAMPS

S.O. 2455.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures described as 9 % tax free redeemable non-convertible HUDCO bonds Series I and 13 % taxable redeemable non-convertible

HUDCO bonds Series I of the value of rupees four hundred crores only to be issued by Housing and Urban Development Corporation are chargeable under the said Act.

[No. 38/91-Stamp-F. No. 33/29/91-ST.]

ATMA RAM, Under Secy.

महानिदेशक आयकर (छूट) का कार्यालय

कलकत्ता, 5 जुलाई, 1991

(आयकर)

का. भा. 2456.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/सी) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन, अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अध्यय. आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकरनिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

थापर कारपोरेट रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट सेन्टर,

पोस्ट बॉक्स नं.-68,

पटियाला-147001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर प्रथम उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 10 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 476/का. सं. डी. जो./पे-1/कल./35/(1) (ii) 80-आ. कर (छूट)]

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF INCOME

TAX (EXEMPTIONS)

Calcutta, the 5th July, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 2456.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax

Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

संगठन का नाम

दासदायल कैंसर रिसर्च सेंटर,
926, फर्ग्युसन कॉलेज रोड,
शिवजीनगर, पुणे-411004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावो है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन का समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विरोध मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह का समाप्ति पर अब या उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् थयार्साइल अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की प्रस्तुत कराई हैं।

[सं. 477/फा. सं. शो. जॉ./एम-10/कल. 35 (1) (ii) 89-
आ. कर (छूट)]

Calcutta, the 8th July, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 2457.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Deendayal Cancer Research Centre,
926, Ferguson College Road,
Shivaji Nagar, Pune-411 004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE :—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received

NAME OF THE ORGANISATION

Thapar Corporate Research & Development Centre,
Post Box No. 68,
Patiala-147001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE —The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 476/F. No. DG/P-1/Cal/35(1)(ii)89-IT(E)]

कलकत्ता, 8 जुलाई, 1991

(आयकर)

फा. आ. 2457.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैलीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महामति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति धन-अध्यय, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

ed after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 477/F. No. DG/M-10/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

(1) पदक

का. प्रा. 2458.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीम/एक/दो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महेरली रोड, नई दिल्ली - 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी धन्य, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर प्रायुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि बाण्ड्रा होली फैमिली मेडिकल रिसर्च सोसाइटी,
सेन्ट एण्ड्रूज रोड बाण्ड्रा,
बम्बई - 400050

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति का माह पूर्व आयकर प्रायुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवस्था उत्कृत अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 478/फा. सं. डी. जी./एम - 93/कन./35/(1) (ii)/90-आ. कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 2458.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

(ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of the audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Bandra Holy Family Medical Research Society,
St. Andrew's Road, Bandra,

Bombay-400050.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 478/F. No. DG/M-93/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

का. प्रा. 2459.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीम/एक/दो) की उपधारा (i) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महेरली रोड, नई दिल्ली - 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी धन्य, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर प्रायुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

राजकोट जैनर समिति,
(यूनिट : श्रीमती बी. प्रार. देशा,
कैप्टन रिसर्च सेक्टर), रिया रोड,

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित प्रादेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर प्रथम उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित प्रादेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए प्रावेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए प्रावेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 479 / फा. सं. डी. जी./जी-7/कल./35(1) (ii)/90 - आ. कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 2459.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research; and (c) Commissioner of Income-tax, Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Rajkot Cancer Society,
(Unit: Smt. V. R. Desai Cancer
Research Centre), Rajya Road,
Rajkot-360001 (Gujarat)

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE :

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 479/F. No. DG/G-7/Cal./35(1)(ii)/90-IT(E)]

(आयकर)

फा. सं. 2460.—सर्वेसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैलीम/एक/दो) की उपधारा (i) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को सहमति में, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अंतर्गत विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रकृति के अर्धीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष को 31 मई तक, सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली - 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यवस्थापियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक आयकर (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्रीम. कैसी मेडिकल रिसर्च सेंटर,
60, भुलाभाई देशाई रोड,
बम्बई - 400026

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित प्रादेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर प्रथम उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित प्रादेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन बढ़ाने के लिए प्रावेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए प्रावेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 480 फा. / सं. डी. जी./एम-5/कल./35/ (1) (ii)/89-प्रा. कर (छूट)]

(INCOME TAX)

S.O. 2460.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commis-

sioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Breach Candy Medical Research Centre,
60, Bhulabhai Desai Road,
Bombay-400026.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 480/F. No. DG/M-5/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

(आयकर)

कलकत्ता, 10 जुलाई, 1991

का.आ. 2461—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/सो की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षण वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-स्वयं, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल
मैनेजमेंट एंड रिसर्च,
बालवाव सेंटर,
तारदेव रोड,
बम्बई-400034

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आय कर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में 'संगठन' में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सूचित दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदन आवेद उद्योग तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उत्तर अधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदन आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन का अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 481/का.सं. डी. जी. एन-110/कज] 35 (1) (ii) 90-आ. कर (छूट)

Calcutta, the 10th July, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 2461.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1952, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Construction,
Management & Research,
Walchand Centre,
Tardeo Road,
Bombay-400034.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 481/F. No. DG/M-110/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

कलकत्ता, 11 जुलाई, 1991

(आयकर)

का.घा. 2462—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एवबद्धा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरीस/एफ/डो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक भण्ड लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन न्यू मेहरोली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, प्राप्तियों एवं वेतनदायियों के विवरण सहित (क) महानिदेशक, (आयकर छूट) (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हरिलाल जयचंद दोशी मैडिकल रिसर्च फाउन्डेशन,

मालवीय नगर, गोंडाल रोड,

राजकोट-560004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की प्राप्ति बढ़ाए के लिए अनुसंधान की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में 'संगठन' में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया गया है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेदन उत्पन्न तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 432/का.सं. डी.जी./जी-28/कल. 35 (1)(ii)/90-आ.कर (छूट)]

Calcutta, the 11th July, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 2462.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Harilal Jechand Doshi Medical
Research Foundation,
Malaviya Nagar, Gondal Road,
Rajkot-360004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE :

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 482/F. No. DG/G-26/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

(आयकर)

का.घा. 2462—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एवबद्धा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरीस/एफ/डो) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक भण्ड लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, प्राप्तियों एवं वेतनदायियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डॉ. विक्रम ए. सराभाई ए.एम.ए. मेमोरियल ट्रस्ट,

अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन,

बैंक ऑफ इंडिया बिल्डिंग,

III फ्लोर भान्द्रा,

अहमदाबाद-380001 (भारत)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन की अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदन आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदन आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदनपत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 483 फा.सं. डी.जी./जी-12/कल. 35(i)(iii)-89-आ. कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 2463.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Dr. Vikram A. Sarabhai AMA Memorial Trust,
Ahmedabad Management Association,
Bank of India Building,
III Floor Bhandra,
Ahm dabad-380001 (India).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE :

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) 2446 GI/91—2

having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 483/F. No. DG/G-12/Cal/35(i)(iii)/89-IT (E)]

(आयकर)

फा. आ. 2463—यहाँ सूचना की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरिस् एक दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परिक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अर्थात्-आय, आयकरों एवं इतरियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डॉ. विक्रम ए. सराभाई मैनेजमेंट एसोसिएशन, नया भन्द्रा, शास्त्री मार्ग,
घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-400086.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी:—संगठन की अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदन आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदन आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदनपत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 484 [फा.सं. डी.जी./एम-79/कल./35/(1) (ii)-90-आ. कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 2464—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of

clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one-two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Bombay Textile Research Association
Tul Bahadur Shastri Marg, Ghatkopar (West),
Bombay-400086.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993

NOTE :

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

INo 484/E No. DG/M 79/Cs1/35(1961)90 (T/P)

(आयकर)

आ.सं. 2465—यहाँ बताया कि यन्त्रा के लिये एकत्रित यत् समित्वता जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (तीसरे/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से आयकर, नियम 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अन्तर्गत अन्तर्भूत किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षण वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अपनी, आस्थियों एवं वेनदायियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छट) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन ऑफ इलेक्ट्रिकल मेसूरिंग इन्स्ट्रुमेंट्स,
स्वतंत्रवीर ताप्या टोपा मार्ग, चिन्नाभट्टी सियन,
पो. बम्बई-400022

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की प्रवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी:— संगठन की अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर/आयुक्त आयकर निदेशक (छट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सूचित दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ, अनुमोदन आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त प्रवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथासंभव अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 485 [फा.सं. की.जी.एम-83/कल./35/(1)(ii)/90-आ. कर (छट)।]

(INCOME-TAX)

S.O. 2465.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one-two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Design of Electrical Measuring
Instruments, Swatantravcer Topya Tope Marg,
Chinnabhatti Sion,
P.O. Bombay-400022.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE :

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of

the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 485/F. No. DG/M-83/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

(आयकर)

का.आ. 2466:—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग गैरार रखा जाएगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, प्राप्तियों एवं देदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डॉ. रामाजिनी रिसर्च इन्स्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिकल डेवेलपमेंट्स, 577, शुक्रवार पथ, मुंबासनगर, पुणे-411002.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सूझा दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदन आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथार्था अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 486/फा.सं.डी.जी./एम-32/कल./35/(1)(ii)/89-भा. कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 2466.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category

‘Institution’ subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Dr. Ramazani Research Institute of Occupational Health Services, 577, Shukrawar Peth, Subhashnagar, Pune-411002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE :

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 486/F. No. DG/M-32/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

(आयकर)

का.आ. 2467:—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखा जाएगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, प्राप्तियों एवं देदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

आई रिसर्च सेंटर,
13, कैथेड्रल रोड,
मद्रास-600086.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

कलकत्ता, 16 जुलाई, 1991

(आयकर)

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 487/फा.सं.डी.जी./टी.एन. 22/का. 35 (1) (ii)/89-आ. कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 2467.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Eye Research Centre,
13, Cathedral Road,
Madras-600086.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE :

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 487/F. No. DG/TN-22/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

का.आ. 2468—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैरा 35/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक संबंधी अनुसंधान कार्रवायों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली -110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अपनी, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इण्डियन मेडिकल साइन्टिफिक रिसर्च काउन्डेशन,
अजड मैनशन, भालब्रिडा रोड,
राजकोट-360002
गुजरात (भारत)।

यह अधिसूचना दिनांक 11-6-91 से 31-3-92 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 488/फा.सं.डी.जी./जी-50/कल./35(1)(ii)/91-आ. कर (छूट)]

Calcutta the 16th July, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 2468.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Medical Scientific Research Foundation,
Ajoy Mansion, Malaviya Road,
Rajkot-360002,
Gujarat (India).

This Notification is effective for the period from 11-6-91 to 31-3-92.

NOTE :

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 488/F. No. DG/G-50/Cal/35(1)(ii)/91-IT(E)]

(आयकर)

का.आ. 2469- सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरोस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (99) के नियम, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित अधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

अस्त्र रिसर्च सेंटर इण्डिया,
पोस्ट बॉक्स नं.-359
18 वां क्रॉस, मल्लेस्वरम,
बेंगलूर -560003

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह का समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के लोक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथासंभव अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 489/फा.सं.डी.जी./कें.टी. 4/कल-35 (1)(ii)/89-आ.कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 2469.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Astra Research Centre India,
Post Box No. 359,
18th Cross, Malleswaram,
Bangalore-560003.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE :

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where

the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 489/F. No. DG/KT-4/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

(आयकर)

का.भा. 2470—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एनद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (वैतीस/एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अर्धीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यालय" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी धन्य, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इण्डिया यूनिवर्सिटी,
सेन्ट्रल कॉलेज कैंपस,
बैंगलूर - 560001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक को अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आবেदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आবেदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आবেदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 490 / का.सं.डी.बी./के.टी. 6/क. / 35 (1) (iii)-89
भा.कर (छूट)]

INCOME-TAX

S.O. 2470.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax

(Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

National Law School of India University,
Central College Campus,
Bangalore-560001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 390/F. No. DG/KT-6/Cal/35(1)(iii)/89-IT(E)].

आयकर

का.भा. .—2471 सर्वसाधारण की सूचना के लिए एनद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (वैतीस/एक/तीन) की उपधारा (3) के खण्ड (iii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अर्धीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-11001 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी धन्य, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव व वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हाफकिन इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग रिसर्च एंड टेस्टिंग,
आचार्य दोंडे मार्ग, पारेल
बम्बई-400012

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर प्राप्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 491/का. सं. डी.जी./एम 119/कल./35(1)(ii)/90-आ. कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 2471.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific, Research;
- It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Haffkin Institute for Training Research and Testing,
Acharya Donde Marg,
Parel, Bombay-400012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisa-

tion may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research

[No. 491/F. No. DG/M-119/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

(आयकर)

का.आ. 2472—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पंक्ति दो) (क) उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक आयकर छूट द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक प्रलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-नरीति: वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने व्यव, प्राप्तिगों एवं देयदारियों के विवरण सहित (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर प्राप्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हाफकिन इंस्टीट्यूट ऑफ़ ट्रेनिंग रिसर्च एंड टेस्टिंग
डॉ. आचार्य दोंडे मार्ग, पारेल,
कोलकाता, बम्बई-400005

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर प्राप्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 492/का. सं. डी.जी./एम-120/कल./35(1)(ii)/90-आ. कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 2472.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department

of Scientific and Industrial Research for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Institute of Geomagnetism,
Dr. Nanabhoy Mooz Road,
Colaba, Bombay-400005.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 492/F. No. DG/M-120/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

(आयकर)

का.आ. 2473.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखापरीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इण्डियन प्लाईवुड इण्डस्ट्रियल रिसर्च एसोसिएशन
पोस्ट बैग-2273, टुंकर रोड,
बैंगलूर-560022

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 493/फा.सं.डी.जी./के.टी.-26/कल./35(1)(ii) 90-आ.कर(छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 2473.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Plywood Industries Research Association,
Post Bag-2273, Tunker Road,
Bangalore-560022.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 493/F. No. DG/KT-26/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

(आयकर)

का.आ. 2474—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर अधिनियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अध्य, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कर्नाटक इन्स्टीट्यूट फॉर अप्लाइड एग्रिकल्चरल रिसर्च,
समीरवादी, जिला-बीजापुर (587316)
कर्नाटक इस्टेट,

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की सान्निध्य में आवेदन करने के लिए गुंजाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 191/का.सं.डी.जो./क.टी. 11/कल./35 (1) (ii)/89-आ. कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 2474.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions), in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (1) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

2446 GI/91—3

(ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Karnataka Institute of Applied Agricultural Research,
Sameerwadi, Distt. Bijapur (587316),
Karnataka Estate.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 494/F. No. DG/KT-11/Ca/35(1)(ii)/89-IT(E)]

कलकत्ता, 17 जलाई, 1991

(आयकर)

का.आ. 2475.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर अधिनियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अध्य, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कामायनी उद्योग केन्द्र सोसाइटी

"कामायनी"

1187/64, शिवाजी नगर,

पुणे-411005

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी. संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदन आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदन आवेदन प्राप्त करने के पश्चात यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 495/का.सं. डी.जी./एम-45/कल. 35(1)(ii)/89 आ. कर (छूट)]

Calcutta, the 17th July, 1991
(INCOME-TAX)

S.O. 2475.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Kamayani Udyog Kendra Society, "KAMAYANI"
1187/64, Shivaji Nagar, Pune-411005.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE - The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension

of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 495/F. No. DG/M 45/Cal[35(1)(ii)]89-JT(E)]

(आयकर)

का.सं. 2476 -सर्वसाधारण की सूचना के लिए एम्प्लोयर्स या अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, 'आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/दो) की उपधारा (1) के क्लॉ (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारों अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'संस्थान' प्रयोग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अपनी, आस्थियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बाई नेरवार्ड बाइया अस्पताल फार चिन्डुन एण्ड इन्स्टीट्यूट

ग्राम चारुल्ल हैल्थ रिसर्च सोसायटी,

आचार्य दोंडे मार्ग, पारोड,

बम्बई-400012

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी. संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदन आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदन आदेश प्राप्त करने के पश्चात यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदनपत्र की 6 प्रतियां, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 496/का.सं. डी.जी./एम-28/कल. 35(1)(ii)/89-आ. कर (छूट)]

(INCOME TAX)

S.O. 2476.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject

the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Bai Jerbai Wadia Hospital for Children and Institute of Child Health Research Society, Acharya Donde Marg, Parel, Bombay-400012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 496/F. No. DG/M-28/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

कलकत्ता, 25 जुलाई, 1991

(आयकर)

का.प्र. 2477 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैनीग/एक दो) की उपधारा (1) क खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर विधम, 1962 के विधम, 6 के अधीन विहित प्राधिकारी प्रार्थी महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक पत्रग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपनी वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमाओं का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक गवर्नर न्यू मेहराउली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अवकाश-अर्थ, आविष्कार एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेश (छूट) जिसके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बैंगलूर किडनी फाउंडेशन,
316, 14वां क्रॉस, II ब्लॉक,
जयनगर, बैंगलूर-560011.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिसके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदन आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर प्रेषण उसकी अवधि की समाप्ति के एक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् पाशोच्च अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 497 (फा.स.ई.जी./क.टी. 38/क.न./35 (1) (ii), 91-मा. कर (छूट)]

Calcutta, the 25th July, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 2477.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in occurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax, (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Bangalore Kidney Foundation, 316, 14th Cross, II Block, Jayanagar, Bangalore-560011.

This Notification is effective for the period from 4-3-1991 to 31-3-1994.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 497/F. No. DG/KT-38/Cal/35(1)(ii)/91-IT(E)]

कलकत्ता, 17 जुलाई, 1991

आयकर

का.आ. 2478:—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (परीम/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्व-विद्यालय" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन न्यू मेहरोली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, निम्नलिखित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अपनी, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री सत्य साईं इस्टीमेट्स ऑफ़ हायर लर्निंग,
प्रसन्धिनिलयम, जिला-भरनतपुर
आन्ध्र प्रदेश-5151341

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी:—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, को माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में भेजना करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर पड़ता हो, उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ या, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करेगा।

[ग. 498/का.स.ई.जी./ए.पी. 5/कल./35 (1) (ii) 89-भा. कर (छूट)]

Calcutta, the 17th July, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 2478.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in occurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

(ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sri Sathya Sai Institute of Higher Learning, Prasanthini-Jayam, Dist.—Anantapur, Andhra Pradesh-515134.

This Notification is effective for the period from 4-3-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 498/F. No. DG/AP-5/Cal/35(1)(ii)89-IT(E)]

कलकत्ता, 24 जुलाई, 1991

(आयकर)

का.आ. 2479:—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (परीम/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन न्यू मेहरोली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, निम्नलिखित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अपनी, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेन्टर फॉर डिसेम्बलमेंट ऑफ़ आर्ट्स एंड साइन्स कम्प्यूटिंग,
पूर्ण यूनिवर्सिटी कम्पास, गणेशखिन्दा,
पूणे-411 007.

यह अधिसूचना दिनांक 6-5-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सूझा दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 499/का.सं.डा.अ./एम-143/का./35 (1) (ii)/91-आ. कर (छूट)]

Calcutta, the 24th July, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 2479.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Development of Advanced Computing, Pune University Campus, Ganeshkhind, Pune-411007.

This Notification is effective for the period from 6-5-1991 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 499/F No. DG/M-143/Cal/35(1)(ii)/91-JT(E)]

कलकत्ता, 24 जुलाई, 1991

(आयकर)

का.आ. 2480 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के

खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अन्तर्गत विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अन्तर्गत अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परोक्षित वार्षिक लेखों का एक प्रति अपना-व्यय, आस्तियों एवं देदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वर्ल्ड वाइड फण्ड फॉर टेक्नो-इण्डिया,

मार्फत-गोबरेज एण्ड बाथन मैन्सू. क. भ. लि.,

लानगॉज, पारोव,

बम्बई-400012.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सूझा दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 500/का.सं.डा.अ./एम-12/का./35 (1) (ii)/89-आ. कर (छूट)]

Calcutta, the 24th July, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 2480.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

World Wide Fund for Nature—India,
C/o. Godrej & Boyce Mfg. Co. Pvt. Ltd.,
Lalbaug, Parel,
Bombay-400012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 500/F. No. DG/M-12/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

कलकत्ता, 29 जुलाई, 1991

(आयकर)

का.आ. 2481:—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैलीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (i) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकार अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों का एक वार्षिक, विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन न्यू मेहरोली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेख-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति सस्ती-व्यय, आस्तियों एवं देयदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गुजरात एन रजो डिवेलपमेंट एजेंसी,
बी.एन. चेंबरस, तीसरी मंजिल,
आर.सी. दत्त रोड,
वाडोदरा-390005 (भारत)

यह अधिसूचना दिनांक 8-2-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी:—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सूझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 501 /फा.सं.डी.जी./जी-48/कल./35/ (1)(ii)/91-आ. कर (छूट)]

Calcutta, the 29th July, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 2481.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Gujarat Energy Development Agency,
B. N. Chambers, 3rd Floor,
R. C. Dutt Road
Vadodara-390005 (India),

This Notification is effective for the period from 8-2-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 501/F. No. DG/G-48/Cal/35(1)(ii)/91-IT(E)]

आयकर

का.आ. 2482 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष का 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपना-व्यय आस्तियों, एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डॉ. जीवराज मेहता स्मारक हेल्थ फाउण्डेशन,
डॉ. जीवराज मेहता रोड,
एन.आर. अयोजनगर,
अहमदाबाद-380007.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन की अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सूझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 502/फा.सं.जी.जी./जं-4/कत./35 (1) (ii) 89-
आ. कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 2482.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology

Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Dr. Jivraj Mehta Smarak Health Foundation,
Dr. Jivraj Mehta Road,
N. R. Ayojannagar,
Amadabad-380007.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 402/F. No. DG/G-4/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

कलकत्ता, 30 जुलाई, 1991

(आयकर)

का.आ. 2483.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपना-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंटरनेशनल मैनेजमेंट इन्स्टिट्यूट,
9 ए, पैलस बिल्डिंग,
कनाटप्लेस,
नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

कलकत्ता 31 जुलाई, 1991

(आयकर)

टिप्पणी—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपयुक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथा-शीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[ग. 503/फाइल सं. सी. जी. /एन डी 28/कल/35(1) (iii) 89-आ. कर (छूट)]

Calcutta, the 30th July, 1991

(INCOME-TAX)

S.O 2483.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technolog Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

International Management Institute,
9A, Phelps Building,
Connaught Place,
New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 503/F. No. DG-ND-28/Cai/35(1)(iii)/89-IT(E)]

का.आ. 2484.—सर्वसाधारण की सूचना है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर महानिदेशक (छूट) द्वारा 35 (तीस/एक/तीस) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान प्रवर्ग" के अन्तर्गत अनुमोदित किया गया है।

संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड नई दिल्ली 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी अन्य अभिलेखों एवं वेबसाइटों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

राम कृष्ण मिशन सेवा प्रतिष्ठान विवेकानन्द

हल्द्वीपुर भाग मैडिकल साइन्ससेम (यान् युनिट भाग रामकृष्ण मिशन रामकृष्ण मिशन बेलूर मठ, हावड़ा),

99, शरण ब्रोमा रोड,

कलकत्ता 700026

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपयुक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथा-शीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं० 504/फाइ. सं. सी. जी. /इन्स्यू सी. 8/कल/135(1) (iii) 89 आ. कर (छूट)]

जे. चक्रवर्ती,

उप निदेशक आयकर छूट

Calcutta, the 31st July, 1991

(INCOME TAX)

S.O 2484.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax

(Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Ramkrishna Mission Seva Pratisthan, Vivekananda,
Institute of Medical Sciences, (A Unit of,
Ramkrishna Mission, Belur Muth, Howrah),
99, Sarat Bose Road,
Calcutta-700026.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 504/F. No. DG/WB-6/Cal/35(1)(ii)/89-II(E);

J. CHAKRABORTY, Dy. Director of Income-tax
(Exemptions)

आयकर विभाग

कार्यालय, मुख्य आयकर आयुक्त

कलकत्ता, 18 जुलाई, 1991

सं० 6/91-92

का. भा. 2485--आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उपधारा (1) और (2) तथा भारत सरकार के केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली के दिनांक 30-3-1988 की अधिसूचना संख्या 7818 का. सं. 187/5/88 आई.टी.ए.आई.के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं इस बारे में पूर्व अधिसूचनाओं को अधियमण करते हुए, हमलोग मुख्य आयकर आयुक्त, कलकत्ता एतद्वारा निदेश देना हैं कि निम्न संलग्न अनुसूची के कालम (2) में वर्णित आयकर उपायुक्तों को कालम (3) में विनिर्दिष्ट आयकर आयुक्तों के प्रशासनिक केन्द्र नियंत्रण के अधीन कार्य करेंगे। 2446 GI/91-4

अनुसूची

क्रम संख्या (अपील) अपनी अपनी मुख्यालय	आयकर उपायुक्त (अपील) के पदनाम तथा उनकी जिनकी अधिकारिता उ. आ. (प्र) पर होगी	पदनाम
(1)	(2)	(3)
1. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र 1, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिमी बंगाल-11 कलकत्ता	
2. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-II, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-6 कलकत्ता	
3. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र III, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-10 कलकत्ता	
4. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-4, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-4 कलकत्ता	
5. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र -5 कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-IX कलकत्ता	
6. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-6, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-X कलकत्ता	
7. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-7, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-4, कलकत्ता	
8. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-8, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-9 कलकत्ता	
9. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-9, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-कलकत्ता	
10. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-10, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-8 कलकत्ता	
11. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-XI कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-XI कलकत्ता	
12. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-12, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-8 कलकत्ता	
13. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-13, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-5, कलकत्ता	
14. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-14, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-6, कलकत्ता	
15. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-15, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-X कलकत्ता	
16. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-16, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-8, कलकत्ता	
17. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-17, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-XI कलकत्ता	
18. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-18, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-8, कलकत्ता	
19. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र जलपाईगुड़ी जलपाईगुड़ी	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-1 कलकत्ता	
20. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र आसनसोल, आसनसोल	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल 11, कलकत्ता	

2. यह अधिसूचना दिनांक 1-8-1991 से प्रभावी होगी

[सं. सं. आ/मुख्य योजना/80/90-91]

डा. एन. आर. शिवस्वामी,
मुख्य आयकर आयुक्त-III
कलकत्ता
के.के. शीर,
मुख्य आयकर आयुक्त-II
कलकत्ता

डा. एन. आर. शिवस्वामी,
मुख्य आयकर आयुक्त

INCOME- TAX DEPARTMENT

(Office of the Chief Commissioner of Income Tax)

Calcutta, the 18th July, 1991

No. 6/91-92

S.O. 2485—In exercise of the power conferred by sub-section (1) & (2), of section 120 of the Income-tax Act, 1961 (Act 43 of 1961) and in exercise of powers conferred on us by the Government of India, Central Board of Direct Taxes, New Delhi, vide Notification No. 7818 in F.No. 187/5/88-IT. AI dated 30-3-1988 and in supersession of all earlier orders issued on this behalf, we, the Chief Commissioners of Income Tax, Calcutta hereby direct that the Deputy Commissioners of Income Tax (Appeals) shown in column (2) of the schedule annexed hereto, shall function under the administrative control of the Commissioners of Income Tax specified in column (3) of the schedule annexed hereto.

SCHEDULE

Sl. No.	Designation of the Deputy Commissioners of Income Tax (Appeals) and their respective headquarters.	Designation of the Commissioners of Income Tax who will exercise administrative control over the DC (A)
1	2	3
1.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-I, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-II, Calcutta.
2.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-II, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VI, Calcutta.
3.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-III, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-X, Calcutta.
4.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-IV, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-IV, Calcutta.
5.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-V, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-IX, Calcutta.
6.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-VI, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-X, Calcutta.
7.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-VII, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-IV, Calcutta.
8.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-VIII, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-IX, Calcutta.
9.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-IX, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VII, Calcutta.
10.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-X, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VIII, Calcutta.
11.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-XI, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-XI, Calcutta.
12.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-XII, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VIII, Calcutta.
13.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-XIII, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-V, Calcutta.
14.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-XIV, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VI, Calcutta.
15.	Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-XV, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-X, Calcutta.

1	2	3
16. Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-XVI, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VIII, Calcutta	
17. Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals). Range-XVII, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-XI, Calcutta.	
18. Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-XVIII, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VII, Calcutta.	
19. Deputy Commissioner of Income Tax (Appeals). Range-Jailpaiguri, Jalpaiguri.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-I, Calcutta.	
20. Deputy Commissioner of Income Tax (Appcals). Range-Asansol, Asansol.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-XI, Calcutta,	

2. This notification shall come into force on and from the 1st day of August, 1991.

[No. AC/HQ/Planning/80/90-91]

कलकत्ता, 19 जुलाई, 1991

(सं. 7/91-92)

का.आ. 2486:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उप धाराएं (1) और (2) और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली के दिनांक 1-4-1984 की अधिसूचना संख्या 7842/17/8 आई.टी.ओ. 8/एस.ओ. सं. 361 (ई) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों तथा इस बाबत मुझे प्रदत्त सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं इस संबंध में जारी सभी पूर्व अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए, इस अधिक्रमण के पूर्व के मामलों जो विपदाएं गये हैं या निपटाने से छूटे हुए हैं, को छोड़कर, मैं, मुख्य आयकर आयुक्त, कलकत्ता गृहद्वारा निदेश देता हूँ कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उप-धारा (1) के खण्ड (ए) से (1) तक, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 23 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) से (एच) तक, दानकर अधिनियम 1958 (1958 का 18) की धारा 22 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) से (जी) तक तथा सम्पदा शुल्क अधिनियम, 1953 (1953 का 34) की धारा 62 में उल्लिखित किसी आदेशों के अनुसार स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट आयकर अधिकारियों/निर्धारण अधिकारियों द्वारा जिन असंतुष्ट निर्धारितियों का आय या धनकर या दानकर या संपदा शुल्क का निर्धारण हो, उनके संबंध में, संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट आयकर उपायुक्तों (अपील), जो स्तम्भ 3 में अपने नाम के सामने उल्लिखित आयकर आयुक्तों के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन हैं। अपने कार्यों का निष्पादन करेंगे।

2. जहाँ एक आयकर सर्कल, वार्ड, या विशेष रेंज या उनके अंग इस अधिसूचना के अनुसार एक प्रभार से दूसरे प्रभार में स्थानान्तरित हो गये हों, इस अधिसूचना के जारी होने के ठीक पहले आयकर उपायुक्त (अपील), जिनके प्रभार से आयकर वार्ड/सर्कल/विशेष रेंज स्थानान्तरित किए गये हों के समीप उन आयकर वार्ड/सर्कल/विशेष रेंज या उनके अंग में हुए निर्धारण से संबंधित जो अपील लम्बित हों, इस अधिसूचना के प्रकाश होने की तिथि से, उनका स्थानान्तरण हों, इस और उनका निपटान उन आयकर उपायुक्त (अपील) से हो, जिनकी उपर्युक्त वार्ड/सर्कल/विशेष रेंज या उनके अंग इस आदेश के द्वारा विशेष रूप से सुपुर्ब किया गया हो, बशर्ते इस आदेश में और कहीं उल्लेख न हो।

3. यह अधिसूचना 12-8-1991 से लागू होगी।

अनुसूची

दिनांक 19-07-91 की अधिसूचना सं. 7191-92 का अनुलग्नक (मुख्य आयकर आयुक्त, कलकत्ता के क्षेत्र के अधीन कार्यरत आयकर उपायुक्तों (अपील) की अधिकारिता।

क्रम सं.	आयकर उपायुक्त (अपील) के पदनाम मुख्यालय सहित	आयकर आयुक्तों के पदनाम जिनके प्रशासनिक नियंत्रण में आयकर उपायुक्त (अपील) होंगे।	निर्धारण अधिकारियों पारित आदेशों पर आयकर उपायुक्त (अपील) की अधिकारिता।
----------	---	---	--

1	2	3	4
1.	आयकर उपायुक्त (अपील) रेंज-जलपाईगुड़ी	आयकर आयुक्त, प.बं.-1, कलकत्ता	(क) आयकर उपायुक्त, रेंज—जलपाईगुड़ी के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी (स.भा./आ.अ. (जो) अनुसंधान) सर्कलो, और वार्डों का कार्यभार संभाल रहे हैं। (ख) पूर्व के निराशा सहा. आयुक्त जलपाईगुड़ी रेंज के अधीन किसी वार्ड/सर्कल का कार्यभार संभालने वाले आयकर अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों से संबंधित सभी लम्बित अपील।

1	2	3	4
2.	आयकर उपायुक्त रेंज-1, कलकत्ता, कलकत्ता	आयकर आयुक्त, प.बं.-11, कलकत्ता	(क) निम्नलिखित आयकर उपायुक्तों के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी (स.आ./आ.अ.) जो (अनुसंधान) सर्कलों, सर्कलों और वार्डों का भार संभाल रहे हैं। (1) आ.अ. रेंज-1, कलकत्ता (2) आ.उ. रेंज-7, कलकत्ता (ख) आयकर निदेशक (छूट), कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी सहा. निदेशक आयकर व आयकर अधिकारी। (ग) पूर्व के आयकर जिला/सर्कल/अनुभाग के किसी वार्ड/सर्कल का कार्यभार संभाल रहे आयकर अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों के संदर्भ में सभी लंबित अपील— 1. कंपनी जिला, 1 कलकत्ता 2. कंपनी जिला-2 कलकत्ता 3. विदेश कंपनी सर्कल-1, कल. 4. विदेश कंपनी सर्कल-II, कल. 5. विदेश अनुभाग, कलकत्ता 6. अप्रवासी सर्कल, कलकत्ता।
3.	आयकर उपायुक्त (अपील) रेंज-9, कलकत्ता, कलकत्ता	आयकर आयुक्त प.बं.-7, कल.	(क) निम्न आ. उपायुक्तों के अधीन कार्यरत वार्डों/सर्कलों का कार्य- भार संभालने वाले सभी निर्धारण अधिकारी (स.आ./आ.अ.) 1. आ.उ. रेंज-6, कलकत्ता 2. आ.उ. रेंज-II, कलकत्ता (ख) पूर्व के आयकर जिला/सर्कल/अनुभाग के किसी वार्ड/सर्कल का कार्यभार संभाल रहे आयकर अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों के संदर्भ में सभी लंबित अपील। 1. जिला 5 (ए) कलकत्ता 2. जिला III (ए), कलकत्ता 3. केन्द्रीय वेतन सर्कल 4. विशेष सर्कल-5 वी (केवल सी.-वार्ड) 5. आर.एम.एस.सी. 6. वार्षिक विवरणी (टि.डि.एस.) अनुभाग 7. विशेष सर्कल-5 (केवल ए-वार्ड)
4.	आयकर उपायुक्त (अपील) रेंज-10 कलकत्ता	आयकर आयुक्त, प.बं.-8, कलकत्ता	(क) आ.उ. रेंज-15, कल. के अधीन कार्यरत (अनुसंधान) सर्कलों, सर्कलों व वार्डों के सभी निर्धारण अधिकारी (स.आ./आ.अ.) (ख) पूर्व के आ.क. जिला. III (2), कल. के किसी वार्ड/सर्कल के आयकर अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों से संबंधित सभी लंबित अपील।
5.	आयकर उपायुक्त रेंज-12, कलकत्ता, कलकत्ता	आयकर आयुक्त, प.बं.-8, कलकत्ता	(क) निम्नलिखित उपायुक्तों के अधीन कार्यरत (अनुसंधान) सर्कलों/वार्डों के सभी निर्धारण अधिकारी (स.आ./आ.अ.) 1. आ.उ. रेंज-10, कल (स.आ. सर्कल, अंडमान निकोबार द्वीपों, समेत)। 2. आ.उ. रेंज-21, कलकत्ता (ख) पूर्व के आयकर जिला/सर्कल के किसी वार्ड/सर्कल के आयकर अधिकारियों द्वारा पारित किये गये आदेशों से संबंधित सभी लंबित अपील। 1. जिला 11 (2), कलकत्ता 2. परियोजना सर्कल (अंडमान व निकोबार द्वीपों समेत)।
6.	आयकर उपायुक्त (अपील) रेंज-16, कलकत्ता, कलकत्ता	आयकर आयुक्त, प.बं.-8, कल.	(क) आयकर उपायुक्त रेंज-13, कल. के अधीन कार्यरत (अनुसंधान) सर्कलों/सर्कलों, वार्डों के निर्धारण अधिकारी (स.आ./आ.अ.) (ख) पूर्व के आयकर जिलों के किसी भी वार्ड/सर्कल के आयकर अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों के संबंध में सभी लंबित अपील— 1. जिला 1 (2), कलकत्ता 2. जिला 1 (3), कलकत्ता

7. आयकर उपायुक्त, (अपील) रेंज-18, कलकत्ता, कलकत्ता
- आयकर आयुक्त, प.बं.-7, कल.
- (क) आयकर उपायुक्त, रेंज-20, कल. के अधीन कार्यरत (अनुसंधान) सर्कलों/सर्कलों/वार्डों, के सभी निर्धारण अधिकारी (स.आ./आ.अ.) ।
- (ख) पूर्व के आयकर जिला सर्कलों के किसी वार्ड/सर्कल के आयकर अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों के संबंध में सभी संबंधित अपील—
1. विशेष सर्कल-5 (बी. वार्ड केवल) ।
 2. न्यास सर्कल 3 वापसी सर्कल
 3. चार्टरित लेखापालों का सर्कल ।
 4. बीमा एजेंट सर्कल ।

[सं. स.आ./मुख्या./योजना/80/90-91]

Calcutta, 19th July, 1991

(No. 7/91-92)

S.O. 2486.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961, (43 of 1961) and in exercise of powers conferred on me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, vide its Notification No. 7842/17/88-ITJ/S.O. No. 361(E) dated 1-4-1988 and all other powers enabling me on this behalf and, in supersession of all earlier Notifications made on this behalf, except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, I, the Chief Commissioner of Income Tax, Calcutta, hereby direct that the Dy. Commissioners of Income Tax (Appeals) specified in column 2 of the Schedule attached hereto, who are under the administrative control of the Commissioner of Income Tax as mentioned against their names in column 3 thereof, shall perform their functions in respect of such person assessed to Income Tax or Wealth Tax or Gift Tax or Estate Duty by the Income Tax Authorities/Assessing Officers specified in column 4 thereof as are aggrieved by any orders mentioned in clauses (a) to (1) of sub-section (1) of Section 246 of the Income Tax Act, 1961, clauses (a) to (ha) sub-section (1) of Section 23 of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) clauses (a) to (g) of sub-section (1) of Section 22 of the Gift Tax Act, 1958 (19 of 1958) and Section 62 of the Estate Duty Act, 1953 (34 of 1953).

2. Where as Income Tax Circle, Ward or Special Range or part thereof stands transferred by this Notification from one charge to another, appeals arising out of the assessments made in this Income Tax Ward/Circle/Special Range or part thereof and pending immediately before the date from which this Notification takes effect, before the Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) from whose charge that Income Tax Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred shall be from the date from which this Notification takes effect, transferred to and dealt with by the Dy. Commissioners of Income Tax (Appeals) to whom the said Ward/Circle/Special Range or part thereof is specifically assigned by this order, unless otherwise mentioned in this order.

3. This notification takes effect from 12-08-1991.

SCHEDULE

(Annexure to the Notification No. 7/91/-92 dated 19-07-1991)

(Jurisdiction of the Deputy Commissioners of Income Tax (Appeals) functioning under the region of the Chief Commissioner of Income Tax, Calcutta.

Sl. No. with Headquarters.	Designation of the DC of IT (Appeals)	Designation of the CIT holding administrative control over the DC of IT (Appeals)	Jurisdiction of the Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) over the orders passed by the Assng. Officer.
(1)	(2)	(3)	(4)
1. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-Jalpaiguri, Jalpaiguri.		Commissioner of Income Tax, West Bengal-I, Calcutta.	(A) All Assessing Officers (ACs) ITOs holding (investigation) Circles, Circles and Wards functioning under the D.C. Range-Jalpaiguri.

(1)	(2)	(3)	(4)
2. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) Range-I Calcutta, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-II, Calcutta.	(B) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/Circle under the erstwhile Inspecting Asstt. Commissioner, Jalpaiguri Range.	(A) All Assessing Officers (ACs/ITOs) holding (Investigation) Circles, Circles and Wards functioning under: 1. D.C. Range-1, Calcutta. 2. D.C. Range-7, Calcutta (B) All Asstt. Directors of Income Tax & Incomes Tax Officers functioning under the Director of Income Tax (Exemption), Calcutta. (C) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/Circle of erstwhile I.T. Dist/Circle/Section : 1. Comp. Dist. I, Calcutta. 2. Comp. Dist. II, Cal. 3. Foreign Co. Cir-I, Cal. 4. Foreign Co. Cir-II, Cal. 5. Foreign Section, Cal. 6. Non-Resident Cir. Cal.
3. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-IX, Calcutta, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VII, Cal.	(A) All Assessing Officer (ACs/ITOs) holding Circles and wards functioning under : 1. D.C. Range-6, Cal. 2. D.C. Range-II, Cal.	(B) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/Circle of erstwhile I. T. Dist./Circle/Section : 1. Dist. V(A), Cal. 2. Distt. III(A), Cal. 3. Central Salaries Circle 4. Spl. Circle-V (C-Ward only) 5. R.M.S.C. 6. Annual Return (TDS) Sec. 7. Spl. Circle-V (A Ward only).
4. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-X, Calcutta' Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VIII, Cal.	(A) All Assessing Officers (ACs/ITOs) holding (Investigation) Circles, Circles & Wards functioning under the D.C. Range-15, Calcutta.	

1	2	3	4
			(B) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/ circle of erstwhile I.T. Dist. III (2), Calcutta.
5. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-XII, Calcutta, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VIII, Cal.		(A) All Assessing Officers (ACs/ ITOs) holding (Investigation) Circles, Circles & Wards functioning under: 1. D.C. Range-10, Cal. (including AC Circle, Andaman & Nicobar Islands). 2. D.C. Range-21, Cal. (B) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/ Circle of erstwhile I. T. Dist/Circle : 1. Dist. II (2), Cal. 2. Project Circle (including Andaman & Nicobar Islands).
6. Dy. Commissioner of Income Tax, (Appeals), Range-XVI, Calcutta, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VIII, Cal.		(A) All Assessing Officers (ACs/ ITOs) holding (Investigation) Circles, Circles and Wards functioning under the D.C. Range-13, Cal. (B) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/ Circle of erstwhile I.T. Districts : 1. Dist. I(1), Calcutta. 2. Dist. I(3) Calcutta.
7. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals), Range-XVIII, Cal. Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VII, Cal.		(A) All Assessing Officers (ACs/ ITOs) holding (Investigation) Circles, Circles and Wards functioning under the D.C. Range-20, Calcutta. (B) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/ Circle of erstwhile Income Tax Dist/Circle : 1. Special Circle-V (B-Ward only). 2. Trust Circle. 3. Refund Circle. 4. Chartered Accountants' Circle. 5. Insurance Agents Circle.

[संख्या 9/91-92]

1

2

3

4

का. प्रा. 2487 :-आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उप धाराएं (1) व (2) और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली के विनॉक 1-4-1988 की अधिसूचना संख्या 7842/17/88 प्रा. क. एम. प्रो. संख्या 361 (ई) के अन्तर्गत प्रवृत्त शक्तियों तथा इस बाबत मुझे प्रदत्त सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करने हुए, और संबंध में जारी सभी पूर्व अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करने हुए, इस अधिक्रमण के पूर्व वे मामलों जो निपटाए गये हैं या निपटाने से छूटे हुए हैं, को छोड़ कर, मैं, मुख्य आयकर आयुक्त-III, कलकत्ता एतद्वारा निदेश देता हूं कि आयकर अधिनियम 1961 की धारा 246 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) से (1) तक, धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) की धारा 23 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) से (एच. ए) तक, दानकर अधिनियम 1958 (1958 का 18) की धारा 22 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) से (जी) तक तथा संपदा शुल्क अधिनियम 1953 (1953 का 34) की धारा 62 में उल्लिखित किसी आदेशों के अनुसार स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट आयकर प्राधिकारियों/निर्धारण अधिकारियों द्वारा जिन असंतुष्ट निर्धारितियों का आयकर या धनकर या दानकर या संपदा शुल्क का निर्धारण हो, उसके संबंध में, संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट आयकर उपायुक्त (अपील), जो स्तम्भ 3 में अपने नाम के सामने उल्लिखित आयकर आयुक्तों प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन है, अपने कार्यों का निष्पादन करेंगे।

2. जहां एक आयकर सर्कल/वाइ/विशेष रेंज-4 उनके अंश इस अधिसूचना के अनुसार एक प्रभार से दूसरे प्रभार में स्थानान्तरित हो गये हों, इस अधिसूचना के जारी होने के ठीक पहले आयकर उपायुक्त (अपील), जिनके प्रभार में आयकर वाइ/सर्कल/विशेष रेंज स्थानान्तरित किये गये हों, के समीप उपर्युक्त वाइ/सर्कल/विशेष रेंज या उनके अंश में हुई निर्धारण से संबंधित जो अपील लंबित हों, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तिथि से उनका स्थानान्तरण हों, और उनका निपटान उन आयकर उपायुक्तों (अपील) से हो, जिनको उपर्युक्त वाइ/सर्कल/विशेष रेंज या उनके अंश इस आदेश के द्वारा विशेष रूप से सुपुर्द किये गये हो, बगलें इस आदेश में कहीं न दर्शाए गये हों।

3. यह अधिसूचना 12-08-91 से लागू होगी।

अनुसूची

(19.07.91 की अधिसूचना संख्या 9/91-92 का अनुलग्नक)

मुख्य आयकर, आयकर-III, कलकत्ता के क्षेत्र के अधीन कार्यरत आयकर उपायुक्तों (अपील) की अधिकारिता

क.सं. मुख्यानय सहित आयकर आयुक्तों के निर्धारण अधिकारियों द्वारा प्राय. उ. (अपील) पदनाम जिनके पारित आदेशों पर आयकर के पदनाम प्रशासनिक उपायुक्तों (अपील) की नियंत्रण में अधिकारिता आयकर उपायुक्त (अपील) होंगे

1	2	3	4
1. आयकर उपायुक्त (अपील) रेंज-II कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-6 कलकत्ता	(क) आयकर उपायुक्त रेंज-5, के अधीन कार्यरत (अनुसंधान) सर्कलों / सर्कलों एवं वाइ/सर्कल के सभी निर्धारण अधिकारी (म. प्रा./प्रा.प्र.)	रेंज-5, पश्चिम बंगाल-6 कलकत्ता

(ख) पहले के आयकर जिला/सर्कल के किसी वाइ/सर्कल के आयकर अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों से संबंधित सभी लंबित अपील

1. विशेष अनुसंधान सर्कल-1
2. विशेष सर्कल -IX
3. पाट सर्कल
4. सिनेमा सर्कल
5. जिला-8, कलकत्ता

2. आयकर उपायुक्त (अपील) रेंज-XI कलकत्ता

(क) निम्नलिखित को छोड़कर पश्चिम बंगाल-XI प्रा. उ. रेंज-19 कलकत्ता के अधीन कार्यरत (अनुसंधान) सर्कलों, सर्कलों एवं वाइ/सर्कल के सभी निर्धारण अधिकारी (म. प्रा./प्रा. प्र.)

1. प्रा. प्र. वाइ 19 (1) से 19(5)
2. हुगली के सभी प्रा. वाइ
3. मिर्जापुर के सभी प्रा. वाइ

4. प्रा. प्र. वाइ हविया (ख) पहले के आयकर जिला/सर्कल के किसी वाइ/सर्कल के आयकर अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों के संबंध में सभी लंबित अपील

1. जिला -24 परगना, बी से जी वाइ को छोड़कर
2. एम. एच. सी -8

3. आयकर उपायुक्त (अपील) रेंज-13, पश्चिम बंगाल-5 कल., कलकत्ता, 7 कलकत्ता

(क) निम्नलिखित आयकर उपायुक्तों के अधीन कार्यरत (अनुसंधान) सर्कलों, सर्कलों, वाइ/सर्कल के सभी निर्धारण अधिकारी (म. प्रा./प्रा.प्र.)

1. प्रा. उ. रेंज-4, कलकत्ता
2. प्रा. उ. रेंज -9, कलकत्ता

(ख) पहले के आयकर जिला/सर्कल के किसी वाइ/सर्कल के आयकर अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों के संबंध में सभी लंबित अपील

1. जिला -6
2. जिला-7
3. संपदा शुल्क सर्कल
4. सहकारी समिति सर्कल
5. कंपनी जिला -5
6. कंपनी जिला -6

1	2	3	4	1	2	3	4
4. आयकर उपायुक्त (अपील) रेंज-14, कलकत्ता	आयकर आयुक्त, पश्चिम बंगाल -6, कलकत्ता	(क) आ. उ. रेंज - 18, कलकत्ता के अधीन कार्यरत (अनुसंधान) सर्कलों / सर्कलों और बाईं के सभी निर्धारण अधिकारी (म. आ. /आ. अ.) (ख) पहले के आयकर जिला/सर्कल के किन्हीं बाईं सर्कल के आयकर अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों में संबंधित सभी संबंधित अपील	1. जिला - जलपाईगढ़ 2. एस. एम. सी - IX 3. जिला III(3) कलकत्ता	6. आयकर उपायुक्त (अपील) रेंज आसनसोल, आसनसोल	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-xi, कलकत्ता	(क) आ. उ. रेंज आसनसोल के अधीन कार्यरत (अनुसंधान) सर्कलों, सर्कलों और बाईं के सभी निर्धारण अधिकारी (म. आ. आ. अ. जिनका कार्यालय निम्न प्रकार स्थित है :—	1. आयकर कार्यालय, आसनसोल 2. आयकर कार्यालय, दुर्गापुर 3. आयकर कार्यालय, बर्द्धमान 4. आयकर कार्यालय, बोरभूम सिउड़ी, 5. आयकर कार्यालय, पुरुलिया 6. आयकर कार्यालय, बाकुडा (ख) पहले के आयकर जिला/सर्कल कार्यालय के किन्हीं बाईं सर्कल के आयकर अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों के संबंध में सभी संबंधित अपील 1. आसनसोल (सभी बाईं/सर्कल) 2. दुर्गापुर (सभी बाईं/सर्कल) 3. बर्द्धमान सभी बाईं/सर्कल) 4. बोरभूम/सिउड़ी सभी बाईं/सर्कल) 5. पुरुलिया (सभी बाईं/सर्कल) 6. बाकुडा (सभी बाईं/सर्कल)
5. आयकर उपायुक्त (अपील) रेंज - 17, कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-xi कलकत्ता	(क) आ. उ. रेंज- 19, कल. के अधीन कार्यरत निम्नलिखित बाईं के सभी आयकर अधिकारी 1. आ. अ. बाईं 19(1) से 19 (5) तक 2. आ. अ. बाईं हुगली (सभी बाईं) 3. आ. अ. बाईं मिदनापुर (सभी बाईं) 4. आ. अ. बाईं इन्दियार (ख) पहले के आयकर (मिदनापुर) /जिला/सर्कल के निम्नलिखित बाईं/सर्कलों के आयकर अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों में संबंधित सभी संबंधित (अपील) 1. जिला 24 - पुराना के केवस बी 'से' 'जी' बाईं 2. जिला भेदिनीपुर, त्रिविधा समेत सभी बाईं/सर्कल 3. जिला हुगली सभी बाईं/सर्कल					[नं. स. आ. /सुधवा/योगता/80/90-91] डा. एन. आर. शिवशर्मा, मुख्य आयकर आयुक्त-III

[No. 9/91-92]

S.O. 2487—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) & (2) of section 120 of the Income Tax Act, 1961 (43) of 1961 and in exercise of powers conferred on me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, vide its notification No. 7842/17/88-ITJ/S.O. No. 361(E) dt. 1-4-1988 and all other powers enabling me on this behalf and in supersession of all earlier Notifications made on this behalf, except in respect of thing done or omitted to be done before such supersession, I, the Chief Commissioner of Income Tax III Calcutta, hereby direct that the Dy. Commissioners of Income Tax (Appeals) specified in column 2 of the Schedule attached hereto, who are under the administrative control of the Commissioner of Income Tax as mentioned against their names in column 3 thereof, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income Tax or Wealth Tax or Gift Tax or Estate Duty by the Income Tax Authorities/Assessing Officers specified in Column 4 thereof as are aggrieved by any orders mentioned in clauses (a) to (l) of sub-section (1) of Section 246 of the Income Tax Act, 1961 clauses (a) to (ha) sub-section (1) of Section 23 of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) clauses (a) to (g) of Sub-sec. (1) of Section 22 of the Gift Tax Act, 1953 (18 of 1958) and Section 62 of the Estate Duty Act, 1953 (34 of 1953).

2. Where an Income Tax Circle, Ward or Special Range or part thereof stands transferred by this Notification from one charge to another, appeals arising out of the assessments made in this Income Tax Ward/Circle/Special Range or part thereof and pending immediately before the date from which this notification takes effect before the Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) from whose charge the Income Tax Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred shall, from the date from which this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Dy. Commissioners of Income Tax (Appeals) to whom the said Ward/Circle/Special Range or part thereof is specifically assigned by this order, unless otherwise mentioned in this order.

2. This Notification takes effect from 12-08-1991.

SCHEDULE

(Annexure to the Notification No. 9/91-92 dt. 19-07-1991)

Jurisdiction of the Deputy Commissioners of Income Tax (Appeals), functioning under the region of the Chief Commissioner of Income Tax-III, Calcutta.

Sl. No. (Appeals) with Hqrs.	Designation of the CIT holding Administrative control over the DC of IT (Appeals)	Jurisdiction of the Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) over the orders passed by the Assessing Officers
1	2	3
1. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) Range II, Calcutta.	Commissioner of Income Tax West Bengal-VI Calcutta.	<p>(A) All Assessing Officers (ACs/ITOs) holding (Investigation) Circles, Circles and Wards functioning under the D.C. Range-5, Calcutta.</p> <p>(B) All Pending Appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/Circle of erstwhile Income Tax Dist./Circle:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Spl. Inv. Circle-I 2. Spl. Circle-IX 3. Jute Circle. 4. Cinema Circle. 5. Dist. VIII, Calcutta.
2. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) Range-XI, Cal.	Commissioner of Income Tax West Bengal-XI Calcutta.	<p>(A) All Assessing Officer (ACs/ITOs) holding (Investigation) Circles, Circles & Wards functioning under the D.C. Range-19, Calcutta but excluding the following :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. ITO Ward 19(1) to 19(5). 2. All ITO Wards, Hooghly. 3 All ITO Wards, Midnapore 4. ITO Ward, Haldia. <p>(B) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/Circle or erstwhile Income Tax Dist./Circle.</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Dist. 24 Parganas. excluding B to G-Wards. 2. SSC-VIII.

(1)	(2)	(3)	(4)
3. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) Range XIII. Calcutta.	Commissioner of Income Tax West Bengal-V, Calcutta.	(A) All Assessing Officers (ACs/-ITOs) holding (investigation) Circles, Circles & Wards functioning under :	1. D.C. Range-4, Calcutta. 2. D.C. Range-9, Calcutta
		(B) All pending appeals for pertaining to orders passed by the ITOs holding Ward/Circle of erstwhile Income Tax Dist./Circle:	1. Dist. VI. 2. Dist. VII. 3. Estate Duty Circle. 4. Co-op. Society Circle. 5. Comp. Dist. V. 6. Comp. Dist. VI.
4. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) Range-XIV, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VI, Calcutta.	(A) All Assessing Officers (ACs/ITOs) holding (Investigation) Circles, Circles and Wards functioning under the D.C., Range-18 Calcutta.	(B) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/Circle of erstwhile I.T. Dist./Circle:
		1. Dist., Howrah. 2. S.S.C.-IX. 3. Dist. III (3), Cal.	
5. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) Range-XVII, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-XI, Calcutta	A) All the Income Tax Officers holding the following Wards functioning under the D.C. Range-19, Calcutta.	1. ITO Wards 19(1) to 19(5) 2. ITO Wards Hoogly (all Wards) 3. ITO Wards, Midnapur, (All Wards). 4. ITO Ward/Wards Haldia (Midnapore)
		(B) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding the following wards/Circles of erstwhile Income Tax Dist./Circle :	1. Dist. 24-Pgs. 'B' to 'G' Wards only. 2. Dist. Midnapure-All Wards/Circle, including Haldia. 3. Dist. Hooghly—All wards/Circles.
6. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) Range-Asansol, Asansol.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-XI, Calcutta.	(A) All Assessing Officers (ACs/ITOs) holding (Investigation) Circles, Circles and Wards functioning under the D.C., Range-Asansol and holding their office at:	

1. I.T. Office, Asansol.
2. I.T. Office, Durgapur.
3. I.T. Office, Burdwan.
4. I.T. Office, Birbhum/Suri.
5. I.T. Office, Purulia.
6. I.T. Office, Bankura.

(B) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/Circle of erstwhile Income Tax Dist./Circle office at:

1. Asansol (All Wards/Cir.)
2. Durgapur (All Wds/Cir.)
3. Burdwan (All Wds/Cir.)
4. Birbhum/Suri (All Wds/Circles)
5. Purulia (All Wds/Cir.)
6. Bankura (All Wds/Cir.)

No. AC/HQ/Planning/80/90-91]

N.R. SIVASWAMY, Chief Commissioner of Income Tax-III

मुख्य आयकर आयुक्त-II

कलकत्ता, 19 जुलाई, 1991

[सं. 8/91-92]

का. प्रा. 2488:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उपधारा (1) और (2) तथा केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड तर्हि दिल्ली के दिनांक 1-4-1988 की अधिसूचना सं. 7842/17/88—आई. टी. जे./एम्. प्रो. सं. 361(ई) के अन्तर्गत प्रवर्तन शक्तियों का तथा इस बाबत मुझे प्रदत्त सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एवं इस बारे में पूर्ण अधिसूचनाओं का अधिकरण करते हुए, मैं, मुख्य आयकर आयुक्त-II, कलकत्ता एतद्वारा निदेश देता हूँ कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खंड (ए) से (एच) तक, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 23 की उपधारा (1) के खंड (ए) से (एच. ए.) तक, और दानकर अधिनियम 1958 (1958 का 16) की धारा 22 की उपधारा (1) के खंड (ए) से (जी) तक तथा संपदा शुल्क अधिनियम, 1953 (1953 का 34) की धारा 62 में वर्णित आदेशों के अनुसार स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट आयकर प्राधिकारियों/निर्धारण अधिकारियों द्वारा आयकर या धनकर या दानकर देने वाले असंशुद्ध निर्धारितियों के संबंध में, संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट आयकर उपायुक्तों (अपील), जो उनके नाम के सामने स्तम्भ 3 में दर्शाए गये आयकर आयुक्तों के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन हैं, अपना कार्य करेंगे।

2. कहीं एक आयकर सर्कल, बार्ड या जिम्मेब परिक्षेत्र का उनके अंग, इस अधिसूचना के अनुसार एक प्रभार से दूसरे प्रभार में स्थानांतरण हो गये हों, इस अधिसूचना के जारी होने के शीघ्र पक्षे आयकर उपायुक्त (अपील) के समक्ष के उन आयकर बार्ड/सर्कल अथवा उनके कुछ अंग में हुई निर्धारण से संबंधित अपील सम्बन्धित हों और इस अधिसूचना के प्रभाव-शाली होने की तिथि से उन आयकर बार्ड/सर्कल या उनके अंग से स्थानांतरित हुए मामलों का निष्पादन आयकर उपायुक्त अपील करेंगे, जिनके अधीन तब बार्ड/सर्कल या उनके अंग स्थानांतरित किये गये हैं।

3. यह अधिसूचना दिनांक 12-08-91 से प्रभावी होगी।

अनुसूची

दिनांक 19-07-91 की अधिसूचनाएं 8/91-92 से अनुलग्न

मुख्य आयकर आयुक्त-II कलकत्ता क्षेत्र के अधीन कार्यरत आयकर उपायुक्त (अपील) की अधिकारिता

क्रम मुख्यालय सहित आ. प्रा. के पदनाम निर्धारण अधिकारियों द्वारा सं. आ. क. उपायुक्त जिनके प्रशासनिक पारित आदेशों पर आयकर (अपील) के पदनाम नियंत्रण के अधीन उपायुक्त (अपील) की आ. क. उपायुक्त अधिकारिता (अपील) होगी।

1	2	3	4
1. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-III, कलकत्ता	आयकर आयुक्त कलकत्ता	(क) आ. क. उपायुक्त रेजि. 14, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी सहायक आयुक्तों जिनकी अधिकारिता, इन-वेस्टिगेशन सर्कल और सर्कल पर है।	(ख) आ. क. परिक्षेत्र-14 कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी आयकर अधिकारी जिनकी अधिकारिता बार्ड 14 (1) से 14 (5) तक है।
2. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-4, कलकत्ता	आयक आयुक्त कलकत्ता	(क) आयकर उपायुक्त परिक्षेत्र-2 कलकत्ता	(2) आयकर उपायुक्त परिक्षेत्र-12 कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी (स. प्रा. प्रा. अ.

1	2	3	4	1	2	3	4
			जिनकी अधिकारिता (इन्वेस्टिगेशन सर्वल अथवा बाई पर है)। (ख) पहले के किसी आयकर जिला/अंचल 1. कम. जिला III कलकत्ता (विशेष अंचल) तथा अंचल 5 जिनका विलयन कम. जिला III, कल. में हो गया हो। 2. सहाय्यी भवन अंचल 3. कम. जिला-4, कलकत्ता के बाई/अंचल के आयकर अधिकारी द्वारा पारित आदेश पर लंबित अपील।				2. जिला-II (i), कलकत्ता 3. एम. एस. सी. 4, कलकत्ता के बाई/अंचल के आयकर अधिकारी द्वारा पारित आदेश पर लंबित अपील।
3 आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-5 कल., कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-11 कलकत्ता	(क) उ. आ. परिक्षेत्र-8, कल. के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी (स. आ. / आ. अ.) जिनकी अधिकारिता इन्वेस्टिगेशन अंचल, अंचल तथा बाई पर है। (ख) पहले के किसी आयकर जिला/अंचल 1. जिला-5 (1) कलकत्ता 2. जिला-5 (2) कलकत्ता (सो बाई को छोड़कर) के बाई/अंचल के आयकर अधिकारी द्वारा पारित आदेश पर लंबित अपील।		6. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-8, कल. कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-9, कलकत्ता	(क) उ. आ. परिक्षेत्र-16, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी (लेखा / आ. अ.) जिनकी अधिकारिता में (इन्वेस्टिगेशन) अंचल, अंचल तथा बाई पर है। (ख) उ. आ. विशेष परिक्षेत्र-9, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी, जिनकी अधिकारिता आ० अ. विशेष बाई 9(1) तथा आ० अ. विशेष बाई (9) (2) पर है। (ग) पहले के किसी आयकर जिला अंचल। 1. जिला 1 (2), कलकत्ता 2. जिला 1 (4), कलकत्ता (3) सो बाई जिम्मा 5 (2) के सो बाई, कलकत्ता के बाई/अंचल के आयकर अधिकारी द्वारा पारित आदेश पर लंबित अपील।	
4. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-6 कल., कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-10 कलकत्ता	(क) उ. आ. परिक्षेत्र-14 कल. के अधीन कार्यरत सभी आयकर अधिकारी जिनकी अधिकारिता बाई 14 (6) से 14 (9) तक है। (ख) पहले के किसी आयकर आ. क. जिला/अंचल 1. जिला - 4 (1) कलकत्ता के बाई/अंचल के आयकर अधिकारी द्वारा पारित आदेश पर लंबित अपील।		7. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-15 कल. कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-10 कलकत्ता	(क) उ. आ. परिक्षेत्र-14 कल. के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी, जिनकी अधिकारिता बाई, - 14 (10) तथा उनके आगे आद पर है। (ख) उ. आ. परिक्षेत्र-17, कलकत्ता (बाई नथिया / कृष्णा नगर तथा मुंशिदाबाद/ब्रह्मपुर, प. ब. के सभी आ. अ. समेत) के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जिनकी अधिकारिता (इन्वेस्टिगेशन) अंचल, अंचल तथा बाई पर है। (ग) पहले के किसी आयकर जिला, अंचल 1. जिला, 4 (3) कलकत्ता 2. जिला 4 (2) कलकत्ता 3. जिला नथिया / कृष्णा नगर 4. जिला मुंशिदाबाद/ब्रह्मपुर, प. ब. के बाई/अंचल के आयकर अधिकारी द्वारा पारित आदेश पर लंबित अपील।	
5. आयकर उपायुक्त (अपील) परिक्षेत्र-7, कल. कलकत्ता	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-4 कलकत्ता	(क) आयकर उपायुक्त परिक्षेत्र-3 कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी (लेखा/आ. अ.) जिनकी अधिकारिता इन्वेस्टिगेशन अंचल, अंचल तथा बाई पर है। (ख) पहले के किसी आयकर जिला/अंचल 1 जिला (III) (i), कलकत्ता					

[सं. म. आ. मुख्य / योजना / 30/90-91]

के. के. बीर, मुख्य आयकर आयुक्त-11, कलकत्ता

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF
INCOME TAX-II

Calcutta, the 19th July, 1991

[No. 8/91-92]

S.O. 2488.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) and in exercise of powers conferred on me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, vide its Notification No. 7842/17/88-ITJ/S.O. No. 361(E) dated 1-4-1988 and all other powers enabling me on this behalf and, in supersession of all earlier Notifications made on this behalf, except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, I, the Chief Commissioner of Income Tax-II, Calcutta, hereby direct that the Dy. Commissioners of Income-tax (Appeals) specified in column 2, of the Schedule attached hereto, who are under the administrative control of the Commissioner of Income Tax as mentioned against their names in column 3 thereof, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income Tax or Wealth Tax or Gift Tax or Estate Duty by the Income Tax Authorities/Asses-

sing Officers specified in column 4 thereof as are aggrieved by any orders mentioned in clauses (a) to (h) sub-section (1) of Section 246 of the Income Tax Act, 1961, clause (a) to (ha) of sub-section (1) of Section 23 of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) clauses (a) to (g) of sub-section (1) of Section 22 of the Gift Tax Act, 1958 (16 of 1958), and section 62 of the Estate Duty Act, 1953 (34 of 1953).

2. Where in Income Tax Circle, Ward or Special Range or part thereof stands transferred by this Notification from one charge to another, appeals arising out of the assessments made in this Income Tax Ward/Circle/Special Range or part thereof and pending immediately before the date from which this Notification takes effect, before the Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) from whose charge that Income Tax Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred shall, from the date from which this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Dy. Commissioners of Income-tax (Appeals) to whom the said Ward/Circle/Special Range or part thereof is specifically assigned by this order, unless otherwise mentioned in this order.

3 This notification takes effect from 12-08-1991.

SCHEDULE

(Annexure to the Notification No. 8/91-92 dated 19-07-1991).

Jurisdiction of the Deputy Commissioners of Income Tax (Appeals) functioning under the region of the Chief Commissioner of Income Tax-II, Calcutta.

Sl. Designation of the DC of IT No. (Appeals) with Headquarters	Designation of the CIT holding administrative control over the DC of IT (Appeals)	Jurisdiction of the Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) over the orders passed by the Assessing Officers.
1	2	3
1. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) Range-III, Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-X, Calcutta.	(a) All Acs. of I.T. holding (Investigation) Circles and Circles functioning under the D.C. Range-14, Calcutta. (b) All Income tax Officers holding Wards 14(1) to 14(5) functioning under the D.C. Range-14, Calcutta.
2. Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) Range-IV, Calcutta.	Commissioner of Income-tax, West Bengal IV, Calcutta.	(a) All Assessing Officers (ACs/ITOs) holding (Investigation) Circle. Circles and Wards function under the : 1. DC. Range-2, Calcutta. 2. D.C. Range-12, Calcutta. (b) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/Circle of erstwhile I.T. Distt./Circle : 1. Comp. Distt. III, Cal. (including Spl. Cir-I, & Cir. -V merged with the Comp. Distt. III, Cal.) 2. Co-Op. Housing Circle. 3. Comp. Distt. IV, Calcutta.
3. Dy. Commissioners of Income Tax (Appeals) Range-V, Calcutta.	Commissioner of Income-tax West Bengal-IX, Calcutta.	(a) All Assessing Officers (ACs/ITOs) holding (Investigation) Circle, Circles and Wrds functioning under the D.C. Range-8, Calcutta.

(1)	(2)	(3)	(4)
			<p>(b) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/Circle of erstwhile I.T. Dist./Circle :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Distt. V(1), Calcutta. 2. Distt. V(2), Calcutta. (Excepting C-Ward).
4. Dy. Commissioner of Income-Tax (Appeals) Range-VI, Cal. Calcutta.	Commissioner of Income-tax, West Bengal-X, Calcutta.		<p>(a) All Income Tax Officers holding Wards-14(6) to 14 (9) functioning under the D.C. Range-14, Calcutta.</p> <p>(b) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/Circle of erstwhile I.T. Dist./Circle)</p> <ol style="list-style-type: none"> 1 Dist. IV(1), Calcutta.
5. Dy. Commissioner of Income-Tax (Appeals) Range-VII, Cal. Calcutta.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-IV, Calcutta		<p>(a) All Assessing Officers (ACs/ITOs) holding (Investigation) Circles, Circles and Wards functioning under the D.C. Range-3 Calcutta.</p> <p>(b) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/Circle of erstwhile I.T. Dist./Circle :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1 Dist. III(1), Calcutta. 2. Dist. II(1). Calcutta. 3. S.S.C -IV, Calcutta.
6. Dy. Commissioner of Income-Tax (Appeals) Range-VIII, Cal. Calcutta.	Commissioner of Income-tax West Bengal-IX, Calcutta.		<p>(a) All Assessing Officers (ACs/ITOs) holding (Investigation) Circles, Circles and Wards functioning under the D.C. Range-16, Calcutta.</p> <p>(b) Income Tax Officers holding ITO Spl. Ward 9(1) and ITO Spl. Ward 9(2) functioning under the D.C. Spl. Range-9. Calcutta.</p> <p>(c) All pending appeals pertaining to orders passed by the ITOs holding any Ward/Circle of erstwhile I.T. Distt./Circle :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Distt. I(2), Calcutta. 2. Distt. I(4), Calcutta. 3. C-Ward of Distt. V(2), Calcutta.
7 Dy. Commissioner of Income Tax (Appeals) Range-XV. Cal. Calcutta.	Commissioner of Income-tax, West Bengal-X. Calcutta.		<p>(a) All Income Tax Officers holding Wards 14(10) and onwards functioning under the D.C. Range-14. Cal.</p> <p>(b) All Assessing Officers (ACs/ITOs) holding (Investigation) Circles, Circles and Wards functioning under the D.C. Range-17, Calcutta (including all ITOs of Wards Nadia/Krishna-nagar and Murshidabad/Berhampore, W.B.)</p> <p>(c) All pending appeals pertaining orders passed by the ITOs holding any Ward/Circle of erstwhile District Circle :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Dist.IV(3), Calcutta. 2. Dist.IV(2), Calcutta. 3. Dist Nadia/Krishnagar. 4. Dist Murshidabad/Berhampore, W.B.

MINISTRY OF COMMERCE

CORIGENDUM

New Delhi, the 18th September, 1991

S.O. 2489.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S. O. 1311, dated the 22nd April, 1991 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 11th May, 1991. In the notification :—

- (i) in the 2nd line, for "Section 71" read "Section 17";
- (ii) In paragraph 3, in the line 8, for "(b)" read "(a)";
- (iii) in paragraph 4, under the heading Minimum Requirement for processing units :—
 - (a) in sub-paragraph 4.0, in the 3rd line for "urpose" read "purpose";
 - (b) in the sub-paragraph 4.1.3, in the 3rd line for "fod" read "for";
 - (c) in the sub-paragraph 4.4 for "4.4.11" read "4.4.1";
 - (d) in the sub-paragraph 4.4.1 in the 3rd line for the word "subbale" read "suitable".
- (iv) after the sub-paragraph 6.4.6, for "6.5.1 "The operation of an In-process Quality Control Units" read "6.5 Review of approved In-process Quality Control Units";
- (v) in the paragraph 8 :—
 - (a) in sub-paragraph 8.1 in the 2nd line for "od" read "or";
 - (b) In sub-paragraph 8.4, in the 2nd line :—
 - (i) for "cinsignment" read "consignment";
 - (ii) for "to the exported" read "to be exported".

[F. No. 6/9/88-EI&EP]
A. K. CHAUDHURI, Director.

(मुख्य निर्यातक, आयात निर्यात का कार्यालय)

आदेश

न दिल्ली, 19 सितम्बर, 1991

का. आ. 2490.—मैसर्स ईस्सर/गुजरात लि., 27 कि. मी. पोस्ट मूरन हज़ीरा रोड, मूरन को आर. पी. ए. कतहल 231 लाख टन आयरन और पेंसेटस के आयात के लिये 28,93,00,000 रुपये का टन आयरन और पेंसेटस के आयात के लिये 28,93,00,000 रुपये का (एक्साईस करोट निर्यात के लिये लागू किये जायें) एक आयात लाईसेंस में पी/एस/2023965 दिनांक 29-5-91 दिया गया था।

कर्म ने उपर्युक्त लाईसेंस की विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की अनुमति जारी करने के लिये इस आधार पर आशेष किया है कि लाईसेंस की मूल विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई या गम हो गई है। आगे यह भी बताया गया है कि लाईसेंस की विनिमय नियंत्रण प्रति मजबूत न्यायव्यवस्था उत्पाद एक संग्रह के पास भर्ज हो गई थी और इसलिए विनिमय प्रयोजन प्रति के मुख्य का आधिकारिक तौर पर उपयोग किया गया था (रुपये छः करोड़ छब्बीस लाख, पैंसठ हजार व चार सौ अस्सी की हज़ार)।

2 अपने तर्कों के समर्थन में लाईसेंसधारी ने नोटरी पब्लिक, दिल्ली के समक्ष विवेचन रूप से प्रपत्र लेकर समीचीन कागज़ पर एक जयय पत्र दाखिल किया है। तदनुसार मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाईसेंस में पी एस 2023965, दिनांक 29-5-91 की मूल विनिमय नियंत्रण प्रति कर्म से खो गई या गम हो गई है। अतः यथय तथय पर यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उपधारा 9 (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स ईस्सर गुजरात

लि., मूरन को आर. पी. ए. कतहल 231 लाख टन आयरन और पेंसेटस के आयात के लिये 28,93,00,000 रुपये का टन आयरन और पेंसेटस के आयात के लिये 28,93,00,000 रुपये का (एक्साईस करोट निर्यात के लिये लागू किये जायें) एक आयात लाईसेंस में पी/एस/2023965 दिनांक 29-5-91 दिया गया था।

3 उक्त लाईसेंस की मूल विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुमति जारी करने के लिये इस आधार पर आशेष किया है कि लाईसेंस की मूल विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई या गम हो गई है। आगे यह भी बताया गया है कि लाईसेंस की विनिमय नियंत्रण प्रति मजबूत न्यायव्यवस्था उत्पाद एक संग्रह के पास भर्ज हो गई थी और इसलिए विनिमय प्रयोजन प्रति के मुख्य का आधिकारिक तौर पर उपयोग किया गया था (रुपये छः करोड़ छब्बीस लाख, पैंसठ हजार व चार सौ अस्सी की हज़ार)।

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

ORDER

New Delhi, the 19th September, 1991

S.O. 2490.—M/s. Essar Gujarat Ltd, 27th Km. Post Surat Hazira Road, Surat were granted an import licence No. P/S/2023965, dated 29-5-1991, for Rs. 28,93,00,000/- (Rupees-Twenty eight crore and ninety three lakhs only) for import of 2.31 lakh Tonnes of Iron Ore Pellets under RPA.

The firm has applied for issue of Duplicate Exchange Control purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Exchange Control copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the Exchange Control copy of the licence was registered with Asstt. Collector Excise Mangalore and as such the value of Exchange purpose copy has been utilised partially to the extent of Rs. 6,26,65,480.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary public Delhi. I am accordingly satisfied that the original Exchange Control copy of Import licence No. P/S/2023965 dated 29-5-1991 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Exchange Control copy No. P/S/2023965, dated 29-5-1991 issued to M/s. Essar Gujarat Ltd., Surat is hereby cancelled.

3. A duplicate Exchange Control copy of the said licence is being issued to the party separately.

[F. No. SUPPL/S-7/412/DGTD/AM-91/SIS/816]

ANITA PATHEJA, Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

आदेश

न दिल्ली 19 सितम्बर 1991

का. आ. 2491—मैसर्स विनाशापाटनम स्टील प्रोजेक्ट लि. 14वीं तल, हिन्दुस्तान टाईम हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली को पश्चिमी जर्मनी पंजीयन मान फ्रेडिट के अंतर्गत हुये वीकेड डिपेंडन सिस्टम के आयात के लिए 1,40,55,835 (एक करोड़ चालीस लाख पचपन हजार आठ सौ पैंतीस रुपये मात्र) का एक आयात लाईसेंस में 1/सीजी/2044763/एस/जी एन/एच/89 सीजी-II/एस एस, दिनांक 22-2-1989 प्रदान किया गया था।

कर्म ने उक्त लाईसेंस के सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुमति प्रति इस आधार पर जारी करने के लिए आशेष किया है कि लाईसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है या गम हो गई है। यह भी बताया गया है कि लाईसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति किसी सीमाशुल्क प्राधिकारी मद्रास में पंजीकृत करवाई गई थी तथा इस प्रकार सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति के सीमाशुल्क मूल्य का आधिकारिक उपयोग किया गया है।

2 अपने तर्कों के समर्थन में लाईसेंसधारी ने नोटरी पब्लिक पट्टि-यात्रा हाउस अश्विन, नई दिल्ली के समक्ष विवेचन जयय लेकर स्टाम्प पेपर पर एक हलफनामा दाखिल किया है। तदनुसार मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाईसेंस में 1/सीजी/2044763 दिनांक 22-2-89 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति कर्म से खो गई है या गम हो गई है। अतः यथासंशोधित निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 के

उपखण्ड 9(ग) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकाधिक का प्रयोग करने हुए भी, विशाखापटनम स्टील प्रोजेक्ट की जारी की गई उक्त मूल सामाजिक प्रयोजन प्रति नं. 1/सी जी/2044763 दिनांक 22-2-89 को एनद्वारा रद्द किया जाता है।

3. पार्टी को उक्त लाइसेंस की सामाजिक प्रयोजन प्रति की अनुरूपि अलग से जारी की जा रही है।

[म. सी जी-II इस्थान/23/88-89/582]

एस. पी. शर्मा, उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

ORDER

New Delhi, the 19th September, 1991

S.O. 2491.—M/s. Visakha patnam Steel Project, 14th floor, Hindustan Times House, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, were granted an import licence No. 1/CG/2044763/SJGN/11/1989/CG-II/IS, dated 22-2-1989 for Rs. 1,40,55,835/- (Rupees One Crore Forty Lakhs Fifty five Thousands Eight Hundreds and Thirty five only), for import of Juyere Leakage Detection System under West Germany capital goods credit.

The firm has applied for issue of Duplicate copy of Customs purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Customs purposes copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the Customs purposes copy of the licence was registered with any Customs Authority, Madras and as such the value of Customs of Customs Purposes copy has been utilised partly.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public, Patiala House Court, New Delhi. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes copy of import licence No. 1/CG/2044763 dated 22-2-1989 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Customs Purposes copy No. 1/CG/2044763 dated 22-2-1989 issued to M/s. Visakhapatnam Steel Project is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued to the party separately.

[No. CG. II/Steel/23/88-89/582]

S. P. SHARMA, Dy. Chief Controller of Imp. & Exp.

खाद्य एवं नागरिक पुर्ति संस्थान

(नागरिक पुर्ति विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1991

का.आ. 2491— भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 5 के उपविनियम (6) के अनुसरण में एनद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन प्रमाणन मुद्रा लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनकी अवधि समाप्त हो गई है—

अनुसूची

(1)	(2)	(3)	(4)
मई 1990 के दौरान आयातित लाइसेंस			
क्र.सं. लाइसेंस नं.	लाइसेंसधारी का नाम	IS नं.	आयातित होने की तिथि
1. सीएम/एल-0095037	श्री हनुमान जूट मिल्स (प्रा.) लि., कलकत्ता	IS: 02566-1984	891130
2. सीएम/एल-0326636	मशबिजिए एरोमेटिक्स (ई) लि मद्रास	IS: 03131-1986	891231
3. सीएम/एल-0523133	स्टील ट्यूब्स आफ इंडिया लि., देवास (म.प्र.)	IS: 03074-1979	890630
4. सीएम/एल-0631035	मिखल स्टील्स एंड वायर क. लि., कलकत्ता	IS: 01786-1985	881015
5. सीएम/एल-0768870	एस.पी. उद्योग लि., कानपुर	IS: 00226-1975	880415
6. सीएम/एल-0857263	अंगार्य आर्क स्टील लि., कलकत्ता	IS: 06914-1978	890415
7. सीएम/एल-0920143	दि इंडस्ट्रियल गैसेज लि., लखनऊ	IS: 07653-1975	881215
8. सीएम/एल-1083843	त्रिमान एग्री वर्क्स, आगरा	IS: 06595-1980	830531
9. सीएम/एल-1115326	विद्युत केबल इंडस्ट्रीज, अम्बेर	IS: 00694-1977	860915

1	2	3	4	5
10.	सीएम/एल-1144635	दि फोर्ट जिलियम कं. लि., हुगली	IS: 01856-1977	880331
11.	सीएम/एल-1255644	प्रविनाश होजरीज, तिरुपुर (तमिलनाडु)	IS: 04964-1980	891215
12.	सीएम/एल-1258246	इस्टर्न स्टील एंड एलायज कं. लि., गुवाहाटी	IS: 01786-1985	881221
13.	सीएम/एल-1287758	जनता एग्रो इंडस्ट्रीज, श्रीगंगानगर (राज.)	IS: 09020-1979	900315
14.	सीएम/एल-1399163	बि भारतागोर जूट फैक्ट्री लि., कलकत्ता	IS: 02580-1982	870331
15.	सीएम/एल-1425037	एच.भार.एस्टरप्राउजेज, पालीपल	IS: 07406 (भाग-II)-1980	890615
16.	सीएम/एल-1427142	गोल्ड मेबल निटिंग मिल्स, तिरुपुर (तमिलनाडु)	IS: 04964-1980	890615
17.	सीएम/एल-1453951	कर्नाटक सीमेंट लि., गुलबर्गा (तमिलनाडु)	IS: 00269-1976	890930
18.	सीएम/एल-1514339	एल.पी. कनेक्शनरी लि., बंगलोर	IS: 01008-1981	900131
19.	सीएम/एल-1553551	भजाज इंडस्ट्रीज, करना	IS: 09020-1979	891015
20.	सीएम/एल-1553854	शिपको विस्कुट प्रा.लि., हैदराबाद	IS: 01011-1981	890430
21.	सीएम/एल-1572454	बोरा कम्पोजिट्स एंड कंटेनर्स, बम्बई	IS: 04246-1984	890615
22.	सीएम/एल-1575864	कंसोलिडेटेड प्लास्टिक प्रा.लि., करीबानाथ	IS: 10840-1981	890615
23.	सीएम/एल-1594868	सनडा इंडस्ट्रीज, धूमधूमा (असम)	IS: 00010 (भाग-III)-1974	890831
24.	सीएम/एल-1631040	श्री बैंकटेश्वर टिन इंडस्ट्रीज, सिकन्दराबाद	IS: 10325-1982	881215
25.	सीएम/एल-1638252	विश्वजय ट्रेडर्स, खंडवा	IS: 10325-1982	891231
26.	सीएम/एल-1644635	बिरसा जूट एंड इंडस्ट्रीज लि., हावड़ा	IS: 02818 (भाग-II)-1971	890131
27.	सीएम/एल-1654759	बि तमिलनाडु एग्रो इंड. कारपो. लि., मद्रास	IS: 03903-1984	900215
28.	सीएम/एल-1691664	पारोनिथा सैटल इंडस्ट्रीज, कलकत्ता	IS: 00226-1975	890531
29.	सीएम/एल-1761962	प्रीमियर टिम्बर सन्नाइज, पेरुम्बानूर	IS: 00010 (भाग-III)-1974	891201
30.	सीएम/एल-1787879	कपूर इंजी. वर्क्स, जालंधर	IS: 01879-1979	890215
31.	सीएम/एल-1788780	जय बजरंग सीमेंट प्रा.लि., जगदलपुर (म.प्र.)	IS: 00455-1976	890215

1	2	3	4	5
32. सीएम/एल-1803952	रवि ट्रेडिंग कं., रायपुर (म.प्र.)	IS : 02580-1982	90-03-15	
33. सीएम/एल-1825356	खेतान पम्पस, बम्बई	IS : 08034-1976	89-05-31	
34. सीएम/एल-1857167	दत्ता एंड वास गुप्ता कलकत्ता	IS : 03906 (भाग-I)-1982	89-07-31	
35. सीएम/एल-1905960	कुलवीर इंस्ट्रुमेंट कारपो., बेंगलूर	IS : 02568-1978	89-11-30	
36. सीएम/एल-1910246	लोकापुर सीमेंट्स प्रा.लि., बीजापुर (कर्नाटक)	IS : 08112-1976	89-12-15	

[सं. के. प्र. वि. 13 : 14]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES
(Department of Civil Supplies)
BUREAU OF INDIAN STANDARDS
New Delhi, the 9 September, 1991

S.O. 2492 :—In pursuance of Sub-regulation (6) of Regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, it is, hereby notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have expired:

List of Licences lapsed during the month May 1990

SCHEDULE

Sl.No.	Licence	Name of the Licensee	No. of the relevant Indian Standard	Date of Expiry
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	CM/L-0095037	Shree Hanuman Jute Mills, (P) Ltd. Calcutta,	IS:02566-1984	89-11-30
2.	CM/L-0326636	Maschmeijer Aromatics (I) Ltd. Madras.	IS:0313-1986	89-12-31
3.	CM/L-0523133	Steel Tubes of India Ltd. Dewas. (M.P.)	IS:03074-1979	89-06-30
4.	CM/L-0631035	Lillooah Steels & Wire Co. Ltd. Calcutta.	IS:01786-1985	88-10-15
5.	CM/L-0768870	M.P. Udyog Ltd Kanpur.	IS:00226-1975	88-04-15
6.	CM/L-0857263	Bengal Arc Steel Ltd. Calcutta.	IS:06914-1978	89-04-15
7.	CM/L-0920143	The Industrial Gases Ltd. Lucknow.	IS:07653-1975	88-12-15
8.	CM/L-1083843	Kissan Agro Works. Agra.	IS:06595-1980	83-05-31
9.	CM/L-1115326	Vidyut Cable Industries, Alwar.	IS:00694-1977	86-09-15
10.	CM/L-1144635	The Fort William Co Ltd. Hooghly.	IS:01856-1977	88-03-31
11.	CM/L-1255644	Avinash Hosieries Tirupur, (Tamil Nadu)	IS:04964-1980	89-12-15
12.	CM/L-1256246	Eastern Steel & Alloys Co. Ltd. Guwahati.	IS:01786-1985	88-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
13.	CM/L-1287758	Janta Agro Industries Sriganganagar (Rajasthan)	IS:9020-1979	90-03-15
14.	CM/L-1399163	The Barnagore Jute Factor PLC, Calcutta.	IS:02580-1982	87-03-31
15.	CM/L-1425037	H.R. Enterprises, Panipat.	IS:07406 (Part-II)-1980	89-06-15
16.	CM/L-1427142	Goldmedal Knitting Mills Tirpura Tamilnadu	IS:04964-1980	89-06-15
17.	CM/L-1453951	Karnatanaka Cement Ltd., Gulbarga Karnataka	IS:00269-1976	89-09-30
18.	CM/L-1514339	N.P. Confectionery Ltd. Bangalore	IS:01008-1981	90-01-31
19.	CM/L-1553551	Bajaj Industries, Karnal	IS:09020-1979	89-10-15
20.	CM/L-1553854	Shipco Biscuits Pvt. Ltd Hyderabad.	IS:01011-1981	89-04-30
21.	CM/L-1572454	Vora Components & Containers Pvt. Ltd. Bombay.	IS:04246-1984	89-06-15
22.	CM/L-1575864	Consolidated Plastics Pvt. Ltd. Faridabad.	IS:10840-1981	89-06-15
23.	CM/L-1594868	Sankha Industries Doom Dooma (Assam).	IS:00010(Part-III)-1974	89-08-31
24.	CM/L-1631040	Sri Vankateswara Tin Industries, Secunderabad.	IS:10325-1982	88-12-15
25.	CM/L-1636252	Digvijay Traders, Khandwa.	IS:10325-1982	89-12-31
26.	CM/L-1644655	Birla Jute & Industries Ltd. Howrah	IS:02818(Part-II)-1971	89-01-31
27.	CM/L-1654759	The Tamilnadu Agro Inds. Corpn. Ltd., Madras.	IS:03903-1984	90-02-15
28.	CM/L-1691664	Parolia Metal Industries Calcutta.	IS:00226-1975	89-05-31
29.	CM/L-1761962	Premier Timber Supplies Perumbavoor Kerala.	IS:00010(Part-III)-1974	89-12-01
30.	CM/L-1787879	Kapur Engg. Works Jalandhar	IS:01879-1975	89-02-15
31.	CM/L-1788780	Jai Bajrang Cement Pvt. Ltd. Jagdalpur(M.P.)	IS:00455-1976	89-02-15
32.	CM/L-1803952	Ravi Trading Company Raipur (M.P.)	IS:02580-1982	90-03-15
33.	CM/L-1825356	Khetan Pumps, Bombay.	IS:08034-1976	89-05-31
34.	CM/L-1857167	Dutta & Dassgupta, Calcutta.	IS:03906(Part-I)-1982	89-07-41
35.	CM/L-1905960	Kuldip Industrial Corpn. Chandigarh	IS:02568-1978	89-11-30
36.	CM/L-1910246	Lokapur Cements Pvt. Ltd., Bijapur (Karnataka)	IS:018112-1976	89-12-15

का.प्रा. 2493 :- भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 7 के उपविनियम (6) के अनुसरण में एनईएल द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि अति प्रमाणन मुहर लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनकी अवधि समाप्त हो गई है।

अनुसूची

अप्रैल 1990 के दौरान आव्यगित लाइसेंस

क्रम संख्या	लाइसेंस सं.	लाइसेंसधारी का पता	SI सं.	आव्यगित होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	सीएम/एल-0087038	गौरीपुर कं. लि., कलकत्ता	IS: 02566-1984	89-11-30
2	सीएम/एल-0112516	दि फोर्ट विनियम कं. लि., दृगली	IS: 01855-1977	88-08-31
3	सीएम/एल-0166337	ऑसवाल इलेक्ट्रिकल्स, फरीदाबाद	IS: 00996-1979	89-08-31
4	सीएम/एल-0247135	यूनियन पेस्टीसाइड्स (प्रा.) लि., विदिशा	IS: 00561-1978	89-08-31
5	सीएम/एल-0366030	सबारी इंडस्ट्रीज, कोयम्बतूर	IS: 00564-1981	89-11-15
6	सीएम/एल-0363541	रेलिस इंडिया लि., मद्रास	IS: 00325-1978	89-12-15
7	सीएम/एल-0379152	रेलिस इंडिया लि., मद्रास	IS: 00562-1978	90-01-31
8	सीएम/एल-0379354	रेलिस इंडिया लि., मद्रास	IS: 01507-1977	90-01-31
9	सीएम/एल-0403729	कोहिनूर पेस्ट (प्रा.) लि., अमृतसर	IS: 02339-1963	88-09-30
10	सीएम/एल-0419542	नेशनल प्राइवेट्स, बम्बई	IS: 06747-1981	90-01-31
11	सीएम/एल-0438718	महाराष्ट्र थॉस एंड मेटल प्रोडक्ट्स, बम्बई	IS: 01703-1984	88-12-15
12	सीएम/एल-0476049	डालमिया बिस्कुट्स (प्रा.) लि., राजपुरा	IS: 02397-1973	89-12-31
13	सीएम/एल-0522737	ब्राउवे इंडी., ट्रांसपोर्ट एंड कं., कोयम्बतूर	IS: 00325-1978	88-05-15
14	सीएम/एल-0563650	पालरीवाल ब्रदर्स, पटना	IS: 10001-1981	89-06-30
15	सीएम/एल-0580953	सेन्ट्रल इंजीनियरिंग वर्क्स, राजकोट	IS: 10001-1981	90-01-15
16	सीएम/एल-0593659	एम.पी. उद्योग लि., कानपुर	IS: 06915-1978	88-02-29
17	सीएम/एल-0613538	स्टील ट्यूब्स आफ इंडिया लि., देवास	IS: 02039-1981	89-06-30
18	सीएम/एल-0663260	नक्कारचन्द्र जूट मिल्स कं. लि., कलकत्ता	IS: 02566-1984	88-01-15
19	सीएम/एल-0678465	रोटेक्स निर्दिग मिल्स, तिरुपुर (तमिलनाडु)	IS: 04964-1980	88-01-29
20	सीएम/एल-0743147	फारको निर्दिग कं. लि., तिरुपुर (तमिलनाडु)	IS: 4964-1980	89-12-31
21	सीएम/एल-0787773	एम.पी. उद्योग लि.,	IS: 01786-1985	88-07-31
22	सीएम/एल-0826858	पैरी इंडी. एंड इलेक्ट्रोनिक्स लि., अहमदाबाद	IS: 01977-1975	89-12-31
23	सीएम/एल-1010513	गोजिपा डीजल्स, राजकोट	IS: 10001-1981	89-05-31
24	सीएम/एल-1015422	ब्रवाहर्ग मिल्स लि., सेलम (तमिलनाडु)	IS: 00834-1975	89-12-15
25	सीएम/एल-1015725	नेडियो इलेक्ट्रिकल्स लि., मद्रास	IS: 02026-1977	89-12-15
26	सीएम/एल-1021518	प्रकाश पुलवरादजिग मिल्स अलवर	IS: 02569-1978	90-02-15
27	सीएम/एल-1049035	फोर्ट विनियम कं. लि., कलकत्ता	IS: 00280-1978	83-03-31
28	सीएम/एल-1120116	एथोपेड्स पेस्टीसाइड्स, विदिशा (म.प्र.)	IS: 04322-1980	89-10-15
29	सीएम/एल-1122827	सबारी फाउंड्री, कोयम्बतूर	IS: 07538-1975	89-10-15
30	सीएम/एल-1134531	मरोज एंवायज एंड स्टील लि., होमपेट (कर्नाटक)	IS: 01786-1985	89-11-30
31	सीएम/एल-1136535	कान्स्टिंग (इंडिया) इंत., जमशेदपुर	IS: 01786-1985	89-12-15
32	सीएम/एल-1144837	फोर्ट विनियम कं. लि., कलकत्ता	IS: 02581-1977	88-03-31
33	सीएम/एल-1148845	ट्रेड वेल कारपोरेशन, बम्बई	IS: 04246-1984	89-01-15
34	सीएम/एल-1256848	ठाकुर इंडस्ट्रीज, जालंधर	IS: 00778-1984	88-12-15
35	सीएम/एल-1259955	बावाजी फॅब्रिकेटर्स, प्रा. लि., मद्रास	IS: 01246-1984	89-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
36. सीएम/एल-1282950	जयपाल उद्योग लोनी	IS: 00562-1978	90-02-28	
37. सीएम/एल-1320023	बी.एल. इंडस्ट्रीज, जयपुर	IS: 01307-1982	89-06-30	
38. सीएम/एल-1329849	असम बीडी फैक्ट्री (प्रा.) लि., दुबरी (असम)	IS: 01925-1974	87-08-15	
39. सीएम/एल-1334741	बी.एल. इंडस्ट्रीज, जयपुर	IS: 04323-1980	89-08-31	
40. सीएम/एल-1356953	क्विलोन कॉप-स्पनिंग मिल्स लि., क्विलोन (केरल)	IS: 00171-1985	89-12-31	
41. सीएम/एल-1357652	लाइट कंटेनर्स प्रा. लि., गुम्मीडी पोन्डी (तमिलनाडु)	IS: 03196-1982	89-12-31	
42. सीएम/एल-1361845	ओरिफैम लिमिटेड, डेकानल (उड़ीसा)	IS: 00249-1979	89-01-15	
43. सीएम/एल-1365449	राजस्थान इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, जयपुर	IS: 04985-1981	89-01-15	
44. सीएम/एल-1385556	दामोदर धायरन वर्क्स, बेनगाम	IS: 01726 (भाग 5)-1974	89-11-30	
45. सीएम/एल-1406538	सबारी फाउन्ड्री, कोयम्बतूर	IS: 09079-1979	89-04-15	
46. सीएम/एल-1407136	बी.एल. इंडस्ट्रीज, जयपुर	IS: 08074-1983	89-08-31	
47. सीएम/एल-1423235	मोहन एगो इंडस्ट्रीज, नागपुर	IS: 09020-1979	89-05-15	
48. सीएम/एल-1426342	विदर्भ गैस बैसल्स (प्रा.) लि., नागपुर	IS: 03196-1982	89-06-15	
49. सीएम/एल-1433038	फोर्ट विलियम कं. लि., दुबरी	IS: 02141-1979	88-07-15	
50. सीएम/एल-1471650	स्टैंडर्ड, इंडस्ट्रीज उद्योग	IS: 03818-1986	88-11-15	
51. सीएम/एल-1480752	पालीवाल मिनी स्टील (इं) लि., अजमेर	IS: 06915-1979	89-11-30	
52. सीएम/एल-1484962	श्री धार.के.मिशन विद्यालय इंड. लिफ्टिंगवाक	IS: 06595-1980	89-12-15	
53. सीएम/एल-1507443	बी.एल. इंडस्ट्रीज, जयपुर	IS: 00562-1978	89-05-15	
54. सीएम/एल-1509548	एगो कैमीकल्स, जयपुर	IS: 00562-1978	89-07-15	
55. सीएम/एल-1515139	बी.एल. इंडस्ट्रीज, जयपुर	IS: 02567-1978	89-08-31	
56. सीएम/एल-1523239	बी.एल. इंडस्ट्रीज, जयपुर	IS: 08028-1987	89-08-31	
57. सीएम/एल-1526144	फिलिप्स इंजीनियर्स, राजकोट	IS: 10001-1981	89-03-15	
58. सीएम/एल-1527348	असमाल ताइलवेयर वर्क्स प्रा.लि., कलकत्ता	IS: 02879-1975	89-03-31	
59. सीएम/एल-1528855	कोटेवा इन्वेस्टमेन्ट कारपो. प्रा.लि., बम्बई	IS: 10325-1982	90-03-31	
60. सीएम/एल-1547151	बी.एल.इंडस्ट्रीज, जयपुर	IS: 05277-1978	89-08-31	
61. सीएम/एल-1586667	श्री विजयकृष्ण सीमेंट्स (प्रा.) लि., बडोही (भा.प्र.)	IS: 00269-1976	89-07-31	
62. सीएम/एल-1604037	विशाल पाइप इंडस्ट्रीज पिलछवा जि. गार्जियाबाद	IS: 00458-1971	89-09-15	
63. सीएम/एल-1604239	दीपक वेजीटेबिल भायल इंड. लि., मानवर (गुजरात)	IS: 10325-1982	89-09-15	
64. सीएम/एल-1608247	हस्तात गिरी स्टील्स लि., राजापलकम (तमिलनाडु)	IS: 06079-1980	89-09-30	
65. सीएम/एल-1614747	यूपिको, सागर (म.प्र.)	IS: 10212 (भाग 1)-1982	89-09-30	
66. सीएम/एल-1620742	सेल्फसाइन इंडस्ट्रीज, उधना	IS: 03818-1986	88-11-15	
67. सीएम/एल-1628556	गोयनका इंडस्ट्रीज, जयपुर	IS: 01307-1982	89-11-30	
68. सीएम/एल-1632613	यूसाइटेड इंजीनियरिंग वर्क्स, बम्बई	IS: 02171-1976	89-12-31	
69. सीएम/एल-1633751	एलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स, दिल्ली	IS: 01293-1967	88-12-15	
70. सीएम/एल-1639864	साबारी इंडस्ट्रीज, कोयम्बतूर	IS: 08034-1976	89-01-15	
71. सीएम/एल-1662556	टोनी कम्प्यूटरस प्रा.लि., जयपुर	IS: 00398 (भाग 1)-1976	88-03-15	
72. सीएम/एल-1696472	डोमेस्टिक वर्नर कम्पनी, बम्बई	IS: 08808-1986	88-06-15	
73. सीएम/एल-1698880	वेलन इंजीनियरिंग वर्क्स, बम्बई	IS: 08808-1986	88-06-15	
74. सीएम/एल-1701641	सन इंडस्ट्रीज, बम्बई	IS: 08808-1986	88-06-15	
75. सीएम/एल-1702643	प्रिंसीजन इलेक्ट्रिकल्स एंड इलेक्ट्रानिक्स प्रा. लि., हवेली	IS: 00418-1978	89-05-31	
76. सीएम/एल-1709657	एम. धार. प्रॉडक्ट्स, बम्बई	IS: 08808-1986	88-06-30	
77. सीएम/एल-1715652	जेको इंडस्ट्रीज, बम्बई	IS: 08808-1986	88-07-15	
78. सीएम/एल-1717553	यूनिफिल पेस्टोसाइड्स (प्रा) लि., विदिशा (म.प्र.)	IS: 00564-1984	89-08-15	
79. सीएम/एल-1733351	महेज कुमार एवं कं. भयानगर, ठाणे	IS: 08808-1986	88-09-15	
80. सीएम/एल-1752355	श्रीराम इंडस्ट्रीज, कुन्नूर	IS: 00010 (भाग 4)-1976	89-11-15	
81. सीएम/एल-1756666	इंडोफिल कैमीकल कं., भोपाल	IS: 08708-1973	89-11-30	
82. सीएम/एल-1758266	इलाइट इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली	IS: 00366-1985	88-11-30	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
83.	सी एम/एल-1761356	बम्बई इंजी. इंड. प्रबोला (महाराष्ट्र)	IS : 09020-1979	88-11-30
84.	सी एम/एल-1761659	सैप बैगि कां. (प्रा) लि., बम्बई	IS : 02580-1982	90-11-30
85.	सी एम/एल-1765061	बेदफोर्ड पम्प (I) प्रा. लि., बम्बई	IS : 08034-1976	89-12-15
86.	सी एम/एल-1765465	रायल मशीनरी स्टोर, मनीट (पंजाब)	IS : 09020-1979	89-12-15
87.	सी एम/एल-1770256	गुजरात इपि फीम कारपो., कर्पो (गुजरात)	IS : 02569-1978	89-12-31
88.	सी एम/एल-1773969	स्टीकनेस इंडस्ट्रीज, जबलपुर	IS : 4308-1982	90-01-15
89.	सी एम/एल-1777371	युवा ट्रेडर्स, करौर (तमिलनाडु)	IS : 02580-1982	90-01-15
90.	सी एम/एल-1780360	मोतारय इंडस्ट्रीज लि., होशियारपुर	IS : 09356-1980	90-01-31
91.	सी एम/एल-1790868	महावीर स्टोव इंडस्ट्रीज, बम्बई	IS : 01342-1986	89-02-15
92.	सी एम/एल-1797983	मैटल वाक्स (इंडिया) लि., बम्बई	IS : 10339-1982	89-02-28
93.	सी एम/एल-1799179	प्रारसी मिनरल्स, फरीदाबाद	IS : 01507-1977	90-03-15
94.	सी एम/एल-1808154	फ्लेमपैक, बम्बई	IS : 02148-1981	89-03-31
95.	सी एम/एल-1809863	जायसवाल कैमीकल्स प्रा. लि., नागपुर	IS : 01726 (भाग 2)-1974	89-03-31
96.	सी एम/एल-1809964	नायसवाल कैमीकल्स प्रा. लि., नागपुर	IS : 01726 (भाग 6)-1974	89-03-31
97.	सी एम/एल-1815656	रिलाईंस स्त्रिच गीयर, प्रा. लि., लोएडा	IS : 04084 (भाग 1)-1978	89-04-15
98.	सी एम/एल-1871666	एग्रो कैमीकल्स, जयपुर	IS : 02569-1978	89-09-15
99.	सी एम/एल-1874773	गार्प पम्पस प्रा. लि., कोयम्बतूर	IS : 00996-1979	89-09-15
100.	सी एम/एल-1905253	कंसोलिडेटेड स्टील्स एण्ड एलायज लि., मुरैना (म. प्र.)	IS : 00226-1975	89-11-30
101.	सी एम/एल-1907762	विक्रम सीमेंटस प्रा. लि., गुलबर्गा (कर्नाटक)	IS : 00269-1976	89-11-30
102.	सी एम/एल-1913757	मोतारयी इंडस्ट्रीज लि., होशियारपुर	IS : 09355-1980	89-12-15

[सं. के. प्र.वि./13 : 14]

S.O. 2493.— In pursuance of Sub-regulation (6) of Regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, it is, hereby notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have expired :

SCHEDULE

List of Licences Lapsed during April 1990

Sl.	Licence No.	Name of Licensee	IS: No	Date of Lapsing
(1)	(2)	(3)	(4)	
1.	CM/L-0087038	The Gourepore Co. Ltd., Calcutta	IS: 02566—1984	89/130
2.	CM/L-0112516	The Fort William Co. Ltd., Hooghly	IS: 01855—1977	880831
3.	CM/L-0166337	Oswal Electricals, Faridabad	IS: 00996—1979	890831

1	2	3	4	5
4.	CM/L-0247135	Haryana Chemicals & Pesticides, Bahadurgarh	IS: 00561—1978	89-08-31
5.	CM/L-0360030	Union Pesticides (P) Ltd., Vidisha	IS: 00564—1984	89-11-15
6.	CM/L-0363541	Sabari Industries, Coimbatore	IS: 00325—1978	89-12-15
7.	CM/L-0379152	Rallis India Ltd., Madras	IS: 00325—1978	89-12-15
8.	CM/L-0379354	Rallis India Ltd., Madras	IS: 01507—1977	90-01-31
9.	CM/L-0403729	Kohindor Paints (P) Ltd., Amritsar	IS: 02339—1963	88-09-30
10.	CM/L-0419542	National Products, Bangalore	IS: 06747—1981	90-01-31
11.	CM/L-0438748	Maharashtra Brass & Metal Products, Bombay	IS: 01703—1984	88-12-15
12.	CM/L-0476049	Dalmia Biscuits (P) Ltd., Rajpura	IS: 02397—1973	89-12-31
13.	CM/L-0522737	Broadway Engg Transport & Co. Coimbatore	IS: 00325—1978	88-05-15
14.	CM/L-0563650	Palriwal Brothers, Patna	IS: 10001—1981	89-06-30
15.	CM/L-0580953	Central Engineering Works, Rajkot	IS: 10001—1981	90-01-15
16.	CM/L-0593659	M.P. Udyog Ltd., Kanpur	IS: 06915—1978	88-02-29
17.	CM/L-0613538	Steel Tubes of India Ltd., Dewas	IS: 02039—1981	89-06-30
18.	CM/L-0668260	Naffarchandra Jute Mills, Co., Ltd., Calcutta	IS: 02566—1984	88-01-15
19.	CM/L-0678465	Rotex Knitting Mills, Tirupur (Tamil Nadu)	IS: 04964—1980	88-02-29
20.	CM/L-0743147	Farco Knitting Co., Tirupur (Tamil Nadu)	IS: 4964—1980	89-12-31
21.	CM/L-0787773	M.P. Udyog Ltd., Kanpur	IS: 01786—1985	88-07-31
22.	CM/L-0826858	Parry Engg & Electronics Ltd., Ahmedabad	IS: 01977—1975	89-12-31
23.	CM/L-1010513	Gogia Diesels, Rajkot	IS: 10001—1981	89-05-31
24.	CM/L-1015422	Jawahar Mills Ltd., Salem (Tamil Nadu)	IS: 00834—1975	89-12-15
25.	CM/L-1015725	Radio Electricals Ltd., Madras	IS: 02026—1977	89-12-15
26.	CM/L-1021518	Prakash Pulverising Mills, Alwar	IS: 02569—1978	90-02-15
27.	CM/L-1049035	Fort William Co. Ltd., Calcutta	IS: 00280—1978	88-08-31
28.	CM/L-1120116	Agroaids Pesticides, Vidisha (MP)	IS: 04322—1980	89-10-15
29.	CM/L-1122827	Sabari Foundry, Coimbatore	IS: 07538—1975	89-10-15
30.	CM/L-1134531	Saroj Alloys & Steel Ltd., Hospet (Karnataka)	IS: 01786—1985	89-11-30
31.	CM/L-1136535	Casting (India) Inc., Jamshedpur	IS: 01786—1985	89-12-15
32.	CM/L-1144837	Fort William Co., Ltd., Calcutta	IS: 02581—1977	88-08-31
33.	CM/L-1148845	Tradewell Corporation, Bombay	IS: 04246—1984	89-01-15
34.	CM/L-1256848	Thakur Industries, Jalandhar	IS: 00778—1984	88-12-15

1	2	3	4	5
35. CM/L-1259955	Baluji Fabricators Pvt. Ltd., Madras		IS: 01245—1984	891231
36. CM/L-1282950	Jaipal Udyog, Loni		IS: 00562—1978	900228
37. CM/L-1320023	B.L. Industries, Jaipur		IS: 01307—1982	890630
38. CM/L-1329849	Assam Biri Factory (P) Ltd., Dhubri (Assam)		IS: 01925—1974	870815
39. CM/L-1334741	B.L. Industries, Jaipur		IS: 04323—1981	890831
40. CM/L-1356953	Quilon Co-Op Spinning Mills Ltd., Quilon (Kerala)		IS: 00171—1985	891231
41. CM/L-1357652	Lite Containers Pvt. Ltd., Gummidipoondi (Tamil Nadu)		IS: 03196—1982	891231
42. CM/L-1361845	O'chem Limited, Dhenkanal (Orissa)		IS: 00749—1979	890115
43. CM/L-1365449	Rajasthan Industrial Corpn., Jaipur		IS: 04985—1981	890115
44. CM/L-1385556	Damodar Iron Works, Belgaum		IS: 01726 (Pt. 5)—1974	891130
45. CM/L-1406538	Sabari Foundry, Coimbatore		IS: 09079—1979	890415
46. CM/L-1407136	B.L. Industries, Jaipur		IS: 08074—1983	890831
47. CM/L-1423235	Mohan Agro Industries, Nagpur		IS: 09020—1979	880515
48. CM/L-1426342	Vidarbha Gas Vessels (P) Ltd., Nagpur		IS: 03196—1982	880615
49. CM/L-1433036	Port William Co. Ltd., Hooghly		IS: 02141—1979	880715
50. CM/L-1471650	Standard Industries, Udhna		IS: 03818—1986	881115
51. CM/L-1480752	Paliwal Mini Steel (I) Ltd., Alwar		IS: 06915—1979	881130
52. CM/L-1484962	Sri R.K. Mission Vidyalaya Indl. Sec., Coimbatore		IS: 06595—1980	891215
53. CM/L-1507443	B.L. Industries, Jaipur		IS: 00562—1978	890515
54. CM/L-1509548	Agro Chemicals, Jaipur		IS: 00562—1978	890715
55. CM/L-1515139	B.L. Industries, Jaipur		IS: 02567—1978	890831
56. CM/L-1523239	B.L. Industries, Jaipur		IS: 08028—1987	890831
57. CM/L-1526144	Philips Engineers, Rajkot		IS: 10001—1981	890315
58. CM/L-1527348	Agarwal Hardware Works Pvt. Ltd., Calcutta		IS: 02879—1975	890331
59. CM/L-1528855	Kotecha Investment Corpn. Pvt. Ltd., Bombay		IS: 10325—1982	900331
60. CM/L-1547151	B.L. Industries, Jaipur		IS: 05277—1978	890831
61. CM/L-1586667	Sree Vijayakrishna Cements (P) Ltd., Vedadri (A.P.)		IS: 00269—1976	890731
62. CM/L-1604037	Vishhal Pipe Industry Pilakhwa, Dist. Ghaziabad		IS: 00459—1971	890915
63. CM/L-1604239	Dipak Vegetable Oil Inds Pvt. Ltd., Manavadar (Gujarat)		IS: 01325—1982	890915
64. CM/L-1608247	Saptagiri Steel Ltd., Rajapalayam (Tamil Nadu)		IS: 06079—1980	890930
65. CM/L-1614747	Unipack Sagar (M.P.)		IS: (10212 (Pt 1) 1982	890930
66. CM/L-1620742	Selfshine Industries, Udhna		IS: 03818—1986	881115
67. CM/L-1628556	Goenka Industries, Jaipur		IS: 01307—1982	891130

1	2	3	4	5
68.	CM/L-1632648	United Engineering Co., Bombay	IS: 02171—1976	89-12-31
69.	CM/L-1633751	Allied Engineering Works, Delhi	IS: 01293—1967	88-12-15
70.	CM/L-1639864	Sabari Industries, Coimbatore	IS: 08034—1976	89-01-15
71.	CM/L-1662556	Tony Conductors Pvt Ltd., Jaipur	IS: 00398 (Pt 1)—1976	88-03-15
72.	CM/L-1696472	Domestic Burner Company, Bombay	IS: 08808—1986	88-06-15
73.	CM/L-1698880	Chetan Engineering Works, Bombay	IS: 08808—1986	88-06-15
74.	CM/L-1701641	Sun Industries, Bombay	IS: 8808—1986	88-06-15
75.	CM/L-1702643	Precision Electricals & Electronics Pvt. Ltd., Indore	IS: 00418—1978	89-05-31
76.	CM/L-1709657	M.R. Products, Bombay	IS: 08808—1986	88-06-30
77.	CM/L-1715652	Jeco Industries, Bombay	IS: 08808—1986	88-07-15
78.	CM/L-1717555	Unikil Pesticides (P) Ltd., Vidisha (M.P.)	IS: 00564—1984	89-08-15
79.	CM/L-1733351	Mahesh Kumar & Co., Bhayandar, Thana	IS: 08808—1986	88-09-15
80.	CM/L-1752355	Sri Ram Industries, Cooroor-643102	IS: 00010 (Pt 4)—1976	89-11-15
81.	CM/L-1756666	Indofil chemical Co., Bhopal	IS: 08708—1978	89-11-30
82.	CM/L-1758266	Elite Electrical Industries, New Delhi	IS: 00366—1985	88-11-30
83.	CM/L-1761356	Bombay Engineering Inds., Akola (Maharashtra)	IS: 09020—1979	88-11-30
84.	CM/L-1761659	Sap Bagging Co. (P) Ltd., Kalunga (Orissa)	IS: 02580—1982	90-11-30
85.	CM/L-1765061	Bedford Pumps (I) Pvt. Ltd., Bombay	IS: 08034—1976	89-12-15
86.	CM/L-1765465	Royal Machinery Store, Malout (Punjab)	IS: 09020—1979	89-12-15
87.	CM/L-1770256	Gujarat Krishicheem Corpn., Vapi (Gujarat)	IS: 02569—1978	89-12-31
88.	CM/L-1773969	Steelace Industries, Jabalpur	IS: 4308—1982	90-01-15
89.	CM/L-1777371	Yuva Traders Karur (Tamil Nadu)	IS: 02580—1982	90-01-15
90.	CM/L-1780360	Montari Industries Ltd., Hoshiarpur	IS: 09356—1980	90-01-31
91.	CM/L-1790868	Mahhvir Stove Industries, Bombay	IS: 01342—1986	89-02-1
92.	CM/L-1797983	Metal Box (India) Ltd., Bombay	IS: 10339—1982	89-02-28
93.	CM/L-1799179	Artee Minerals, Faridabad	IS: 01507—1977	90-03-15
94.	CM/L-1808154	Flamepack, Bombay	IS: 02148—1981	89-03-31
95.	CM/L-1809863	Jayaswal Chemicals Pvt. Ltd., Nagpur	IS: 01726 (Pt 2)—1974	89-03-31
96.	CM/L-1809964	Jayaswal Chemicals Pvt. Ltd., Nagpur	IS: 01726—(Pt 6)—1974	89-03-31
97.	CM/L-1815656	Reliance Switchgear Pvt. Ltd., Noida	IS: 04064 (Pt 1)—1978	89-04-15
98.	CM/L-1871666	Agro Chemicals, Jaipur	IS: 02569—1978	89-09-15
99.	CM/L-1874773	Sharp Pumps Pvt. Ltd., Coimbatore	IS: 00996—1979	89-09-15
100.	CM/L-1905253	Consolidated Steels & Alloys Ltd., Morena (M.P.)	IS: 00226—1975	89-11-30
101.	CM/L-1907762	Vikram Cements Pvt. Ltd., Gulbarga (Karnataka)	IS: 00269—1976	89-11-30
102.	CM/L-1913757	Montari Industries Ltd., Hoshiarpur	IS: 09355—1980	89-12-15

फा. आ. 2491 भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 5 के उपविनियम (6) के अनुसरण में एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन प्रमाणन मुहर लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनकी अवधि समाप्त हो गई है :

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस सं. (सी एम/एल)	लाइसेंसधारी का नाम व पता	आई एस :	अवधि समाप्त की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	
मार्च, 1990 के दौरान आस्थायित लाइसेंस				
1.	सी एम/एल-0063327	वि इंडियन आयरन एंड स्टील कं. लि., बर्नपुर	IS : 00277-1985	89-09-30
2.	सी एम/एल-0063428	दि इंडियन आयरन एंड स्टील कं. लि., बर्नपुर	IS : 01079-1973	89-09-30
3.	सी एम/एल-0085337	बज बज कं. लि., कलकत्ता	IS : 022566-1984	89-11-30
4.	सी एम/एल-0087644	एनगम कं. लि., कलकत्ता	IS : 02566-1984	89-11-30
5.	सी एम/एल-0088242	विक्टोरिया जूट कं. लि., कलकत्ता	IS : 02566-1984	88-11-30
6.	सी एम/एल-0274441	दि पुडियालूर काप. एग्रीकल्चर सर्विसेज लि., कोयम्बतूर	IS : 00562-1978	89-09-30
7.	सी एम/एल-0338744	दि इंडियन आयरन एंड स्टील कं. लि., बर्नपुर	IS : 06240-1976	89-09-30
8.	सी एम/एल-0342129	दि धन लक्ष्मी मिल्स लि., तिरुपुर	IS : 00834-1975	89-06-30
9.	सी एम/एल-0357647	प्रताप स्टील्स लि., बल्लभगढ़	IS : 00226-1975	89-09-15
10.	सी एम/एल-0360636	प्रताप स्टील्स लि., बल्लभगढ़	IS : 6914-1978	89-09-15
11.	सी एम/एल-0360737	प्रताप स्टील्स लि., बल्लभगढ़	IS : 06915-1978	89-09-15
12.	सी एम/एल-0374243	एवर ग्रीन इंजीनियर्स, कलकत्ता	IS : 05852-1977	88-09-30
13.	सी एम/एल-0389660	जयाकार इंजी. प्रा. लि., अहमदनगर	IS : 10001-1981	88-07-31
14.	सी एम/एल-0395655	दि पुडियालूर काप. एग्रीकल्चरल सर्विसेज लि., कोयम्बतूर	IS : 00633-1985	89-09-30
15.	सी एम/एल-0579867	सबरे कैमीकल इंडस्ट्रीज, आगरा	IS : 00564-1978	89-10-24
16.	सी एम/एल-0681555	हरियाणा कैमीकल एंड पेस्टीसाइड, बहादुरगढ़	IS : 00633-1975	89-08-31
17.	सी एम/एल-0714746	आल इंडिया मेडीकल कारपो., बम्बई	IS : 05281-1969	88-05-31
18.	सी एम/एल-0795368	कोहिनूर इंटर्स (प्रा) लि., अमृतसर	IS : 03536-1966	88-08-31
19.	सी एम/एल-0811744	सेनविन मैबोटीज, रायगढ़	IS : 08028-1976	89-11-15
20.	सी एम/एल-0820947	विक्टोरिया जूट कं. लि., कलकत्ता	IS : 01943-1964	89-11-30
21.	सी एम/एल-0824450	गेंजेस मैल्यू कं. लि., कलकत्ता	IS : 02874-1964	83-11-30
22.	सी एम/एल-0891061	वीनस लिटिंग कं., तिरुपुर	IS : 04964-1980	89-08-31
23.	सी एम/एल-0920244	दि इंडस्ट्रियल गैसेज लि., लखनऊ	IS : 06901-1975	88-12-15
24.	सी एम/एल-1034224	श्री बल्लभा ग्लास वर्क्स लि., जि - खेड़ा	IS : 02553-1971	90-02-15
25.	सी एम/एल-1068847	मार्शन फाउन्ड्री वर्क्स, रजिमोगा	IS : 09020-1979	89-04-15
26.	सी एम/एल-1080130	अग्रवाल सेंटल वर्क्स (प्रा) लि., रेवाड़ी	IS : 01972-1977	88-05-31
27.	सी एम/एल-1096751	आर. के. इंडस्ट्रीज, जयपुर	IS : 02257-1981	89-07-15
28.	सी एम/एल-1114525	सुपर एग्रीकल्चरल इंडस्ट्रीज, करनाल	IS : 09020-1979	88-09-15
29.	सी एम/एल-1133731	मोही एंड ब्रदर्स गोगाया (जालंधर)	IS : 09020-1979	89-11-30
30.	सी एम/एल-1179755	भारत उद्योग लि., बहादुरगढ़	IS : 07138-1983	89-04-30
31.	सी एम/एल-1182239	हरियाणा कैमीकल एंड पेस्टीसाइड्स, बहादुरगढ़	IS : 01307-1982	89-08-31
32.	सी एम/एल-1189556	मराठवाड़ा इमेक्रीनाइड्स ओरंगाबाद (महाराष्ट्र)	IS : 00633-1975	89-05-31
33.	सी एम/एल-1192040	एग्रीकैमीकल इंडस्ट्रीज, मद्रास	IS : 00562-1978	89-06-18
34.	सी एम/एल-1222629	उड़ीसा, मिरेमिक इंडस्ट्रीज, जामुगुड़ा	IS : 00651-1980	89-08-15
35.	सी एम/एल-1227235	बालाजी बिट्टमेन, गुंडला पोचाम पल्ली	IS : 00702-1961	89-08-31
36.	सी एम/एल-1250533	ज्यूपिटर ट्रेडिंग एंड मैल्यू कं., बापी	IS : 05653-1970	89-11-30
37.	सी एम/एल-1253337	कैमी इंडस्ट्रीज प्रा. लि., बम्बई	IS : 08944-1978	89-12-15
38.	सी एम/एल-1278656	नार्दन मिनरल्स लि., गुडगांव	IS : 05277-1978	90-02-15

1	2	3	4	5
39.	सी एम/एल-1296456	जयकिशन मैन्यू कारपो., राजकोट	IS: 10001-1981	89-07-31
40.	सी एम/एल-1323130	यूनाइटेड पेस्टीसाइड्स, अम्बाला	IS: 02567-1978	89-07-15
41.	सी एम/एल-1403532	नेशनल रबर कारपो., अमृतसर	IS: 01891-1971	88-03-31
42.	सी एम/एल-1412129	कन्वानोर स्पिनिंग एंड वीविंग मिल्स साझे (केरल)	IS: 00171-1973	86-04-15
43.	सी एम/एल-1442037	सुपरकाइन् पेन्ट्स कारपोरेशन, नई दिल्ली	IS: 08541-1977	89-08-15
44.	सी एम/एल-1476155	के जी इलेक्ट्रिक कं., पुणे	IS: 01851-1975	89-11-30
45.	सी एम/एल-1540340	डिलाइट टिन इंडस्ट्रीज, बम्बई	IS: 10325-1981	89-04-15
46.	सी एम/एल-1617147	एलोगा प्राइवेट, दिल्ली	IS: 05346-1975	89-10-31
47.	सी एम/एल-1640647	इंडिया आयरन फाउन्ड्री, आगरा	IS: 01729-1979	89-09-08
48.	सी एम/एल-1672862	स्वामी इंडस्ट्रीज, क्विलांत	IS: 00916-1975	89-03-31
49.	सी एम/एल-1676062	स्पिनेक्स टयूब्स एंड कॉन्स प्रा. लि., भिवानी	IS: 03625-1983	89-04-15
50.	सी एम/एल-1684364	विशाल मजिफा क., कानपुर	IS: 03317-1983	88-04-30
51.	सी एम/एल-1689879	आरिफ मेटल वर्क्स, बम्बई	IS: 08808-1986	89-05-15
52.	सी एम/एल-1695975	सरस्वती स्टोन प्राइवेट, बम्बई	IS: 01342-1986	88-06-15
53.	सी एम/एल-1696068	यूनिक मेटल वर्क्स	IS: 08808-1986	89-06-15
54.	सी एम/एल-1709455	प्रीमियर इंडस्ट्रियल कारपो., बम्बई	IS: 08808-1986	88-06-30
55.	सी एम/एल-1732955	अशोका इंडस्ट्रीज, आगरा	IS: 04246-1984	90-01-07
56.	सी एम/एल-1737662	गोल्डन टिन वर्क्स, राजकोट	IS: 10325-1982	89-09-30
57.	सी एम/एल-1741047	सीरा टिन वर्क्स, राजकोट	IS: 10325-1982	89-09-30
58.	सी एम/एल-1749669	स्वदेशी एल्टर प्राइवेट एंड कैमोकल्स, कानपुर	IS: 05277-1978	89-11-15
59.	सी एम/एल-1749770	जयंत विटामिन्स रतलाम	IS: 03987-1983	89-11-15
60.	सी एम/एल-1811547	शिवानन्द टिन कंटेनर्स, अलनावार 581103	IS: 10325-1982	89-03-31
61.	सी एम/एल-1813248	समपुर कैमोकल्स, कोयम्बरूर	IS: 00561-1978	89-04-15
62.	सी एम/एल-1846566	पेन्टेक्स इंजी. प्रा. लि., बम्बई	IS: 08749-1978	89-07-15
63.	सी एम/एल-1850961	सारेखा इंडस्ट्रीज, बगवौर	IS: 06595-1980	89-07-31
64.	सी एम/एल-1856468	कुलवीप इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, चंडीगढ़	IS: 01307-1982	89-07-31
65.	सी एम/एल-1856569	कुलवीप इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, चंडीगढ़	IS: 01308-1984	89-07-31
66.	सी एम/एल-1868879	एकिन इलेक्ट्रीसाइड्स इंड. लि, अम्बाला शहर	IS: 09356-1980	89-08-31
67.	सी एम/एल-1873872	विजया कैमोकल्स, मद्रास	IS: 05279-1969	89-09-15
68.	सी एम/एल-1900819	कुलवीप इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, चंडीगढ़	IS: 04323-1980	89-11-15
69.	सी एम/एल-1902045	निरुपति वेपर इंड. हैदराबाद	IS: 10212-1986	89-11-15
70.	सी एम/एल-1908865	श्री राम स्टील एंड एनायज लि., ठाणे	IS: 01786-1985	88-12-16
71.	सी एम/एल-1917361	होलानी स्पिन्स इंडिया प्रा. लि. मंडाला (म. प्र.)	IS: 01135-1984	89-12-01
72.	सी एम/एल-0357748	प्रताप स्टील लि., बल्लभगढ़	IS: 1977-1975	89-09-15
73.	सी एम/एल-0633342	ओसवाल इस्पात उद्योग, दुर्ग	IS: 1786-1985	88-08-15

S.O. 2494.—In pursuance of Sub-regulation (6) of Regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, it is, hereby notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have expired:

SCHEDULE

List of Licences Lapsed during March 1990

Sl. No.	Licence No.	Name of Licensee	IS: No.	Date of Lapsing
1	2	3	4	5
1.	CM/L-0063327	The Indian Iron and Steel Co Ltd., Burnpur	IS: 00277—1985	890930
2.	CM/L-0063428	The Indian Iron and Steel Co Ltd. Burnpur	IS: 01079—1973	890930
3.	CM/L-0085337	Budge Budge Co. Ltd. Calcutta.	IS: 02566—1984	891130
4.	CM/L-0087644	Angus Co. Ltd. Calcutta	IS: 02566—1984	891130
5.	CM/L-0088242	Victoria Jute Co. Ltd. Calcutta	IS: 02566—1984	881130
6.	CM/L-0274441	The Tudiyalur Coop Agrel Services Ltd., Coimbatore	IS: 00562—1978	890930
7.	CM/L-0338744	The Indian Iron and Steel Co Ltd., Burnpur	IS: 06240—1976	890930
8.	CM/L-0342129	The Dhanlaxmi Mills Ltd., Tirupur	IS: 00834—1975	890630
9.	CM/L-0357647	Pratap Steels Ltd., Ballabgharh	IS: 00226—1975	890915
10.	CM/L-0360636	Pratap Steel Ltd., Ballabgharh	IS: 6914—1978	890915
11.	CM/L-0360737	Pratap Steels Ltd., Ballabgharh	IS: 06915—1978	890915
12.	CM/L-0374243	Evergreen Engineers Calcutta	IS: 05852—1977	880930
13.	CM/L-0389660	Javakar Engs Pvt. Ltd., Ahmednagar	IS: 10001—1981	880731
14.	CM/L-0395655	The Tudiyalur Coop Agri Services Ltd., Coimbatore	IS: 00633—1985	890930
15.	CM/L-0579867	Sunray Chemicals Inds. Agra.	IS: 00564—1978	891024
16.	CM/L-0681555	Haryana Chemicals & Pesticide Bahadurgarh	IS: 00633—1975	890831
17.	CM/L-0714746	All India Medical Corpn, Bombay	IS: 05281—1969	880531
18.	CM/L-0795368	Kohinoor Paints (P) Ltd., Amritsar	IS: 03536—1966	880831
19.	CM/L-0811744	Sanvin Laboratories, Raigad	IS: 08028—1976	891115
20.	CM/L-0820947	Victoria Jute Co. Ltd., Calcutta	IS: 01943—1964	881130
21.	CM/L-0824450	Ganges Mfg Co. Ltd., Calcutta	IS: 02874—1964	891130
22.	CM/L-0891061	Venus Knitting Co. Tirupur	IS: 04964—1980	890831
23.	CM/L-0920244	The Industrial Gases Ltd., Lucknow	IS: 06901—1975	881215
24.	CM/L-1034224	Shri Vallabh Glass Works Ltd., Distt. Kheda	IS: 02553—1971	900215
25.	CM/L-1068847	Modern Foundry Works Regd., Moga	IS: 09020—1979	890415
26.	CM/L-1080130	Aggarwal Metal Works (P) Ltd., Rewari	IS: 01972—1977	880531
27.	CM/L-1096751	R.K. Industries Jaipur	IS: 02257—1981	890715
28.	CM/L-1114525	Super Agricultural Industries Karnal	IS: 09020—1979	880915

1	2	3	4	5
29.	CM/L-1133731	Sodhi & Brothers Goraya (Jalandhar)	IS: 09020—1979	891130
30.	CM/L-1179755	Bharat Udyog Ltd., Bahadurgarh	IS: 07138—1983	89043
31.	CM/L-1182239	Haryana Chemicals & Pesticides Bahadurgarh	IS: 01307—1982	890831
32.	CM/L-1189556	Marathwada Insecticides Aurangabad (Maharashtra)	IS: 00633—1975	89053
33.	CM/L-1192040	Agro Chemical Industries Madras	IS: 00562—1978	890618
34.	CM/L-1222629	Orissa Ceramic Industries Ltd., Jharsuguda	IS: 00651—1980	890815
35.	CM/L-1227235	Balaji Bitumens Gundla Pochampalli	IS: 00702—1961	890831
36.	CM/L-1250533	Jupiter Trading And Mfg Co Vapi	IS: 05653—1970	891130
37.	CM/L-1253337	Chemyl Industries Pvt. Ltd., Bombay	IS: 08944—1978	891215
38.	CM/L-1278656	Northern Minerals Ltd., Gurgaon	IS: 05277—1978	900215
39.	CM/L-1296456	Jai Kisan Mfg. Corpn., Rajkot	IS: 10001—1981	890731
40.	CM/L-1323130	United Pesticides Ambala	IS: 02567—1978	890715
41.	CM/L-1403532	National Rubber Corpn Amritsar	IS: 01891—1971	880321
42.	CM/L-1412129	Cannandre Spg. & Wvg. Mills Mahe (Kerala)	IS: 00171—1973	860415
43.	CM/L-1442037	Superfine Paints Corpn, Delhi	IS: 08541—1977	890815
44.	CM/L-1476155	Keje Electric Co., Pune	IS: 01851—1975	891130
45.	CM/L-1540340	Delite Tin Industries Bombay	IS: 10325—1982	890415
46.	CM/L-1617147	Allora Products Delhi	IS: 05346—1975	891031
47.	CM/L-1640647	India Iron Foundry Agra	IS: 01729—1979	890908
48.	CM/L-1672862	Swami Industries Quilon	IS: 00916—1975	890331
49.	CM/L-1676062	Spintex Tubes & Cones Pvt. Ltd., Bhiwadi	IS: 032625—1983	890415
50.	CM/L-1684364	Vishal Surgical Co., Kanpur	IS: 03317—1983	880430
51.	CM/L-1689879	Areet Metal Works Bombay	IS: 08808—1986	890515
52.	CM/L-1695975	Saraswati Stove Products Bombay	IS: 01342—1986	880615
53.	CM/L-1696068	Unik Metal Works Bombay	IS: 08808—1986	890615
54.	CM/L-1709455	Premier Industrial Corpn., Bombay	IS: 08808—1986	880630
55.	CM/L-1732955	Ashoka Industries Agra	IS: 04246—1984	900107
56.	CM/L-1737662	Golden Tin Works Rajkot	IS: 10325—1982	890930
57.	CM/L-1741047	Terra Tin Works Rajkot	IS: 10325—1982	890930
58.	CM/L-1749669	Swadeshi Enterprises & Chemicals Kanpur	IS: 05277—1978	891115
59.	CM/L-1749770	Jayant Vitamins Ltd., Ratlam	IS: 03987—1983	891115
60.	CM/L-1811547	Shivanand Tin Containers Alnavar 581103	IS: 10325—1982	890331
61.	CM/L-1813248	Samuthur Chemicals Coimbatore	IS: 00561—1978	890415
62.	CM/L-1846566	Peutex Engg Pvt. Ltd., Bombay	IS: 08749—1978	890715
63.	CM/L-1850961	Sowraba Industries Bangalore	IS: 06595—1980	890731
64.	CM/L-1856468	Kuldip Industrial Corpn, Chandigarh	IS: 01307—1982	890731
65.	CM/L-1856569	Kuldip Industrial Corpn., Chandigarh	IS: 01308—1984	890731
66.	CM/L-1868879	Shakti Insecticide Inds. Ltd., Ambala City	IS: 09356—1980	890831
67.	CM/L-1873872	Vijaya Chemicals Madras	IS: 05279—1969	890915
68.	CM/L-1900849	Kuldip Industrial Corpn Chandigarh	IS: 04323—1980	891115
69.	CM/L-1902045	Tirupati Paper Inds, Hyderabad	IS: 10212—1986	891115

1	2	3	4	5
70.	CM/L-1908865	Shree Ram Steels and Alloys Pvt. Ltd., Thana	IS: 01786—1985	881216
71.	CM/L-1917361	Helani Springs (India) Pvt. Ltd., Mandla (MP)	IS: 01135 -1984	891201
72.	CM/L-0357748	Pratap Steel Ltd., Ballabgarh	IS: 1977—1975	890915
73.	CM/L-0633342	Oswal Ispat Udyog, Durg	IS: 01786 -1985	880815

[No. CMD/13 : 14]

वा. आ. 2195.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के विनियम 5 के उपविनियम (6) के प्रवृत्ति में एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन प्रमाणन मुहर वाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनका प्रवृत्ति समाप्त हो गई है :

अनुसूची

जून 1990 के दौरान आस्थायिक वाइसेंस

क्र. वाइसेंस सं. सं. (सी एम/एल)	वाइसेंसधारी का नाम और पता	आई एम :	प्रवृत्ति समाप्ति की तिथि
1	2	3	4
1. सी एम/एल-1756767	जयंत विटामिन्स लि., रत्नगाम (म. प्र.)	IS: 5342-1969	891130
2. सी एम/एल-0662753	उदय सौ मिल्स एंड टिस्वर इंड., पेरुम्बाचूर (केरल)	IS: 00010 (भाग-III)-1971	891231
3. सी एम/एल-0214928	वि के एल पीटल इंडस्ट्रीज, (कोट्टायम) (केरल)	IS: 00010(भाग-IV)-1976	890416
4. सी एम/एल-1362241	विजयेश्वरी टेक्सटाइल्स (प्रा.) लि., पोलाची	IS: 00171-1985	900115
5. सी एम/एल-1465756	लुधियाना स्टील रोलिंग मिल्स, लुधियाना	IS: 00226-1975	891015
6. सी एम/एल-0674760	यूनियन एंटरप्राइजेज, जमशेदपुर	IS: 00226-1975	890215
7. सी एम/एल-1554149	वेस्ट इंडिया स्टील कं. लि., कालीकट	IS: 00226-1975	890430
8. सी एम/एल-0795570	सॉईन स्टील एंटरप्राइजेज, कलकत्ता	IS: 00226-1975	890831
9. सी एम/एल-1134632	मरोज एलायज एंड स्टील्स लि., होमपेट (कर्नाटक)	IS: 00226-1975	851130
10. सी एम/एल-0071023	बंगाल रोलिंग मिल्स लि., कलकत्ता	IS: 00226-1975	880731
11. सी एम/एल-1446550	विमको इंडस्ट्रीज, भोपाल	IS: 00427-1965	860831
12. सी एम/एल-0795873	काहिनूर पेल्ड्स (प्रा.) लि., अमृतसर	IS: 00428-1969	890831
13. सी एम/एल-1333042	इन्द्रा प्रार सी सी लान पाइप्स इंडस्ट्रीज, वाराणसी	IS: 00458-1971	870331

1	2	3	4	5
14	सी एम/एल-1645859	यरटेकम इंजीनियर्स, यारगणसी	IS : 00458-1971	900131
15	सी एम/एल-0480949	प्रीमियर पेस्टीफाइड्स (प्रा.) लि., कनाममेरी (केरल)	IS : 02865-1978	891130
16	सी एम/एल-0548654	एस.एम.पी. प्रा. लि., नेल्लोर (आ. प्र.)	IS : 00561-1978	880915
17	सी एम/एल-0896878	हरिशाखा कैमोकचम एंड पेस्टीफाइड्स, बहादुरगढ़	IS : 00565-1984	890831
18	सी एम/एल-1592763	एस.एम.पी. प्रा. लि., नेल्लोर (आ. प्र.)	IS : 00565-1975	880815
19	सी एम/एल-0476554	यूनाइटेड फर्टिलाइजर्स इंड., ठाणे	IS : 00565-1978	891031
20	सी एम/एल-0165941	सैन्डोज (इंडिया) लि., ठाणे	IS : 00633-1975	900331
21	सी एम/एल-0954969	सैन्डोज (इंडिया) लि., ठाणे	IS : 00633-1975	900331
22	सी एम/एल-0594353	यूनाइटेड फर्टिलाइजर्स इंड., ठाणे	IS : 00633-1985	891031
23	सी एम/एल-0758463	किशन चन्व एंड संन, बिल्ली	IS : 00758-1982	890228
24	सी एम/एल-1037028	प्रोग्रेसिव इंजीनियरिंग कन्सल्टेन्स, ह्यावडा	IS : 00780-1984	900215
25	सी एम/एल-1708655	वेन्टवेल कारपोरेशन, कलकत्ता	IS : 00996-1979	890630
26	सी एम/एल-0175240	डालमिया विस्कुट्स (प्रा.) लि., राजपुरा	IS : 01011-1981	891231
27	सी एम/एल-1332333	सुशील कृष्ण खेरा कैमीकल्स, हरपालपुर (म. प्र.)	IS : 01061-1982	890815
28	सी एम/एल-1257446	मोदी इंडस्ट्रीज, मलेरकोटला (पंजाब)	IS : 01135-1973	891231
29	सी एम/एल-0928462	श्री विजय इंडस्ट्रीज, लुधियाना	IS : 01135-1973	900115
30	सी एम/एल-1814553	मोगरजी गोकुलदास स्पि एंड वीथिंग कं. लि., बम्बई	IS : 01144-1980	890415
31	सी एम/एल-1079246	त्रिवेणी मैटल, टयूक्स लि., कानपुर	IS : 01239 (भाग-I)-1979	890531
32	सी एम/एल-0853760	यूनाइटेड फार्मोस लि., वापी (गुजरात)	IS : 01311-1966	900415
33	सी एम/एल-1525950	मथुरा हार्डवेयर इंडस्ट्रीज, मथुरा	IS : 01341-1981	890315
34	सी एम/एल-1710036	हानिम एंड कं., बम्बई	IS : 01342-1986	880630
35	सी एम/एल-1406639	हिंदन रबर्स लि., सोनीरत	IS : 01370-1976	890331
36	सी एम/एल-1757668	सत्य वीप उद्योग, आगरा	IS : 01538 (भाग I मे XXII)-1976	881130
37	सी एम/एल-0856867	गुडाप्पाह डिस्ट्रिक्ट काप. मिलक प्रोड्यूसर्स यूनियन लि., प्रोधापुर (आ. प्र.)	IS : 01547-1985	900415
38	सी एम/एल-0856261	आनंद डाइम एंड कं., ठाणे	IS : 01696-1974	900415
39	सी एम/एल-1129942	उद्दीसा मैटल इंडस्ट्रीज, राउरकेला	IS : 01726 (भाग V)-1974	891115
40	सी एम/एल-1199559	बेस्ट कोस्ट आयरन एंड स्टील्स, कन्नोर	IS : 01786-1979	890701
41	सी एम/एल-0291037	टाटा आयरन एंड स्टील कं. लि., बम्बई	IS : 01786-1985	890815
42	सी एम/एल-0691559	नेशनल मैटल इंडस्ट्रीज, हन्वीर	IS : 01786-1985	890331
43	सी एम/एल-1625247	अरविन्द इंडस्ट्रीज, मद्रास	IS : 01786-1985	891130
44	सी एम/एल-0942355	मार्डन स्टील एन्टरप्राइजेज, कलकत्ता	IS : 01786-1985	880832
45	सी एम/एल-0864563	मस्काट एंड्रो कैमीकल्स प्रा. लि., बंगलोर	IS : 01827-1984	890430

1	2	3	4	5
46.	सी एम/एल-0817958	दि एंगम कं. लि., कलकत्ता	IS : 01943-1964	881130
47.	सी एम/एल-1774769	कोणार्क जट लि., घनमंडल, जि. कटक	IS : 01943-1964	900115
48.	सी एम/एल-0840852	नरेश्वर चन्द्र जूट मिल्स लि., कोलकाता	IS : 01943-1964	900115
49.	सी एम/एल-0674861	यूनिवर्स एन्टरप्राइजेज, जमशेदपुर	IS : 01977-1975	880215
50.	सी एम/एल-1135937	सरोज एलायज एंड स्टील्स लि., होमपेट (कर्नाटक)	IS : 01977-1975	391130
51.	सी एम/एल-0589264	स्टील प्रापर्ट्स, सोनीपत	IS : 02039-1964	890215
52.	सी एम/एल-1446045	केरन कार-मिल्स मार्केटिंग केवरेज लि., पालघाट	IS : 02052-1979	890833
53.	सी एम/एल-1905152	कंसोलिडेटेड स्टील्स एंड एलायज लि., मुरैना (म. प्र.)	IS : 02062-1984	891130
54.	सी एम/एल-0795166	कोहिनूर पेट्स (प्रा) लि., अमृतसर	IS : 02074-1979	880831
55.	सी एम/एल-0989381	सेन्टा इंडस्ट्रीज, बम्बई	IS : 02148-1981	890831
56.	सी एम/एल-0112617	बि फोर्ट विलियम कं. लि., कलकत्ता	IS : 02266-1977	880831
57.	सी एम/एल-0856362	आनंद डाइम एंड कं., टाणे	IS : 02558-1974	900415
58.	सी एम/एल-0240020	आरती मिनेरल्स, फरीदाबाद	IS : 02567-1978	900415
59.	सी एम/एल-0955162	सेन्ट्रोज (इंडिया) लि., टाणे	IS : 02567-1978	900331
60.	सी एम/एल-1307940	एस. एन. कैमीकल इंडस्ट्रीज, गुडगांव	IS : 02569-1978	880515
61.	सी एम/एल-1625146	क्रियपेस्ट प्रा. लि., सोपान	IS : 02569-1978	991231
62.	सी एम/एल-1075440	आरती मिनेरल्स, फरीदाबाद	IS : 02569-1978	900515
63.	सी एम/एल-1229946	बज बज कं. लि., कलकत्ता	IS : 02580-1982	890831
64.	सी एम/एल-1238139	नवकारचन्द्र जूट मिल्स लि., कलकत्ता	IS : 02590-1982	891015
65.	सी एम/एल-1449354	नवकारचन्द्र जूट मिल्स लि., कलकत्ता	IS : 02818-1971	890915
66.	सी एम/एल-0703236	गोशा कैपिटल्स (प्रा) लि., गोशा	IS : 02834-1986	891215
67.	सी एम/एल-1466657	लाइट कंटेनर्स प्रा. लि., मद्रास	IS : 03196-1982	891231
68.	सी एम/एल-1259450	मुलर सिलिडर्स लि., वेलगाम	IS : 03196-1982	890731
69.	सी एम/एल-1623344	श्री हनुमान जूट एंड लैमिनेटिंग इंड., कलकत्ता	IS : 03344-1968	891115
70.	सी एम/एल-1872870	श्रीनेट कैमीकल, बस्ती (उ. प्र.)	IS : 03383-1982	890915
71.	सी एम/एल-0895675	हुगली मिल्स प्रोजेक्ट लि., (यूनिट: एच. सी. जूट मिल्स) कलकत्ता	IS : 03794-1986	890815
72.	सी एम/एल-0955263	सेन्ट्रोज इंडिया लि., टाणे	IS : 03905-1966	900331
73.	सी एम/एल-0895271	हुगली मिल्स प्रोजेक्ट लि., कलकत्ता	IS : 03984-1982	790835
74.	सी एम/एल-1040825	मलेकन एन्वाइसेज प्रा. लि., पृथ्विया	IS : 04246-1984	890315
75.	सी एम/एल-1153839	एस. आर. इंजीनियरिंग कं., बंगलोर	IS : 04246-1984	900131
76.	सी एम/एल-1124831	निओ फ्लेम मिस्टर्स, बंगलोर	IS : 04246-1984	891015
77.	सी एम/एल-1407641	इंटरनेशनल इंडस्ट्रीज, बम्बई	IS : 04246-1984	870415
78.	सी एम/एल-1016121	मुपर इंडस्ट्रीज, नारोडा (गुजरात)	IS : 04323-1980	851215
79.	सी एम/एल-1613240	भराठाबाड़ा इलेक्ट्रोमैकेल्स, औरंगाबाद	IS : 04323-1980	891031
80.	सी एम/एल-1861562	एरोमेटिक इंटरनेशनल, त्रिवेन्द्रम	IS : 04467 (भाग I)-1980	890815
81.	सी एम/एल-0887878	कस्सर अग्रोका निटिंग फैक्ट्री. कर (तमिलनाडु)	IS : 04964-1980	890815
82.	सी एम/एल-0715546	मकुत्तला निटिंग कं., तिरुपुर (तमिलनाडु)	IS : 04964-1980	890831
83.	सी एम/एल-0654653	बि ट्रावनकोर निटिंग कं., तिरुपुर (तमिलनाडु)	IS : 04964-1980	791130
84.	सी एम/एल-1294856	सेनबाकुमार निटिंग, तिरुपुर (तमिलनाडु)	IS : 04964-1980	890331
85.	सी एम/एल-1569561	अरुण निटिंग कं., तिरुपुर	IS : 04964-1980	890531
86.	सी एम/एल-1848772	ग्रैंड होजरीज, तिरुपुर (तमिलनाडु)	IS : 04964-1970	890715
87.	सी एम/एल-1862160	श्री कामाक्षी अमान गार्मेंट्स, तिरुपुर (तमिलनाडु)	IS : 04964-1980	790815
88.	सी एम/एल-0751045	ओ. के. टेक्स्टाइल्स तिरुपुर, (तमिलनाडु)	IS : 04965-1975	791015
89.	सी एम/एल-1377456	ओरी प्लास्ट प्रा. लि., बालगोड़ (उड़ीसा)	IS : 04985-1981	900228
90.	सी एम/एल-1405435	किण्टिज प्रा. लि., भीवाड़ा	IS : 04985-1981	790415
91.	सी एम/एल-1395660	साययोग प्लास्टिक्स एंड केम. लि., धारवाड़ (कर्नाटक)	IS : 04985-1981	900331

1	2	3	4	5
92. सी एम/एल-1500227	वैकटेश्वर एग्रीकैमीकल एंड मिनेरल्स लि., मद्रास	IS: 05277-1978	900115	
93. सी एम/एल-0836962	भारती मिनेरल्स, फरीदाबाद	IS: 05277-1978	900415	
94. सी एम/एल-1569465	कल्याणी रबड़ वर्क्स, नाडिया (प. बं.)	IS: 05382-1983	890531	
95. सी एम/एल-1673662	बम्बई फायर स्टाफ प्रा. लि., बम्बई	IS: 05490 (भाग-IV)-1979	900331	
96. सी एम/एल-1674058	बम्बई फायर स्टाफ प्रा. लि., बम्बई	IS: 05490 (भाग-II)-1979	900331	
97. सी एम/एल-1578668	बंगलौर पेस्टीसाइड्स प्रा. लि., बंगलौर	IS: 06177-1981	890630	
98. सी एम/एल-0800335	शर्ट्स इंडिया, गुवाहाटी	IS: 06248-1979	890930	
99. सी एम/एल-0656960	नव कर्नाटक स्टील्स लि., बिलेरी (कर्नाटक)	IS: 06914-1978	891215	
100. सी एम/एल-1344643	ब्रज इंजीनियरिंग वर्क्स, साहजानी, उन्नाव (उ. प्र.)	IS: 07181-1980	870930	
101. सी एम/एल-1025021	वेबिन इंडिया, नागपुर	IS: 07834 (भाग-IV)-1975	880515	
102. सी एम/एल-1747564	महाराष्ट्र एग्री इंड. डवलप. कारपो. लि., अकोली	IS: 08028-1976	891031	
103. सी एम/एल-0955364	मेन्डोज (इंडिया) लि., टाणे	IS: 08028-1976	900331	
104. सी एम/एल-0852556	भारती मिनेरल्स, फरीदाबाद	IS: 08074-1983	900415	
105. सी एम/एल-0947870	ई एन पी आई केमिकल वर्क्स, कोयम्बतूर	IS: 08356-1977	900131	
106. सी एम/एल-1904352	महाराष्ट्र एग्री इंड. डवलप. कारपो. लि., अकोली	IS: 08446-1977	891130	
107. सी एम/एल-1028330	बिबिन इंडस्ट्रीज, कोयम्बतूर	IS: 08623 (भाग-I)-1977	900131	
108. सी एम/एल-1728257	गनपतिम इंडस्ट्रीज (प्रा) लि., फरीदाबाद	IS: 08749-1988	890831	
109. सी एम/एल-1352743	ब्रज इंजीनियरिंग वर्क्स, साहजानी, उन्नाव (उ. प्र.)	IS: 08794-1978	861215	
110. सी एम/एल-1714246	बी. डी. स्टोव इंडस्ट्रीज, बम्बई	IS: 08808-1986	890715	
111. सी एम/एल-1735557	कृष्णराज मेटल इंडस्ट्रीज, कल्याण	IS: 08808-1986	980930	
112. सी एम/एल-1319745	गुरदेव इंजीनियरिंग वर्क्स, नैनीताल	IS: 09020-1979	880630	
113. सी एम/एल-1521437	चौरमिया, इंडस्ट्रीज, छतरपुर (म. प्र.)	IS: 09020-1979	880229	
114. सी एम/एल-0535443	मुधाकर पी वी सी प्रोडक्ट्स, सूर्यपेट (आ. प्र.)	IS: 09537 (भाग-III)-1983	890831	
115. सी एम/एल-0237738	मृत्युंजय पार्कलैंड इंड. कोट्टायम (केरल)	IS: 10 (भाग-III)-1974	900215	
116. सी एम/एल-0418742	मनीराया मेटल इंडस्ट्रीज, कोचीन	IS: 10 (भाग-IV)-1976	900131	
117. सी एम/एल-1270640	कमांड इंडस्ट्रीज, राजकोट	IS: 10001-1981	900131	
118. सी एम/एल-1366451	अतुल इंजीनियरिंग उद्योग, आगरा	IS: 10001-1981	900131	
119. सी एम/एल-1648153	पटेल मशीनरी स्टोर्स, राजकोट (गुजरात)	IS: 10001-1981	900131	
120. सी एम/एल-0630639	चापोलिया एंड माटेश्वरी ब्रदर्स, पटना	IS: 10001-1981	890930	
121. सी एम/एल-0836558	भ्रमरुतिया इंडस्ट्रीज, राजकोट	IS: 10001-1981	900215	
122. सी एम/एल-1918262	केतन इंडस्ट्रीज, बम्बई	IS: 10109-1981	891231	
123. सी एम/एल-1538050	वेस्ट टिन केम मैनु. कं. अर्नतपुर (आ. प्र.)	IS: 10325-1989	890315	
124. सी एम/एल-1564152	गुजरात टिन फैक्ट्री, राजकोट	IS: 10325-1982	890515	
125. सी एम/एल-1612541	रजनीकान्त रतिला एंड कं., मोरवी (गुजरात)	IS: 10325-1982	891015	
126. सी एम/एल-1653656	नन्द किशोर खन्ता एंड संस, बम्बई	IS: 10813-1984	900131	
127. सी एम/एल-0850047	बिरला जूट एंड इंडस्ट्रीज लि., कलकत्ता	IS: 1943-64	890315	

[सं. के० प्र० बि./13 : 14]

एस. सुब्रह्मण्यन, अपर सहायक निदेशक

S.O. 2495 In pursuance of Sub-regulation (6) of Regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, it is hereby notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have expired :

SCHEDULE

List of Licences Lapsed during the month June 1990 (IS-wise)

Licence No.	Name of the licensee	Number of the relevant Indian Standard	Date of expiry
(1)	(2)	(3)	(4)
(1)	(2)	(3)	(4)
1. CM/L-1756767	Jayant Vitamins Ltd., Ratlam (M.P.)	IS : 5342—1969	891130
2. CM/L-0662753	Udaya Sawmills & Timber Inds. Perumbavoor (Kerala)	IS : 00010 (Part III) —1974	891231
3. CM/L-0214928	The Kerala Metal Industries, Kottayam (Kerala)	IS : 00010 (Part IV) —1976	890416
4. CM/L-1362241	Vijayeshwari Textiles (P) Ltd. Pollachi	IS : 00171—1985	900115
5. CM/L-1465756	Ludhiana Steel Rolling Mills, Ludhiana	IS : 00226—1975	891015
6. CM/L-0674760	Union Enterprises, Jamshedpur	IS : 00226—1975	890215
7. CM/L-1554149	West India Steel Co. Ltd., Calicut	IS : 00226—1975	890430
8. CM/L-0795570	Modern Steel Enterprises, Calcutta	IS : 00226—1975	880831
9. CM/L-1134632	Saroj Alloys & Steels Ltd., Hospet (Karnataka)	IS : 00226—1975	881130
10. CM/L-0071023	Bengal Rolling Mills Ltd., Calcutta	IS : 00226—1975	890731
11. CM/L-1446550	Vimco Industries, Bhopal	IS : 00427—1965	860831
12. CM/L-0795873	Kohinoor Paints (P) Ltd., Amritsar	IS : 00428—1969	890831
13. CM/L-1338042	Indira RCC Spun Pipes Industries, Varanasi	IS : 00458—1971	870831
14. CM/L-1645859	Vertex Engineers, Varanasi	IS : 00458—1971	900131
15. CM/L-0480949	Premier Pesticides (P) Ltd., Kalamassery (Kerala)	IS : 02865—1978	891130
16. CM/L-0548654	SMP Pvt. Ltd., Nellore (A.P.)	IS : 00561—1978	880915
17. CM/L-0886878	Haryana Chemicals & Pesticides, Bahadurgarh	IS : 00565—1984	890831
18. CM/L-1592763	S.M.P. Pvt. Ltd. Nellore (A.P.)	IS : 00565—1975	880815
19. CM/L-0476554	United Fertilizers Inds. Thane	IS : 00565—1978	891031
20. CM/L-0165941	Sandoz (India) Ltd., Thana	IS : 00633—1975	900331
21. CM/L-0954968	Sandoz India Ltd., Thana	IS : 00633—1975	900331
22. CM/L-0594358	United Fertilizers Inds., Thane	IS : 00633—1985	891031
23. CM/L-0758463	Kishan Chand & Sons, Delhi	IS : 00759—1982	890228
24. CM/L-1037028	Progressive Engineering concern. Co. Howrah	IS : 00780—1984	900215
25. CM/L-1708655	Ventwell Corporation Calcutta	IS : 00996—1979	890630
26. CM/L-0475240	Dalmia Biscuits (P) Ltd., Rajpura	IS : 01011—1981	891231
27. CM/L-1332333	Sushil Krishna Khaira Chemicals, Harpalpur (M.P.)	IS : 01061—1982	890815
28. CM/L-1257446	Modi Industries, Malerkotla (Punjab)	IS : 01135—1973	891231
29. CM/L-0928462	Shree Vijay Industries, Ludhiana	IS : 01135—1973	900115
30. CM/L-1814553	The Morarjee Gokuldas SPG & Wvg. Co. Ltd., Bombay	IS : 01144—1980	890415

1	2	3	4	5
31. CM/L-1079246	Triveni Metals Tubes Ltd., Kanpur	IS : 01239 (Part I) —1979	890531	
32. CM/L-0853760	United Phosphorus Ltd., Vapi (Gujarat)	IS : 01311—1966	900415	
33. CM/L-1525950	Mathura Hardware Industries, Mathura	IS : 01341—1981	890315	
34. CM/L-1710036	Hatim & Company, Bombay	IS : 01342—1986	880630	
35. CM/L-1406639	Hilton Rubbers Limited, Sonapat	IS : 01370—1976	890331	
36. CM/L-1757668	Satya Deep Udyog, Agra.	IS : 01538 (Part I to XXII)—1976	881130	
37. CM/L-0856867	Cuddapah Dist Co-op. Milk Producers Union Ltd., Proddatur (A.P.)	IS : 01547—1985	900415	
38. CM/L-0856261	Anand Dyers & Co., Thane	IS : 01696—1974	900415	
39. CM/L-1129942	Orissa Metal Industries, Rourkela.	IS : 01726 (Part V) —1974	891115	
40. CM/L-1199559	West Coast Iron & Steels, Cannanore	IS : 01786—1979	890701	
41. CM/L-0291037	Tata Iron & Steel Co. Ltd., Bombay	IS : 01786—1985	890815	
42. CM/L-0691558	National Metal Industries, Indore	IS : 01786—1985	890331	
43. CM/L-1625247	Arvind Industries, Madras	IS : 01786—1985	891130	
44. CM/L-0942355	Modern Steel Enterprises, Calcutta	IS : 01786—1985	880831	
45. CM/L-0864563	Mascot Agro Chemicals Pvt. Ltd., Bangalore	IS : 01827—1984	890430	
46. CM/L-0817958	The Angus Co. Ltd., Calcutta	IS : 01943—1964	881130	
47. CM/L-1774769	Konark Jute Ltd., Dhanmandal, Distt Cuttack.	IS : 01943—1964	90115	
48. CM/L-0840852	Naffarchandra Jute Mills Ltd., Calcutta.	IS : 01943—1964	900115	
49. CM/L-0674861	Union Enterprises, Jamshedpur	IS : 01977—1975	880215	
50. CM/L-1135937	Saroj Alloys & Steels Ltd., Hospet (Karnataka)	IS : 01977—1975	891130	
51. CM/L-0589264	Steel Krafts, Sonapat	IS : 02039—1964	890215	
52. CM/L-1446045	Kerala Co-op Milk Marketing Federation Ltd., Palghat.	IS : 02052—1979	890831	
53. CM/L-1905152	Consolidated Steel & Alloys Ltd., Morena (M.P.)	IS : 02062—1984	891130	
54. CM/L-0795166	Kohinoor Paints (P) Ltd., Amritsar	IS : 02074—1979	880831	
55. CM/L-0989381	Sera Industries, Bombay	IS : 02148—1981	890831	
56. CM/L-0112617	The Fort William Co. Ltd., Calcutta	IS : 02266—1977	880831	
57. CM/L-0856362	Anand Dyers & Co., Thane	IS : 02558—1974	900415	
58. CM/L-0240020	Artee Minerals, Faridabad	IS : 02567—1978	900415	
59. CM/L-0955162	Sandoz (India) Ltd., Thane	IS : 02567—1978	900331	
60. CM/L-1307940	S.N. Chemical Industries, Gurgaon	IS : 02569—1978	880515	
61. CM/L-1625146	Kilpest Pvt. Ltd., Bhopal	IS : 02569—1978	881231	
62. CM/L-1075440	Artee Mineras, Faridabad	IS : 02569—1978	900515	
63. CM/L-1229946	Budge Budge Co. Ltd., Calcutta	IS : 02580—1982	890831	
64. CM/L-1238139	Naffarchandra Jute Mills Ltd., Calcutta	IS : 02580—1982	891015	
65. CM/L-1449354	Naffarchandra Jute Mills Ltd., Calcutta	IS : 02818—1971	890915	
66. CM/L-0703236	Goa Capacitors (P) Ltd., Goa	IS : 02834—1986	891215	
67. CM/L-1466657	Lite Containers Pvt. Ltd., Madras	IS : 03196—1982	891231	
68. CM/L-1259450	Muller Cylinders Ltd., Belgaum	IS : 03196—1982	890731	
69. CM/L-1623344	Shree Hanuman Jute & Laminating Inds., Calcutta.	IS : 03344—1968	891115	
70. CM/L-1872870	Shrinet Chemical, Basti (U.P.)	IS : 03383—1982	890915	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
71. CM/L-0895675	Hooghly Mills Project Ltd. (Unit : H.C. Jute Mills), Calcutta	IS	03794—1966	890815
72. CM/L-0955263	Sandoz India Ltd., Thane	IS	03905—1966	900331
73. CM/L-0895271	Hooghly Mills Project Ltd., Calcutta	IS	03984—1982	890815
74. CM/L-1040825	Selection Appliances Pvt. Ltd., Ludhiana	IS	04246—1984	890315
75. CM/L-1153839	S.R. Engineering Co., Bangalore	IS	04246—1984	900131
76. CM/L-1124831	NEO Flame Systems, Bombay	IS	04246—1984	891015
77. CM/L-1407641	International Industries, Bombay	IS	04246—1984	870415
78. CM/L-1016121	Super Industries, Naroda (Gujarat)	IS	04323—1980	851215
79. CM/L-1613240	Marathwada Insecticides, Aurangabad.	IS	04323—1980	891031
80. CM/L-1861562	Aromatic Interntional, Trivandrum	IS	04467 (Part I) —1980	890815
81. CM/L-0887878	Karur Asoka Knitting Factory, Karur (Tamil Nadu)	IS	04964—1980	890815
82. CM/L-0715546	Shakunthala Knitting Co., Tirupur (Tamil Nadu).	IS	04964—1980	890831
83. CM/L-0654653	Thetravancore Knitting Co., Thirupur (Tamil Nadu).	IS	04964—1980	891130
84. CM/L-1294856	Selvakumar Knitting Tripura (Tamil Nadu)	IS :	04964 —1980	890331
85. CM/L-1569566	Aruna Knitting Co., Tirupur (Tamil Nadu)	IS	04964—1980	890531
86. CM/L-1848772	Grand Hosieries, Tirupur (Tamil Nadu)	IS	04964—1980	890715
87. CM/L-1862160	Sri Kamachi Amman Garments, Tirupur	IS	04964—1980	890815
88. CM/L-0751045	Okey Textiles, Tirupur (Tamil Nadu)	IS	04965—1975	891015
89. CM/L-1377456	Ori-Plast Pvt. Ltd., Balasore (Orissa)	IS	04985—1981	900228
90. CM/L-1405435	Koshitiz Pvt Ltd., Bhilwara	IS	04985—1981	890415
91. CM/L-1395660	Saiyog Plastics & Chem. Ltd., Dharvar (Karnataka)	IS	04985—1981	900331
92. CM/L-1500227	Venkateswara Agrochemical & Minerals Ltd., Madras	IS	05277—1978	900115
93. CM/L-0836962	Artee Minerals, Faridabad	IS	05277—1978	900415
94. CM/L-1569565	Kalyani Rubber Works, Nadia (West Bengal)	IS	05382—1985	890531
95. CM/L-1673662	Bombay Firestop Pvt. Ltd., Bombay	IS :	05490(Part IV) —1979	909331
96. CM/L-1674058	Bombay Firestop Pvt. Ltd., Bombay	IS	05490 (Part III) —1979	900331
97. CM/L-1578668	Bangalore Pesticides Ltd., Bangalore	IS	06177—1981	890630
98. CM/L-0800335	Shutters India, Gauwahati	IS	06248—1979	890930
99. CM/L-0656960	Nava Karnataka Steels Ltd., Bellary (Karnataka).	IS	06914—1978	891215
100. CM/L-1344643	Brij Engineering Works Sahjani, Unnao (U.P.)	IS :	07181—1986	870930
101. CM/L-1025021	Wavin India Ltd., Nagpur	IS	07834 (Part VI) —1975	880515
102. CM/L-1747564	Maharashtra Agro Inds. Devp. Corpn. Ltd., Akola.	IS :	08028—1976	891031
103. CM/L-0955364	Sandoz(India) Ltd., Thana	IS :	08028—1976	900331
104. CM/L-0852556	Artee Minerals, Faridabad	IS :	08074—1983	900415
105. CM/L-0947870	ENPI Chemical Works, Bangalore	IS :	08356—1977	900131
106. CM/L-1904352	Maharashtra Agro Industries Devp. Corpn. Ltd., Akola.	IS :	08446—1977	891130
107. CM/L-1028330	Vivin Industries, Coimbatore	IS :	08623(Part I) —1977	900131

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
108. CM/L-1728257	Sunflame Industries (P) Ltd., Faridabad	IS : 08749 —1988	890831	
109. CM/L-1352743	Brij Engineering Works, Saljani, Unnao (U.P.)	IS : 08794 —1978	861215	
110. CM/L-1714246	V.D. Stove Industries, Bombay	IS : 08808 —1986	890715	
111. CM/L-1735557	Krishnaraj Metal Industries, Kalyan	IS : 08808 —1986	880930	
112. CM/L-1319745	Gurdev Engineering Works, Nainital	IS : 09020 —1979	880630	
113. CM/L-1521437	Chourasia Industries, Chattarpur (M.P.)	IS : 09020 —1979	880229	
114. CM/L-0535443	Sudhakar PVC Products Suryapet (A.P.)	IS : 09537 (Part III) —1983	890831	
115. CM/L-0237738	Mruthyunjaya Parkland Inds., Kottayam (Kerala)	IS : 10 (Part III) —1974	900215	
116. CM/L-0418742	Maniyara Metal Industries, Cochin	IS : 10 (Part IV) —1976	900131	
117. CM/L-1270640	Command Industries, Rajkot	IS : 10001 —1981	900131	
118. CM/L-1366451	Atul Engineering Udyog, Agra	IS : 10001 —1981	900131	
119. CM/L-1648158	Patel Machinery Stores Rajkot (Gujarat)	IS : 10001 —1981	900131	
120. CM/L-0680639	Chhapolia & Maheswary Brothers, Patna	IS : 10001 —1981	890930	
121. CM/L-0836558	Amrutiya Industries, Rajkot	IS : 10001 —1981	900215	
122. CM/L-1918262	Ketan Industries, Bombay	IS : 10109 —1981	891231	
123. CM/L-1538050	Best Tin Cans Mfg. Co. Anantapur (A.P.)	IS : 10325 —1989	890315	
124. CM/L-1564152	Gujarat Tin Factory, Rajkot	IS : 10325 —1982	890515	
125. CM/L-1612541	Rajnikant Ratilal & Co., Morvi (Gujarat)	IS : 10325 —1982	891015	
126. CM/L-1653656	Nand Kishore Khanna & Sons, Bombay	IS : 10813 —1984	900131	
127. CM/L-0850047	Birla Jute & Industries Ltd., Calcutta	IS : 1943 —64	890315	

[No. CMD/13 : 14]

S. SUBRAHMANYAN, Addl. Director General

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय
(पेट्रोलियम और नैगमिक वायु विभाग)
नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1991

का.प्र. 2493 यतः पेट्रोलियम और खनिज पार्श्व लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का दर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 13 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.प्र. (1215) दिनांक 9-11-1990 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने नव अधिसूचना से संलग्न प्रतिसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार का पार्श्व लाईन को बिलाने के लिये अर्जित करने का अपना आग्रह प्रोत्तित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारों ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की अपनी रिपोर्ट र दिया है।

आर आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते क पश्चात् उक्त अधिसूचना से संलग्न प्रतिसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः उक्त अधिनियम का धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न प्रतिसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पार्श्व लाईन बिलाने के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और यतः उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के अन्वय गैस व्यवस्थापक आफ इंडिया, गिंग रोड, नवी दिल्ली-110066 में सभी बातों में मुक्त रूप में धारणा के प्रकाशन की उक्त धारा की विहित होगी।

प्रतिसूची

राज्य : महाराष्ट्र विभाग : राज्यभू सक्षमता : अधिभाग

गांव	संख्य नम्बर	हिसानम्बर	गट नम्बर	क्षेत्र	हेक्टर	आर	सेंटोआर
मेवरो	25	3-बी भाग	---	---	10	9.3	
	26	3-बी भाग	---	---	00	18	
	25	3-बी भाग	---	---	15	26	
	25	3-बी भाग	---	---	03	24	
	25	3-बी भाग	---	---	08	85	
	23	0 भाग	---	---	13	14	
	19	2-भाग	---	---	09	11	
	14	2-भाग	---	---	00	09	

3	4	5	6	7
1	1-भाग	--	--	03 10
16	2-भाग	--	--	07 90
17	3-भाग	--	--	02 3
17	2-अ-भाग	--	--	04 05
17	2-बि-भाग	--	--	04 05
7	5-भाग	--	--	00 80
7	1-भाग	--	--	03 71
208	1-भाग	--	--	00 46
181	7-भाग	--	--	03 70
34	1-बि-1	--	--	03 82
34	1-बि-2 भाग	--	--	03 82
207	1-भाग	--	--	20 41
181	5-भाग	--	--	01 75
181	8-भाग	--	--	03 47

[गं. अं-14016/63/90-अं. पी]

No. 3215 dated 9-11-1990 under sub-section 1 of section 3 of the Petroleum and Mineral pipe lines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas pipe line.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to this Notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notification hereby acquired for laying the Gas pipe line.

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Department of Petroleum and Natural Gas)

New Delhi, the 19th September, 1991

S.O. 2496.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India. Ring Road New Delhi 110 066 free from encumbrance.

SCHEDULE

State : Maharashtra

District : Raigad

Tahsil : Alibag

Village	Survey Number	Hissa Number	Gat No.	Area		
				Hector	Arc	C. Arc
Veshvi	25	3-B Part	—	—	10	98
	25	3-A Part	—	—	00	48
	25	3-C Part	—	—	15	26
	25	3-D Part	—	—	03	24
	25	3-E Part	—	—	08	85
	23	0 Part	—	—	13	14
	19	2 Part	—	—	09	11
	14	2 Part	—	—	00	09
	14	1 Part	—	—	04	80
	16	2 Part	—	—	05	90
	17	3 Part	—	—	02	57
	17	2-A Part	—	—	04	05
	17	2-B Part	—	—	—	—
	7	5 Part	—	—	00	80
	7	1 Part	—	—	03	71
	208	1 Part	—	—	00	46
	181	7 Part	—	—	08	70
	34	1-B-1	—	—	—	—
	34	1-B-2	—	—	03	82
	207	1 Part	—	—	20	41
	181	5 Part	—	—	01	75
	181	8 Part	—	—	08	42

का.घा. 2497—यतः पेट्रोलियम और खनिज पार्सीप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) का.घा. 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संज्ञात्मक वी अधिसूचना का.घा. (3202) दिनांक 9-11-1990 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पार्सीप लाईन को सिद्ध करने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः महम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पार्सीप लाईन सिद्ध करने के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार यह निर्देश देती है कि, उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में बहिन होने के बजाय गैस सप्लायरिंग आफ इंडिया, रिंग रोड, नयी दिल्ली-110066 में सभी बाधाओं से उक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को बहिन होगा।

अनुसूची

राज्य : महाराष्ट्र जिला : रायगढ़ तहसील : मुरुड

गांव	सर्वे नंबर	हिस्सा नंबर	गट नंबर	क्षेत्र	हेक्टर	आर	सेंटिआर
1	2	3	3	5	6	7	
सलाव	4	2/1+3 भाग	--	0	03	85	

SCHEDULE

State : Maharashtra

District : Raigad

Tahasil : Murud

Village	Survey Number	Hissa Number	Gat No.	Area		
				Hector	Are	C. Are
Salav	4	2/1 + 3 Part	—	0	03	85
	4	2/8 Part	—	0	00	28
	5	1 Part	—	0	01	80
	5	2/7 Part	—	0	03	00

[No. O-14016/63/90-GP]
RAJIV MEHRSHI, Dy. Secy.

1	2	3	4	5	6	7
	4	2/8 भाग	--	0	00	28
	5	1- भाग	--	0	01	80
	5	2/7 भाग	--	0	03	00

[स. ओ-14016/63/90-जी. पी.]

राजीव मेहरशी, अवर सचिव

S.O. 2497.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3202, dated 9-11-1990 under sub-section 1 of section 3 of the Petroleum and Mineral pipe lines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas pipe line.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to this Notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notification hereby acquired for laying the Gas pipe line.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India, Ring Road, New Delhi 110 066 free from encumbrance.

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1991

का.आ. 2498--इस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या ए बी 13015/81/88-एसोबीएल दिनांक 17 जनवरी, 1991 में वार्षिक संशोधन करते हुए, राष्ट्रपति, वायु सेना मुख्यालय में परिचालन निदेशक (परिवहन और समुद्री) एयर कमांडर के.के. बाबू को तत्काल प्रभाव से वायु सेना मुख्यालय के स्थानांतरण परिचालन निदेशक (परिवहन और समुद्री) ग्रुप कैप्टन ए.के. गोयल के स्थान पर पवन हंस लिमिटेड के निदेशक मंडल में पदेन निदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

[संख्या ए बी-13015/81/88 एसोबीएल]

नसीब सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM

New Delhi, the 16th September, 1991.

S.O. 2498.—In partial modification of this Ministry's notification No. Av./13015/81/88-ACVL, dated the 17th January, 1991, the President is pleased to appoint A/Cdr K. K. Babu, Director of Operations (Transport & Maritime), Air HQ as Ex-Officio Director on the Board of Pawan Hans Limited with immediate effect vice G/Capt. A. K. Goel, Officiating Director of Operations (Transport & Maritime), Air Headquarters.

[No. Av./13015/81/88-ACVL]

NASIB SINGH, Under Secy.

अस मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1991

का. आ. 2499 -- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. भारत कोकिंग कोल लिमि. का कटरास छोटीडीह कोलियरी के प्रबन्धन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं.-2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-9-91 को प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 9th September, 1991

S.O. 2499.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Katras Chaitudih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 6-9-91.

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD****REFERENCE No. 193 OF 1986**

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Katras Chaitudih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen.--Shri S. Bose, Advocate.
On behalf of the employers.--Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 28th August, 1991

2446 GI/91--9

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(275)/83-D.III(A), dated, the 20th May, 1986.

SCHEDULE

"Whether the demand of Dhanbad Zila Mushar Seva Sangh for departmentalisation/regularisation of the services of Blacksmiths, whose names are given below, by the management of Katras Chaitudih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Ltd. is justified. If so, to what relief are these Blacksmiths entitled?"

1. Shri Ramjiwan Mistry.
2. Shri Ram Lakhan Mistry.
3. Shri Ram Prasad Dusad.
4. Shri Ramji Mistry.
5. Shri Lal Bahadar Mistry.
6. Shri Lal Das Mistry.
7. Shri Balla Das.
8. Shri Jageshwar Mistry.
9. Shri Prem Sagar Mistry.
10. Shri Haradhan Das.
11. Shri Gulli Dusad.
12. Shri Seonath Dusad.
13. Shri Sailendra Yadav.
14. Shri Kalu Das.
15. Shri Inder Singh.
16. Shri Seodayal Mistry.
17. Shri Hari Mistry.
18. Shri Jagdish Das.
19. Shri Chanirka Ram.

2. The concerned 19 workmen as named in the schedule to the order of reference have filed joint Written Statement alleging inter alia that the contract system is prohibited in regular nature of job to be performed by blacksmith in the workshop of collieries and in spite of that the management carried on contract work and allowed one Shri Satya Narain Mistry in the workshop of the above named colliery to do that job. Satya Narain Mistry employed all the workmen as blacksmith for quite a long time and regularly from the period from 1975 to 17-2-78. It was contended that the concerned workmen were suddenly stopped from the work from 17-2-78 without assigning any reason. It is stated that after such stoppage the concerned workmen approached the authorities concerned through the union and requested the management for their job but it was of no use. The workmen also approached the local Police station Katrasgarh and the LEO (C) for seizing the relevant registers and the records of the above named contractors in which the particulars regarding the employment of the concerned workmen, payment etc. are mentioned but to their knowledge there was no seizure of any register or records. It is further stated that the concerned workmen through their union raised industrial dispute before the ALC(C), Dhanbad but the conciliation failed and hence this reference. Lastly it was submitted that the stoppage of the concerned workmen from their work is illegal arbitrary and amounts to serious unfair labour practice. Therefore the workmen demanded for their regularisation/departmentalisation as blacksmith in the above named colliery retrospectively from the appropriate date. They are also entitled to receive the wages for the date of their regularisation in the employment. They also prayed to be compensated for all other benefits, facilities which could not be made available to them on account of arbitrary stoppage.

3. The claims of the workmen was duly contested by the management by filing W. S. and also by leading evidence in his case. It was stated on behalf of the management that the concerned persons were never employed by the management at any time and hence there was no relationship of employer and employee. Thus the present demand of the union for employment of strangers on the ground of regularisation cannot be an industrial dispute and reference is liable to be rejected. It was further stated that due to exis-

tence of certain urgent and emergent repairing job in the colliery the management engaged a contractor namely Shri Satyanarain Mistry in February, 1978 to complete the job within a period of a week or so by employing his own workers. Shri Satya Narain Mistry, the contractor commenced his work on and from 4-2-78 and completed the contract job allotted to him on 17-2-78 and he employed about 15 persons and paid to them out of the amount received from the management as per agreement. It was further stated that the concerned workmen have not produced any paper before the Conciliation Officer in support of their claim and in the circumstances the management has every reason to believe that they are not genuine workers of the contractor and they are simply making an attempt to get employment through fraudulent litigation. Lastly it was submitted that there was no need of employment of contractors on regular permanent nature of job. The contractors were engaged on jobs of temporary nature if and when required.

4. While giving para-wise reply the management stated that the concerned workmen were never employed on any permanent nature of blacksmithy contract job and the question of violation of any rule under Contract Labour (Regulation & Abolition) Act, 1970 did not arise. It was also urged that the present case is a result of collusion between the contractor and the concerned persons and the certificates issued by the contractors are false and fabricated. Under the circumstances it was pleaded to pass an Award holding that the concerned persons are not entitled to any relief.

5. On the basis of the pleadings of both the parties the only question to be decided in this case is as to whether the demand of the departmentalisation of the concerned workmen as blacksmiths is justified?

6. Admittedly, Satya Narain Mistry was a contractor engaged by the concerned colliery. But according to the management the said contractor was engaged for urgent and emergent repair work once for a week. It was also contended that the commenced his work on 4-2-78 and completed it on 17-2-78 and in this way the said contract worked for 12 days and employed about 15 persons.

7. First of all I would like to determine whether Satya Narain Mistry was employed temporarily to blacksmithy repairing work and he worked only for 12 days. Ext. W-6 to W-23 are the work orders whereby the contractor was asked to make drags, tripbars tubs and other to be used in Coal Mines. Ext. W-16 and W-17 are more relevant. The contractor was asked to make rail whole of the dimension noted therein and the work was to be completed by 29-5-76. Shri P. B. Bhowmik while deposing as MW-1 has stated that Shri Satya Narain Mistry was contractor of Hard Coke Bhatta during his period at Katras Choitudih colliery. He stated further that he had issued work orders on the basis of which the contractor did their work. The word "Work orders" has been used in plural denoting that Shri Bhowmik had issued several work orders. Ext. W-18 which bears the signature of Shri Bhowmik. According to this work order the work was to be completed on 25-6-77. He has also proved Ext. W-17 which bears the signature of Shri R. P. Sinha, Asstt. Colliery Manager of Katras Choitudih Colliery. Apart from that he also proved other work order as noted above. Specially the work orders as noted above will simply reveal that Shri Satya Narain Mistry was engaged as contractor since 1976, and he worked as such till February, 1978. The witness Satya Narain Mistry has denied to have worked only for 12 days as contractor. The witness also stated that they were not doing any private work except the work of the colliery. This fact finds full support from the evidence of Shri Bhowmik (MW-1). Shri Bhowmik stated that whatever work has done by Satya Narain Mistry it was all based on the work order given to him and he did not do any other work except the work through the work order. These facts all read together will abundantly prove that Satya Narain Mistry was contractor atleast since 1976 and he used to do work with the help of blacksmiths under him. It is also established that he was solely engaged for the works of coal mines and no other work was performed by him and the workmen save and except the work order. This further goes to establish that the nature of the work in my view was of permanent and perennial future. At this very stage I may refer to the evidence of Shri P. B. Bhowmik who has stated in unequivocal terms that the jobs of blacksmiths is essential even when the coal

mine is in operation. This is suggestive of the fact that the blacksmiths were not engaged in any temporary work rather they will be deemed to have been engaged on permanent roll.

8. It has also been averred on behalf of the management that the contractor did only the repair work. In this connection I may refer to exhibit W-9, W-9/2, W-9/5 and W-9/6. These are the orders which will show that Satya Narain Mistry apart from the repair work, was asked to make new coal tubs and tags, drag lines by using new materials. In view of these facts I am to hold that the contractor Shri Satya Narain Mistry and the blacksmiths were working continuously for more than a year in the workshop. It was stated on behalf of the workmen that they were suddenly stopped from work on and from 17-2-78 without any reason.

9. Though the workmen were engaged by the contractor for doing the work order of the management but in real sense of the term the management itself and the said colliery was principal employer. In this connection Ext. W-7 may be referred to. This is a letter written to the Supdt., Katras Choitudih colliery to the contractor Satya Narain Mistry for payment to the labourers in presence of authorised representative of the management. It is dated 5-9-1977. There is yet another similar letter (Ext. W-10) written by the Manager Katras Choitudih Colliery to the same contractor. It is dated 25-2-1978 whereby the contractor was directed to pay his worker from his bill otherwise the payment can be made from the security money deposited with the management. From these documents we find that the management was very much responsible for payment to the workers in time. In this connection I may also refer to Ext. M-1 which is the wagesheet. This will show that the blacksmiths were paid their wages in presence of the representative of the management. All these facts virtually do not speak the nature of the job was temporary.

10. According to the case of the management the blacksmiths employed by the contractor were about 15 in numbers and this fact has been tried to be proved through Ext. M-1 which is wagesheet of 14 workers for the period from 4-2-78 to 17-2-78. From this wagesheet it appears that the wages to the workmen were paid in presence of the representative of the management but there is an endorsement at the bottom of the wagesheets to the effect that payment was not made to three workers. Thus even according to the management the number of workmen comes to 17 but the terms of reference has given out 19 names which is in agreement with the names disclosed in the W. S. of the workmen. Of course the name of Satya Narain Mistry does not appear who as per his own evidence was a contractor-cum-blacksmiths. As per endorsement under Ext. M-1 the name of Parmeswar neither appears in the schedule to the order of reference nor in the W. S. of the workmen and so he is neither here nor there. Certainly the name of Hari Mistry and Jagdish Das are there and thus the total number even according to the management comes to 16 (14+2). In this way we find that the names of Ramjee Mistry, Premnagar Mistry and Chanrika do not appear in the wagesheets although they have been referred to under the said reference. Here I may mention that the contractor had issued service certificates to 8 workers (Ext. W-3) series. Ext. M-3/3 is a certificate granted to Ramjee Mistry by the contractor and it is dated 18-2-78. Although these certificates have been branded as false and fabricated document but prima facie I find no reason to disbelieve them. So Ramjee Mistry can be including in the list and it is held accordingly. In this way the total number of blacksmiths comes to 17 out of which 16 names are admitted. All 17 names are as follows :—

1. Ram Jiwan Mistry
2. Ram Lakhan Mistry
3. Ram Prasad Paswan
4. Lal Bahadur Mistry
5. Lala Das
6. Bala Das
7. Jageshwar Das
8. Haradban Das
9. Gulli Dasadh
10. Sonnath Prasad
11. Salendra Yadav
12. Kala Das
13. Indira Singh
14. Seodaval Mistry
15. Hari Mistry

16. Jagdish Das and
17. Ramji Mistry.

11. From what has been said as discussed above I am to hold that all the 17 concerned workmen as named above are entitled for their regularisation/departamentalisation in the aforesaid colliery namely Katras Choitudih Colliery of the management of M/s. B.C.C.L. The concerned workmen were alleged to have been stopped from the work since 17-2-78 whereas the reference was made on 26-5-86 after a long gap. So I am not inclined to give them any benefit retrospectively for their regularisation nor I propose to give them back wages. Accordingly the management is directed to regularise all the 17 concerned workmen as per their job on proper identification within one month from the date of publication of the Award.

An Award is passed accordingly.

B. RAM, Presiding Officer
[No. L-20012(275)/83-D.III (A).IR(C-I)]

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1991

का. आ. 2500.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रिय सरकार, मै. भारत कोकिंग कोल लिमि. का सहृदा क्षेत्र गं.— 2 के प्रबन्धसंज्ञ से संबद्ध निगोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-9-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 13th September, 1991

S.O. 2500.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mohuda Area No. II of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 12-9-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947
Reference No. 47 of 1986

PARTIES :

Employers in relation to the management of Mohuda Area No. II of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri D. Mukherjee Advocate and S. N. Goswami, Advocate.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal
Dhanbad, the 30th August, 1991

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012 (207)/85-D.III (A), dated, the 16th January, 1986.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Mohuda Area No. II of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Mohuda, District Dhanbad in dismissing from service Shri Kartik Prasad Singh Special Grade Clerk in the Area Office of Mohuda Area w.e.f. 18-1-1985 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?”

2. The concerned workman Shri Kartik Prasad Singh was working as Clerk in the Area Office of Mohuda Area but on account of his misconduct he was dismissed from service with effect from 18-1-85. It so happened that on 12th day of February, 1985 the concerned workman along with other co-workers allegedly committed certain acts of misconduct by using abusive language against Shri D. C. Aggarwal, General Manager and other officer of the Area and also threatened them with dire consequences. He also instigated co-workers to stop the work and shouted the derogatory slogans resulting into chaos and confusion everywhere and that the office work was paralysed for about an hour. That led to submission of chargesheet and after domestic enquiry the concerned workman was dismissed.

3. The concerned workman has filed W.S. denying all the charges levelled against him. It was contended that the concerned workman in the capacity of Area Secretary of Bihar Janta Mazdoor Sangh was a protected workman and the disciplinary action should not have been made a subject matter of the charge of misconduct alleged against him.

4. It was also contended that the order of dismissal was motivated by vindictiveness, malice and unfair labour practice. According to the workman hurling abuses and talking loudly have been held by the Courts of law not a major misconduct and in that view of the matter also the order of dismissal was unwarranted and without jurisdiction. Accordingly it has been prayed that he be reinstated in his original job with continuity of service and back wages with other emoluments.

5. The management also filed W.S. stating each and every act of misconduct committed by the concerned workman it is stated that on the alleged date of occurrence at about 10.45 A.M. the concerned workman shouted at the top of his voice using abusive language against the General Manager and also threatened him with dire consequences. He along with others commanded that the chargesheet submitted against Shri Sanjib Kumar Sahney be withdrawn immediately. He also threatened that he would create problem in Mohuda Area and would not allow the General Manager to stay and function there. It was further stated that the General Manager and other officers tried to intervene and raising with the shouting workman but it was of no use and he started shouting still more loudly. Apart from that he instigated the staff to stop the work and gherao the Personnel Manager. He used unparliamentary language against the Personnel Manager and stated that he was a thief. In this way the office work remained paralysed for about 45 minutes. On the following day the concerned workman was issued with a chargesheet calling upon to explain his conduct. The workman concerned submitted his show cause which was found by the General Manager to be unsatisfactory and accordingly he was dismissed. In the circumstances it was contended that the Tribunal may please to reject the claim of the concerned workman and answer the reference in favour of the management.

6. At the very outset it may be mentioned that the domestic enquiry has been held to be fair, proper and in accordance with the principles of natural justice. Now the main question for consideration is whether the finding of the Enquiry Officer holding the concerned workman guilty was in consonance with the evidence on record and if so whether the punishment of dismissal as inflicted upon the concerned workman was justified.

7. I would also like to mention at this very stage that the domestic enquiry against the concerned workman was taken up ex parte. As many as 6 witnesses were examined on behalf of the management. Shri M. K. Sengupta has proved several documents which were produced during the course of enquiry on behalf of the management. MW-3 Shri D. C. Aggarwal General Manager, Mohuda Area has given a full account of the incident which took place on 12-2-83. He explained as to how the concerned workman Shri Kartik Prasad Singh abused him in filthy language. As stated the concerned workman was shouting and calling the General Manager Shri Aggarwal to come out of his office so that he may be taught lesson. The witness further stated that he along with another officer of the Area was threatened in various ways. The witness has reproduced highly objectionable and un-parliamentary words used against him by the concerned workman. The concerned workman shouted

"OFFICER LOGON KO BETI CHODO KE THIK KAR DO, INKI GAND MEN DANTA KAR DO" The witness stated that he tried to reason with the agitating workmen but he did not listen and on the other hand he instigated other co-workers to stop the work and gherao the Personnel Manager. The witness also stated that he was called that by the concerned workman. He was cross-examined but nothing was elucidated to disbelieve his credence. Here the most pertinent question arises as to why the witness holding such a high rank will assassinate his own character by narrating such a filthy language hurled against him by the concerned workman. This prima facie goes to show that actually the occurrence took place in the manner as stated by him.

8. Other witnesses namely Shri P. K. Roy, Dy. C.M.E., Shri Sudhakar Pandey, Project Officer, Shri K. Kumar, Personnel Manager, Mohuda Area and Shri S. C. Sinha, Sr. P.O. claimed to have seen the occurrence with their own eyes and they have fully corroborated the evidence of Shri Aggarwal, General Manager. They consistently stated as to how the concerned workman Shri Kartik Prasad Singh misbehaved with the General Manager, Personnel Manager and other officers and went to the extent of hurling filthy languages against them. Shri K. Kumar, the Personnel Manager in particular has repeated the same filthy languages as uttered by the concerned workman. He stated that the workman asked him as to why he had published the chargesheet against Shri Sahney in the paper. In the evidence it has been made clear that Shri Sanjay Kumar Sahney one of the employees was chargesheeted for the offence of fraud. The witness stated that the concerned workman was raising slogan as D. C. Agarwal Murdabad and other witnesses have also stated the number of occurrence without much contradiction. The witnesses are not expected to give parrot like statement and so minor contradiction in the evidence is but natural. The learned counsel for the workman contended at the bar that all the witnesses examined on behalf of the management before the Enquiry Officer were highly interested persons and so their testimony should not be relied upon. It was rightly pointed by the learned counsel for the management that independent witness cannot be manufactured. Since the occurrence took place in the premises of the Mohuda Area office and so other independent witnesses are not expected there. The contention raised by the learned counsel for the management appears to be correct.

9. I have examined the evidence of these witnesses as a whole. Virtually nothing has been shown to disbelieve their evidence. In the circumstances I am to conclude that the conclusion arrived at by the Enquiry Officer holding the concerned workman guilty of the charges was correct.

10. Now let us examine the quantum of punishment. The concerned workman has been dismissed from service. No doubt, the concerned workman had abused his officers but the punishment of dismissal appears to be quite harsh. In my view regard being had to the charges, permanent stoppage of one increment will meet the ends of justice and it is held accordingly.

11. The continuity of service is ordered to be maintained. But in the circumstances of the case I do not propose to give full back wages and other benefits if already accrued. However, I am inclined to give him half back wages from the date of dismissal to the date of reinstatement. The management is directed to reinstate Shri Kartik Prasad Singh the concerned workman on his original job with payment of half back wages from the date of dismissal to the date of his reinstatement within one month from the date of publication of the Award with stoppage of one increment for all times to come. As regards increment it will be the increment which will fall due after his reinstatement.

An award is passed accordingly.

B. RAM, Presiding Officer

[No. L-20012/207/85-D III (A)/IR (Coal-J)]

का. आ. 2501--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचना में, केन्द्रीय सरकार, मै. ईस्टर्न कोलफील्ड लि०. के कापसारा क्षेत्र की कुमार्धुबि कोलियरी के प्रबन्धन से संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण यं., धन

के पंचद को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार का 12-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2501.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kumardhubi Colliery of Kapasara Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd. and their workmen which was received by the Central Government on 12-9-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 28 of 1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kumardhubi Colliery of Kapasara Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. M. Prasad, Advocate.

For the Workmen—Shri L. N. Sharma, Joint General Secretary, Janta Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, the 22nd August, 1991

AWARD

By Order No. L-20012/177-83-D.III (A)/D.IV (A), dated, the 8th March, 1989, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) and sub-section (2-A), of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the demand of Janta Mazdoor Sangh for employment of the dependent of late Mangaram Manjhi, ex-Under Ground Loader of Kumardhubi Colliery of Kapasara Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd., Dhanbad, under clause 9.4.2 of the N.C.W.A. It is justified. If yes, to what relief is the workman entitled ?"

2. The case of the sponsoring union, Janta Mazdoor Sangh as appearing from the written statement, details apart, is as follows :—

Manga Ram Manjhi was working as an underground Loader in Kumardhubi Colliery of M/s Eastern Coalfields Limited, Kapasara Area, in permanent post. He worked for a long time and while he was continuing in service he died. Smt. Hopni Majhi, wife of the deceased, informed the management on 12-10-84 regarding the death of her husband. In support of her statement she filed a death certificate and also an affidavit. She was eligible to secure employment of her dependent son, Baneshwar Manjhi in accordance with the terms of settlement of N.C.W.A. She continued making representations to the management of M/s. E.C. Ltd., but her claim was not considered. After a lapse of more than one year and half, the management issued a chargesheet in a mechanical manner against Manga Ram Manjhi on the charge of misconduct and ultimately dismissed him from service. The action of the management in dismissing Manga Ram Manjhi after his death is a mala fide act on the part of the management. The action of the management is unjustified and unsustainable. It has been alleged that the management, in order to prevent the employment to the dependent son of Hopni Majhi, has issued the order of dismissal with an after thought, in view of the facts and circumstances the union has prayed that the Tribunal be pleased to pass an award directing employment of Baneshwar Manjhi, son of Manga Ram Manjhi from the date

of claim submitted by Smt. Hopni Majhiain and further relief as may be deemed fit and proper.

3. The case of the management of Kumardhubi Colliery, Kapasara Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd. as disclosed in the written statement-com-rejoinder, briefly stated, is as follows :

Mangaram Manjhi, underground Loader was an employee of Kumardhubi Colliery. He absented from duty from 2-9-84 without any sanctioned leave/permission of or information to the management. He absented from duty continuously for a considerable period from 2-9-84 which amounts to misconduct under the provision of Model Standing Order applicable to the Coal Mining Industry. Chargesheet was issued to him for commission of misconduct by letter dated 13/25-9-85. The said letter was addressed to Mangaram Manjhi to his home address as per Form 'B' Register with instruction to submit written reply or to physically present himself in the office within seven days from the date of issue of the letter. Mangaram Manjhi did not reply to the chargesheet issued to him nor did he appear personally as directed. Hence, another letter dated 23/26-11-85 was issued to his home address directing to appear before the enquiry to be conducted by the St. Personnel Officer, Kumardhubi Colliery with all evidence on 3-12-85. But Mangaram Manjhi failed to appear in the departmental enquiry; he also did not submit any written reply as called for. In the circumstances the enquiry was held ex parte. The letters issued to his home address were not received back in the Colliery. Since Mangaram Manjhi was found guilty of unauthorised absence and leave without permission and sufficient reasons for a long time from 2-9-84, the Enquiry Officer found him guilty of the charge misconduct. The General Manager, Kapasara Area of M/s. E.C. Ltd. approved dismissal of Mangaram Manjhi from service and a letter dated 24-1-86 was issued to him to his home address intimating him about termination of his service forthwith. After termination of his service he ceased to be an employee of the Colliery and so Clause 9.4.2 of N.C.W.A. III has got no manner of applicability in his case. The Agent, Kumardhubi Colliery by letter dated 24/27-8-85 replied to Hopni Majhiain that Mangaram Manjhi was dismissed from service from 28-1-86 due to his long unauthorised absence from duty and so the question of employment of the dependant as claimed did not arise.

4. In rejoinder to the written statement of the sponsoring union, the management has asserted that no information with regard to the death of Mangaram Manjhi was received by the management prior to issuance of the letter of dismissal. It is not correct that Mangaram Manjhi, while continuing in service, died and that Hopni Majhiain informed the management on 12-4-84 regarding the death of her husband. The alleged dependant is not eligible for securing any employment.

5. Admittedly, Mangaram Manjhi was working as underground Loader in Kumardhubi Colliery of M/s. E.C. Ltd. It has been alleged by the management that he was absenting from duty from 2-9-84 without any sanctioned leave or permission of or information to the management and that he continuously absented from duty for a considerable long period. It is the further case of the management that long absence from duty without any intimation or information to the management is a misconduct under Model Standing Order applicable to the Coal Mining Industry. Clause 17(i)(d) of Model Standing Order for Industrial Establishment in Coal Mines envisages that habitual late attendance and habitual absence without leave or without sufficient cause is a misconduct. The case of the management is that the chargesheet

dated 13/25-9-85 was issued to Mangaram Manjhi at his home address as available from Form 'B' Register for commission of misconduct of absenting from duty in an unauthorised manner and without any information to the management from 2-9-84. A photo copy of the chargesheet has been placed on record. It is the further case of the management that he was directed to show cause or physically present himself in office within seven days from the date of issue of the letter. It is the case of the management that he did not give reply to the chargesheet nor did he appear physically in the office. The management, it appears, again issued a letter dated 23/26-11-85 to his home address directing him to appear before the Enquiry Officer on 3-12-85 with all his evidence. It is the further case of the management that Mangaram Manjhi did not appear before the Enquiry Officer and the Enquiry Officer found him guilty of the charge of misconduct as alleged in the chargesheet. Thereafter the General Manager of the Area dismissed him from service by letter dated 24-1-86, a photo copy of the letter has been placed on record.

6. It is the case of the sponsoring union that Mangaram Manjhi died and his wife Hopni Majhiain informed the management of the fact of the death of her husband on 12-10-84 alongwith a death certificate and also an affidavit. But the union has failed to produce a copy of the letter dated 12-10-84 and also the death certificate and affidavit. This being the position it is obvious that the management was kept in the dark about the death of Mangaram Manjhi. The Union has not disputed that Mangaram Manjhi was absenting himself from duty. Naturally the management took disciplinary action against him and in the process, dismissed him from service after holding departmental enquiry.

7. The union has claimed that Hopni Majhiain claimed employment of her son Baneshwar Manjhi in place of her deceased husband. But there is not a whit of evidence to prove this fact. There is also no evidence that the widow of Mangaram Manjhi claimed employment for her son in place of her deceased husband before the management dismissed her husband from service.

8. Clause 9.4.1 of N.C.W.A. III envisages provision of employment to dependants of workmen. The relevant provision is gleaned hereinbelow :

"Employment would be provided to one dependant of workers disabled permanently and these who meet with death while in service and the dependant for the purpose means the wife/husband as the case may be, unmarried daughter, son and legally adopted son."

There is also provision for employment of other dependant if no such dependant as above is available for employment. This provision presupposes that the workman must be in service while he meets with death or is disabled permanently. There is no evidence on record to indicate that the management was aware of the death of Mangaram Manjhi before his services were terminated after departmental proceedings. This being the position, I cannot but conclude that the management was not aware of the death of Mangaram Manjhi before his services were terminated and consequently the claim of the sponsoring union for employment of the dependant of Mangaram Manjhi is not justified.

9. Accordingly, the following award is rendered—

the demand of Janta Mazdoor Sangh for employment of the dependant of late Mangaram Manjhi, Ex-Underground Loader of Kumardhubi Colliery of Kapasara Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd., Dhanbad, under Clause 9.4.2 of N.C.W.A. III is not justified.

In the circumstances of the case, I award no cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-20012/177/88-D.III (A)/DIV(A)/IR (Coal-I)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

Govt. in the case of the workman/petitioner is the Central Govt. and the remedy under Section 2-A(2) is an Enactment by the State Government and it is not applicable to the workman/petitioner since the appropriate Govt. in the case of workman/petitioner is the Central Govt. The management further requested the Hon'ble Labour Court to decide the preliminary issue with regard to the maintainability of the petitioner filed by the workman/petitioner before going into the merits of the case. The Hon'ble Labour Court while deciding the preliminary issue with regard to the maintainability of the petition under Section 2-A(2) of the I.D. Act, held that the petition is not maintainable since the appropriate Govt. in the case of the workman/petitioner is the Central Govt. and further held that the workman/petitioner cannot approach this Hon'ble Court directly under Section 2-A(2) of the I.D. Act without recourse under Section 10 of the Industrial Disputes Act. In view of the above, the workman/petitioner raised an Industrial dispute under Section 2-A of the I.D. Act before the Asst. Commissioner of Labour (Central), Vijayawada. Thereafter, the Assistant Commissioner of Labour (Central) admitted the matter into conciliation on 30-1-1990 and the workman/petitioner as well as the management/respondent participated in the conciliation meeting. The said conciliation ended in failure on 30-1-1990. The Conciliation Officer vide letter No. 3/3/89-ALC: VZA dated 3-1-1990 sent the failure report to the Secretary to the Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi. The Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi referred the following dispute for adjudication to this Hon'ble Court vide their letter dated 22-3-1990 :—

"Whether the action of the management of M/s. Andhra Cement Company Ltd., Vijayawada in terminating the services of Sri G. Mallikarjuna Rao, Ex. Temporary Electrician w.e.f. 9-6-1987 is justified. If not, what relief is the workman entitled to?"

This Hon'ble Court was pleased to number the said Industrial Dispute as I.D. No. 18 of 1990 and directed the workman/petitioner to file his claim statement. Hence the present claim statement. The workman/petitioner was not issued neither one month's notice nor wages in lieu of notice period or compensation before the termination of his services as per Section 25(F) of Industrial Dispute Act. Therefore, the termination of the workman/petitioner is void ab initio, illegal and is liable to be set aside. The action of the management/respondent in terminating the services of the workman/petitioner is bad in law, opposite to the principles of natural justice and fair play. The workman/petitioner was not paid any terminal benefits as required as per the provisions of the Industrial Disputes Act, payment of gratuity Act etc. Therefore, the action of the management/respondent in terminating the services of the workman/petitioner herein is bad in law. It is respectfully submitted that several employees who are juniors to the workman/petitioner herein, are continued with the management/respondent company at various units. The action of the management/respondent in terminating the services of the workman/petitioner is nothing but victimisation and an unfair labour practice. The workman/petitioner is entitled for the salary of Grade-B with effect from the date of his appointment as per the Cement Arbitration Award. The workman/petitioner herein respectfully submits that he made honest efforts to secure alternative employment, but could not succeed. The workman/petitioner has been kept under force unemployment on account of the illegal and arbitrary action of the management/respondent. It is, therefore, prayed that this Hon'ble Court may be pleased to set aside the oral termination order passed by the management/respondent and pass an award directing the management/respondent to reinstate the workman/petitioner herein into service with full back wages, continuity of service and other attendant benefits and grant such other and further reliefs as this Hon'ble Court may deem fit and proper in the circumstances of the case. It is also further prayed that this Hon'ble Court may be pleased to direct the management/respondent to put the workman/petitioner herein in Grade-B from the date of his appointment and pay the salaries that is applicable to Grade-B employees and pass such other and further order or orders

as this Hon'ble Court may deem fit and proper in the circumstances of the case.

3. The averments of the counter filed by the Respondent read as follows :

It is submitted that the Respondent has gone through the claim statement filed by the workman and has understood the contents therein. It is submitted that all the averments made therein are incorrect and are denied. The respondent begs to submit further as follows : It is incorrect to say that the petitioner have been appointed on 7-6-1980 as an Electrician in the Mines Union of the Respondent Industry situated at Nedikudi. It is incorrect to say that since then he worked continuously upto 7-6-1987 without any break or interruption in service. The petitioner was engaged in the Mines of Nedikudi as a temporary Electrician on casual basis whenever the regular workman were absent from 1-10-1982. During the period 1982 and 1983 he worked during the months of October, November and December of 1982 and in January, February, March and April in 1983. The mines at Nedikudi were closed w.e.f. 1-7-1983 and the respondent has entered into a settlement under Sec. 12(3) of the Industrial Dispute Act with the recognised union on 28-5-1983 where under the badli labours have been transferred to Jayanthipuram Mines vide Office Order dt. 28-6-1983. The petitioner herein is also a badli worker and accordingly along with the other badli worker he was also transferred to the Jayanthipuram Mines w.e.f. 1-7-1983. The petitioner never objected to this action of the Respondent and he accepted the same. In reply to Para-5 of the claims statement it is submitted the petitioner is not entitled for Grade-B category as claimed by him. He is only a badli workman from beginning as his services were utilised only in the place of regular employees who could not attend the duties due to absence, leave etc. It is incorrect to say that under the Cement Arbitration Award he is entitled for B-Grade. The respondent has never placed the petitioner even in Grade-C as he is not entitled to any grade as he is not a regular employee but only a badli. However he was paid the salary in Grade-C as the same is the minimum pay payable to any one under the Cement Arbitration Award. It is submitted that during the year 1987 the Management of the respondent company found the working results of the Vijayawada Unit as extremely uneconomical and that the company is incurring losses and it is not possible to make the unit viable by any means. The management has decided to close down the entire unit. However due to the representation of the unions and keeping in view the advice of the Dy. Commissioner of Labour, Eluru, the management agreed to convert the unit into a Grinding Plant so that a large number of employees can be continued in service. A memorandum of settlement under Sec. 12(3) of the Industrial Disputes Act has been entered into between the Management respondent company and the recognised union where under the Vijayawada Unit has been converted into a grinding plant. The union has accepted for closer of all the units upto Clinker Production. A scheme of voluntary retirement has been framed as suggested by the Union under which the regular employees were paid compensation. The Union has agreed for the abolition of the Badli, Casual Labour and Civil Labour lists in view of the closer of Clinkering Unit. The Badli and casual labour were paid compensation on the basis of the number of years worked by them. The settlement above mentioned has been given effect by the notice of the respondent company dated 15th June, 1987 whereby the Badli and Casual Labour have been invited for settling their accounts on or before 22-6-1987. All the Badli and Casual Labour have come forward and settled their accounts by receiving the compensation offered by the management as per the settlement. It is submitted that the petitioner did not approach the management of the respondent company for receiving the compensation as per the settlement mentioned above. It is submitted that there is no termination of the services of any badli or casual labour by the management but those lists were abolished only in accordance with the terms of settlement. In reply to the averments at para 6 of the claim statement it is stated that the petitioner was

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1991

का.आ. 2502.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, श्री. आन्ध्रा सीमेंट कम्पनी लि. विजयवाड़ा, के प्रबन्धन के संबंध नियोक्तों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद के पंचवट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-9-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 10th September, 1991

S.O. 2502.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Andhra Pradesh, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Andhra Cement Company Ltd., Vijayawada and their workmen, which was received by the Central Government on the 9-9-91.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

Sixteenth day of August nineteen hundred ninety one
Industrial Dispute No. 18 of 1990

BETWEEN :

The workmen of Andhra Cement Company Limited.,
Vijayawada (AP). ..Petitioner.

AND

The Management of M/s. Andhra Cement Company
Limited, Vijayawada (AP). ..Respondent.

This case is coming for final hearing before me in the presence of M/s. M. Radha Krishna Murthy, P. A. V. Bala Prasad, G. Elisha and Smt. Mitra Dass Advocates for the petitioner-workmen and M/s. Vedula Srinivas, B. H. Ravi and N. U. Sharma, Advocates for the Respondent-Management and upon perusing the material papers on record and having stood over for consideration till this day, the Court passed the following :—

AWARD

This is a reference made by the Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-29012/13/90-IR(Misc.) dt. 22-3-1990 for adjudication of the dispute between the Management of M/s. Andhra Cement Company Ltd., Vijayawada and their workmen setting forth the point for adjudication in the schedule appended thereto as follows :—

“Whether the action of the management of M/s. Andhra Cement Company, Vijayawada in terminating the services of Sri G. Mallikarjun Rao, Ex. Temporary Electrician with effect from 9-6-87 is justified? If not, what relief is the workman entitled to?”

The said reference was registered as Industrial Dispute No. 18 of 1990 on the file of this Tribunal. After receiving the notices, both parties put in their appearance and the petitioner-workmen filed the claim statement on 11-7-1990 and the respondent filed the counter on 15-2-1991.

2. The averments of the claim statement filed by the petitioner-workman read as follows :—

It is respectfully submitted that the workman petitioner had been appointed on 7-6-1980 as an Electrician in the Mines units of the Management/Respondent Industry which is situated at Nadikudi, Guntur District, A. P. The workman/petitioner worked with the management/respondent from 7-6-1980 till the date of termination of his services i.e.

7-6-1987 (for more than 7 years) at various places of Andhra Cement Company Ltd., continuously without any break or interruption in service. The workman/petitioner worked at Nadikudi unit of A. C. C. Ltd., from 7-6-1980 upto February, 1984 continuously without any break. Later on the workman/petitioner has been transferred to Jayanthipuram Mines Unit of A.C.C. Ltd., Vijayawada and the workman/petitioner worked there till the date of his termination i.e. 7-6-1987 continuously without any break. The workman/petitioner discharged his duties to the entire satisfaction of his superiors without any blemished record. The petitioner/workman is entitled for Grade-B category as per his qualification, and length of service as prescribed under Cement Arbitration Award under Section 10(A) or I.D. Act, which came into force w.e.f. 1-1-1982. As per the said Award, the management/respondent while appointing the workman/petitioner should put him in Grade-B at the time of appointment itself, whereas the management/respondent put the workman/petitioner in Grade-B at the time of appointment and the workman/petitioner subsequently put in Grade-C w.e.f. 1986. The workman/petitioner was drawing salary of Rs. 1329.00 per month to be paid to Grade-C as per the recommendation of the Wage Board. The petitioner/workman was covered under the Employees Provident Scheme from 1983 and the Provident Fund Authorities have allotted code number to the workman/petitioner herein as 1160. While the matter stood thus, on 8-6-1987 the Dy. General Manager of Jayanthipuram Mines Unit of the A.C.C. Ltd., informed the workman/petitioner herein that there is no work at that time. The said Deputy General Manager forced the workman/petitioner to go on leave for a period of 1 and 1/2 months or else the petitioner/workman was informed by the management/respondent that his services shall be terminated failing to proceed on leave as per the advice of the Management/Respondent. Accordingly, the workman/petitioner herein proceeded on leave for a period of 1 and 1/2 months. After expiry of the leave, the workman/petitioner reported for duty on 7-6-1987 at Jayanthipuram Mines Units of the Management/Respondent. The Dy. General Manager of the Jayanthipuram Mines Unit of the management/respondent company restrained the workman/petitioner herein from resuming duty and the workman/petitioner was informed by the said Dy. General Manager that the services of the workman/petitioner were terminated w.e.f. 7-6-1987. The workman/petitioner was not issued with any termination order in writing. When the workman/petitioner asked the said Dy. General Manager of the Jayanthipuram Mines Unit of the management/respondent Company as to why his services were terminated, the said Dy. General Manager promised the workman/petitioner herein that he shall provide a job in any one of the Units of M/s. A.C.C. Ltd., as early as possible. But, he did not do so. Having waited for nearly 3 months, the workman/petitioner issued a Registered Notice to the Management/respondent stating that the termination is unjustified, illegal, opposite to the principles of natural justice and bad in law and thereby the workman/petitioner requested the management/respondent to re-instate him with back wages. The management/respondent replied to the said notice vide their letter No. Personnel/10/87/8 dated 8-10-1987 and requested the workman/petitioner to call on them on any working day. Accordingly, the workman/petitioner called on the management/respondent and once again requested the management/respondent to re-instate him with full back wages. Whereas, the management/respondent, instead of reinstating the workman/petitioner, forced the petitioner to sign on blank papers or to tender resignation. The petitioner/workman refused to do so. It is respectfully submitted that the workman/petitioner having disgusted with the attitude of the management/respondent, raised industrial dispute under Section 2-A(2) of the Industrial Disputes Act before the Hon'ble Labour Court at Guntur. The management/respondent in their rejoinder before the Hon'ble Labour Court contested that the workman/petitioner cannot approach the said Hon'ble Court under Section 2-A(2) of the Industrial Disputes Act since the workman/petitioner is a workman, employed in Mines, and the appropriate Government in the case of the workman/petitioner is the Central Govt. but not the State Govt. The management/respondent further stated that the workman/petitioner cannot seek any remedy under Section 2-A(2) of the I.D. Act. since the appropriate

never asked to go on leave for a period of 1 1/2 months or else his services shall be terminated. In fact, there was no such need for the management in view of the terms of the settlement and in view of the fact that all the casual and badli labour except the petitioner have settled their accounts. The allegation that the petitioner proceeded on leave for 1 1/2 months at the advice of the Deputy General Manager is false and concealed. The further allegation that he was restrained from reporting to duty after the leave of 1 1/2 months is also false. There is no need to issue separate termination order in view of the terms of the settlement. The averments regarding the notice being issued by the petitioner and the reply given by the Management are matters of record and need not be traversed. The question of reinstating the petitioner does not arise as the Unit itself has been closed and all similarly situated workmen have settled their accounts. It is not also possible for the respondent to re-open the said unit in the near future. The averments at para 7 of the claim statement do not require any comment as they are borne on record. In reply to the averments at para-8 it is submitted that it requires no comment. In reply to para-10 it is submitted that the abolition of Badli and casual labour has become inevitable in view of the closer of the Unit itself. Further the same was done under a settlement entered into under Section 12(3) of the Industrial Disputes Act in the presence of the Conciliation Officer. The said settlement is binding on all the workmen whether they are members of the said union or not. Thus the terms of the settlement are binding on the petitioner also and accordingly he is entitled for compensation only and the respondent is always prepared to pay the same. There is no termination of the services of the petitioner and the instant case does not fall under section 25(f) of the I.D. Act. There is no need to pay compensation or any other benefit under the I.D. Act. It is incorrect to say that the juniors of the petitioner are continued in the other units. It is reiterated that the petitioner is not entitled for Grade-B. The petitioner has been gainfully employed since July, 1987 as reliably learnt by the Respondent. It is submitted that the reference made by the Government to this Hon'ble Tribunal itself is invalid and illegal as the issue is covered by a settlement validly entered under Section 12(3) of the I.D. Act. It is not open to an individual workman to claim benefits beyond the settlement and the validity of the reference may be adjudicated by this Hon'ble Tribunal as a preliminary issue. In view of the above, it is submitted that the petitioner is not entitled to any relief much less the relief of reinstatement with full back wages and hence the I.D. may be dismissed with costs.

4. While the matter stood posted for enquiry, both the parties filed a joint memo of compromise and the compromise was recorded in the interest of keeping peace and harmony in the industry and good relationship between the Management and the workman. In view of the compromise entered into by both the parties and the joint memo filed by both the parties, I am of opinion that there is no need to pass an award on merits in this case and an award is to be passed in terms of the compromise.

5. In the result, an award is passed in terms of the compromise holding that the petitioner is not entitled for any relief in this case. The joint memo of compromise filed by both the parties is appended to this Award

There will be no order as to costs.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 16th day of August, 1991.

Appendix of evidence

NIL

G. KRISHNA RAO, Industrial Tribunal
[No. L 29012/13/90-IR(Misc.)]

BEFORE THE HON'BLE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
HYDERABAD

I.D. No. 18 of 1990

BETWEEN :

G. Mallikarjuna Rao.

.Petitioner.

AND

Management of Andhra Cements Limited. . .Respondent.

Joint Memo of Compromise filed by the Workmen & Management.

It is submitted that the above case was filed by the Petitioner herein seeking relief of reinstatement against the Respondent herein. However pending the above case, the Petitioner herein got the matter settled out of court between himself and the Respondent herein. It has been therefore decided by the Petitioner to withdraw his claim in this case as he is no longer interested in it.

It is therefore prayed that this Hon'ble Court may be pleased to pass an award in I.D. No. 18/90 holding that the Petitioner is not entitled for any relief in this case as the matter is compromised out of court by both Parties.

Hyderabad

Dated :

Sd/-

Counsel for

Respondent.

G. MALLIKARJUNA RAO, Petitioner.

Sd/-

Counsel for Petitioner.

नई दिल्ली 11 सितम्बर 1991

का. घा. 2503.- औद्योगिक विवाद प्राधनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में, केन्द्रीय सरकार, मथुरा रिफाइनरी मथुरा के प्रबन्धन के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली, के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-9-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 11th September, 1991

S.O. 2503.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mathura Refinery, Mathura and their workmen, which was received by the Central Government on 11-9-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I. D. No. 41/91

In the matter of dispute

BETWEEN

Devi Ram and others through The General Secretary, Indian Oil Mathura Refinery Karamchhari Sangh, Mathura-281001.

Versus

The Executive Director, Mathura Refinery, Mathura-281001.

APPEARANCES :

None.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour, vide its Order No. L-30011/19/90-IR (Misc.) dated 4th April, 1991 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether Executive Director Mathura Refinery Mathura was justified in not providing employment to the widows to four deceased employees namely S/Shri Devi Ram, R. B. Agrawal, Babco Lal and Amar Singh, in terms of para 14-1-1 of L.T.S. 1979. If not what relief the widows were entitled to?"

2. The Management in this case filed a letter stating therein that the original workmen widows were given the appointment and they had already joined their duties. The letters Ex.

M-1 to this effect had been filed by the Management which shows the names of the dependents and the dates of their joining as follows :

Name of the Dependent	Date of joining
Smt. Usha Rani	1-7-1991
Smt. Tara Devi	1-7-1991
Shri Ninna Ram	2-7-1991
Smt. Bimlesh Agarwal	15-7-1991

3. In view of this, the reference has become infructuous and as the dependents/widows of the four deceased employees have already been given employment about whom this reference was made. In view of this situation parties are left to bear their own costs.

4th September, 1991.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer
[No. L-30011/19/90-IR (Misc.)]

का. शा. 2504--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार, सेंट्रल वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंधन के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्वय में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के संवद्ध को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2504.--In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Warehousing Corporation, Bhopal and their workmen, which was received by the Central Government on 10-9-1991.

ANNEXURE

BEFORE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT (JABALPUR, (M.P.)

Case No. CGIT/LCR(121)/1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Central Warehousing Corporation, Bhopal and their workman, Shri Brijmohan Batham, Ex-Chowkidar, S/o Shri Prem Narain Batham, House No. 24, Bhojpura, Budhwara, Bhopal (M.P.)

APPEARANCES :

For Workmen—None.

For Management—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Ware Housing Corporation

DISTRICT : Bhopal (M.P.)

AWARD

Dated, the 3rd September, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-42012/13/89-IR (Vividh) dated 2-5-1990, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Regional Manager, Central Warehousing Corporation, Bhopal in dismissing Shri Brijmohan Batham, ex-Chowkidar from service vide their Office Order dated 3-11-86 is justified. If not, what relief is the workman entitled to ?”

2. In spite of several notices issued to the parties neither party filed their respective statement of claim in this case.

3. This case was registered on 14-5-90 but nobody ever appeared on behalf of the workman despite repeated notices. Therefore, it appears that the workman has no interest in the case. No Dispute Award is therefore passed. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-42012/13/89-IR (Misc.)]

का. शा. 2505.--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार, न्यू मंगलोर पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधन के संवद्ध और उनके कर्मचारों के बीच अन्वय में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बंगलूर के संवद्ध को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2505.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of New Mangalore Port Trust and their workmen, which was received by the Central Government on 10-9-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated, this the 26th day of August, 1991

Central Reference No. 27 of 1989

I PARTY :

Shri M. Chandu, represented by General Secretary, New Mangalore Port Staff Association NMPT Administrative Office Building, Panambur, New Mangalore-575010.

(By Shri Channakeshava, General Secretary of NMPSA)

Versus

II PARTY :

The Chairman, New Mangalore Port Trust, Panambur, New Mangalore-575010.

(By Shri K. S. Bhat, Advocate for II Party)

AWARD

In this reference No. L-45012/1/88-D.III (B) dated 16-3-1989 made by the Hon'ble Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and Sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the point for adjudication as per Schedule to reference is :—

“Whether the management of New Mangalore Port in justified in denying promotion to Shri M. Chandu, Shovel Operator Grade-II to the post of Shovel Operator, Grade-I w.e.f. 1986. If not, to what relief the said workman is entitled to ?”

2. As per the claim statement filed on 10-5-1989, the case of the I Party is :—

The I Party workman M. Chandu was appointed by the II Party to the post of Shovel Operator Grade-II with effect from 23-3-1983. Another employee K. Nonayya was also appointed with effect from 23-3-1983. The I Party was shown at Sl. No. 1 and K. Nonayya at Sl. No. 2. In the seniority list also circulated in 1984 the I Party M. Chandu was shown at Sl. No. 1 and the K. Nonayya at Sl. No. 2.

3. During April 1986 promotion of Shovel Operator Grade-II as Shovel Operator Grade-I was accorded by the management. But Nonayya was promoted as Shovel Operator Grade-I. The order is dated 11-4-1986. Aggrieved by this order promoting Nonayya Grade-I the I Party gave a representation dated 4-10-1986 to cancel the promotion of Nonayya and to promote the I Party as Shovel Operator Grade-I. Since the I Party was senior to Nonayya in Grade-II. But this representation proved fruitless. The Post of Shovel Operator Grade-I is classified as non selection post for the purpose of promotion, here was no justification to promote Nonayya when the I Party Chandu was senior. The I Party could not have been denied the promotion. The denial of promotion to I Party is illegal. The I Party

Chandu has not been declared as unfit for promotion at the time Nonayya was promoted. The I Party has been deprived of his rightful promotion, as Shovel Operator Grade-I with effect from 11-4-1986. Hence an award has to be passed directing the II Party management to promote Chandu as Shovel Operator Grade-I with effect from 11-4-1986, before promoting his junior K. Nonayya. The I Party is entitled to monetary and other consequential benefits.

4. In the counter statement the II Party has contended :—

The Staff Selection Committee interviewed 5 candidates for appointment as Shovel Operators Grade-II. After evaluation, they found that the following 3 were suitable for regular appointment in the order of merit as Shovel Operators Grade-II.

1. Shri Nonayya
2. Shri M. Chandu
3. Shri Danis D'Souza.

5. The said recommendations of the Staff Selection Committee were accepted by the Chief Engineer and Administrator and appointment orders were ordered to be issued. But while issuing the appointment orders the Secretary, by mistake, showed the I Party Chandu at Sl. No. 1 while Nonayya was shown at Sl. No. 2, the order of merit was otherwise in the rank assigned by the Staff Selection Committee.

6. In the year 1986 one vacant post for Shovel Operator Grade-I was arose. The said post was to be filled up by promotion by non-selection method from the Shovel Operator Grade-II with 3 years of service in the post. The aforesaid three employees were eligible for promotion. At that stage it was noticed that Shri K. Nonayya though No. 1 in the order of merit for the selection to the post of Shovel Operator Grade-II, was shown at Sl. No. 2 while issuing the appointment order as Shovel Operator Grade-I and in the Seniority List as on 1-7-84. Therefore, it was clear that Shri Nonayya was senior to Shri M. Chandu I Party workman.

7. As per General Principle-4 contained in the Annexure to the Government of India, Ministry of Home Affairs, O.N. No. 9-11/55-RPS dated 22-12-1959 the determination of the seniority of persons appointed to various posts shall be determined by the order of merit in which they are selected for such appointment. The seniority is on the basis of the order of merit in which the candidates are selected.

8. The error, while issuing the appointment orders showing by mistake the I Party Chandu as senior to Nonayya was noticed at the time of considering of promotion to the post of Shovel Operator Grade-I. The II Party decided to rectify that error and accordingly Nonayya was ordered to be promoted as he was senior to I Party among Shovel Operators Grade-II. The contention of the I Party that he should have been promoted and not Nonayya is not valid. The II Party was entitled to correct its mistake. The promotion of K. Nonayya was and is legal and proper. The reference has to be rejected.

9. Since the point for adjudication is covered by the schedule to the reference, this Tribunal has not framed any separate issue (Order Sheet dated 6-11-90).

10. On behalf of the management MW-1 Assistant Secretary, NMPT has been examined.

11. Mr. Channakeshava, Union leader who represents the I Party Chandu has closed the I Party's case without adducing evidence. Mr. Channakeshava, it is obvious, has relied on the position in law and the documents got marked through MW-1.

12. Exhibit M-6 is the zerox copy of the order appointing the I Party M. Chandu as Shovel Operator Grade-II. Exhibit M-6 is dated 31-5-1979. The I Party Chandu has been appointed in the year 1979. The clear case of the I Party is that he and Nonayya were appointed, he was placed senior to Nonayya. So when promotion was made to the post of Shovel Operator Grade-I I Party should have been promoted to that post, and not Nonayya as has been done.

13. It is not disputed that the I Party Chandu was otherwise fit to be promoted, but at the time of appointment to the post of Shovel Operator Grade-II, Nonayya was placed above Chandu. The further case of the II Party is that there was a mistake in showing Chandu as senior to Nonayya and this mistake was corrected at the time of promoting to the only vacancy of Grade-I. The Tribunal has to see whether this stand of the II Party can be accepted.

14. MW-1 K. S. Chandrasekhar who is the Assistant Secretary, New Mangalore Port Trust (NMPT) who has been examined on behalf of the II Party has not stated unequivocally in his evidence that there was a mistake in showing the I Party Chandu as senior to Nonayya when they were appointed to Grade-II Shovel Operators. Exhibit M-1 is the zerox copy of the Staff Selection Committee proceedings dated 12-2-1979. Exhibit M-1 shows that three persons were appointed to the post of Shovel Operators Grade-II. Exhibit M-1 (a) says that, having perused "aforesaid notes" and verified the experience of various candidates and after verifying the service records and experience, the Staff Selection Committee recommended the following three candidates might be appointed on regular basis in order of merit as Shovel Operator Grade-II.

- (1) Shri Nonayya
- (2) Shri M. Chandu
- (3) Shri Danis D'Souza.

It is on the strength of Exhibit M-1 (a) that it is argued by the learned counsel for the II Party that at the time of initial appointment to Grade-II Nonayya was senior to I Party M. Chandu. The point for consideration is whether this argument holds water.

15. The II Party cannot be allowed to take shelter under Exhibit M-1 (a) because the I Party was not aware of it. Moreover, Exhibit M-1 (a) says that the "aforesaid Notes" and other verifications were made. What is this aforesaid notes is not clear. It is highly probable that in this zerox copy something has been kept back from the Tribunal. I say this because that exhibit M-1 in which exhibit M-1 (a) appears has been marked subject to production of the original. But the original has not been produced.

16. If there was really a mistake in showing I Party Chandu as senior to Nonayya, I am sure, separate proceedings would have been issued long ago, instead of the II Party taking up the stand at the time of promotion to Grade-I that by mistake Chandu was shown senior to Nonayya.

17. Exhibit M-2 is the zerox copy of the Minutes of the Departmental Promotion Committee (D.P.C.) meeting held on 25-3-1986 to select a suitable candidate to the post of Shovel Operator Grade-I. This shows that in the eligibility list for Grade-I Shovel Operator, I Party has been shown senior to Nonayya. This further shows that D.P.C. perused the C.R. dossiers of all the eligible candidates and recommended promotion of I Party Chandu, Shovel Operator Gr. II for the post of Shovel Operator Grade-I. At page 2 of Exhibit M-2 the D.P.C. has clearly stated that the Chairman may kindly accept the above recommendation to promote Chandu to Grade-I. But subsequently at page 2 what is found below the recommendation by the D.P.C. to the Chairman is :

"Discussed with the Chairman.

In the original selection to the post of Shovel Operator Gr. I the seniority list was as under :

1. Shri K. Nonayya
2. Shri M. Chandu
3. Shri Denis D'Souza.

As such, Shri K. Nonayya may be recommended for the promotion to the post of Shovel Operator Gr. I."

If this portion "Discussed with the Chairman" is to be believed the argument advanced on behalf of the II Party is unexceptionable. But it is not clear why the Chairman altered the rank given by the D.P.C. while promoting to Grade-I. There is no convincing material why the Chairman recommended Nonayya for the post of Grade-I while the D.P.C. recommended Chandu to Grade-I. Added to this, the II Party has not produced the original zerox copy of exhibit M-2. The zerox copy of exhibit M-2 has been

marked subject to production of original. I am unable to accept the argument advanced on behalf of the II Party that the mistake was corrected by the Chairman.

18. Exhibit W-7, has been admitted by MW-1 in cross-examination. Exhibit W-7 is dated 7-10-1983. Exhibit M-7 shows the order of confirmation of employees against the permanent post of Shovel Operator Grade-II. Exhibit W-7 shows that at the time of confirmation in the Shovel Operators Grade-II the I Party was shown at Sl. No. 1 and below him at Sl. No. 2 Nonayya was shown. It is the argument by the learned counsel for the II Party that this is a mistake. The argument is too big a pill to swallow.

19. Exhibit W-8 is another document which clinches the matter in favour of the I Party. Exhibit W-8 is the true extract of the seniority list as on 1-7-84 in respect of I Party Chandu and Nonayya. Exhibit W-8 has been admitted by MW-1. Exhibit W-8 clearly shows that I Party Chandu was at Sl. No. 1 and Nonayya was at Sl. No. 2 in the seniority list.

20. The Hand Book for Personnel Officers "Department of Personnel and Administrative Reforms, Cabinet Secretariat, New Delhi 1975 dealing with the seniority in Civil Posts says at page 219 that "where persons recruited initially on a temporary basis are confirmed subsequently in an order different from the order of merit indicated at the time of their appointment, seniority shall follow the order of confirmation and not the original order of merit." Granting for a moment, without conceding that there was a mistake in showing Chandu as senior to Nonayya at the time of appointing to Grade-II, it does not affect the I Party Chandu because in the confirmation order Exhibit W-7, he has been shown senior to Nonayya.

21. Exhibit W-7 and W-8 knock the bootom out of the case of the II Party. When the order of confirmation shows that Chandu at Sl. No. 1 and Nonayya was at Sl. No. 2 and when the seniority list shows that Chandu was at Sl. No. 1 and Nonayya was at Sl. No. 2, the I Party Chandu had to be promoted at the time Nonayya was promoted to Grade-I. I have already stated that it is not disputed that Chandu's record shows that he was eligible to be promoted to Grade-I.

22. For the aforesaid reasons, I am of opinion that the I Party Chandu was entitled to be promoted at the time Nonayya was ordered to be promoted on 11-4-1986 as per Exhibit W-11. According to the reference has to be accepted and the I Party has to be granted the reliefs prayed for.

23. MW-1 Assistant Secretary, New Mangalore Port Trust, Mangalore (NMPT) was examined on 6-11-1990. He has stated in his evidence that Nonayya died 15 days ago. At the time of arguments it was submitted that Nonayya died on 28-10-1990. It is also submitted that the vacancy of Shovel Operator Grade-I caused by the death of Nonayya is still vacant. So there cannot be any difficulty in promoting I Party—M. Chandu to Grade-I Shovel Operator. Nature has solved the problem involved in this reference. On this score also the reference has to be accepted.

24. All other documents and evidence not referred to by me are not relevant. In any case they do not alter my conclusions reached above.

25. In the result, I pass the following :—

ORDER

The II Party management is directed to promote the Party—M. Chandu as Shovel Operator Grade-I with effect from 11-4-1986. The I Party is entitled to all monetary benefits with effect from 11-4-1986 consequent on this promotion to Grade-I.

Reference is accepted as stated herein.

Award passed accordingly.

(Dictated to the Secretary, taken down by him, got typed and corrected by me.)

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

[No. L-45012/1/88-D.III (B)]

का. आ. 1506.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रिय सरकार, इण्डियन एयरलाइन्स भुवनेश्वर के प्रबन्धकों के संबद्ध नियोक्तियों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण भुवनेश्वर के पञ्चपट्ट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रिय सरकार को 10-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2506.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bhubaneswar and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th September, 1991.

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR
Industrial Dispute Case No. 11 of 1989 (Central)
Dated, Bhubaneswar, the 30th August, 1991

BETWEEN

The Management of Indian Air Lines, Bhubaneswar.
...First Party—Management.

AND

Their workman Sri Rabi Narayan Sahu, C/o Mujibur
Raheman, Advocate, At Nageswar Tangi, P.O. Bhubaneswar-2, District Puri.
...Second Party—Workman.

APPEARANCES :

(1) Sri R. N. Majumdar & (2) Sri J. B. Patnaik, Advocates—For the First Party—Management.

Sri A. K. Mohapatra, Advocate—For the Second Party—workman.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred upon them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) (hereinafter referred to as the 'Act') and by their Order No. L-11012/8/89-IR (Misc.) dated 6th June, 1989 have referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :—

"Whether the action of the management of Indian Air Lines, Bhubaneswar in terminating the services of Shri R. N. Sahu, Driver w.e.f. 23rd July, 1988 is justified. If not, what relief is the workman entitled to?"

2. Briefly stated the case of the workman is that on 8th June, 1987 the Management appointed him as a driver on daily wage basis against an existing vacancy consequent upon the retirement of one Narayan Patra. Subsequently, his wage was enhanced to Rs. 35 per day. He worked continuously till 23rd July, 1988 on which day the Management terminated his service by a verbal order. So he raised a dispute before the Asstt. Labour Commissioner who initiated a conciliation proceeding. Before him it was urged by the Management that the workman was engaged from 8th June, 1987 to 31st October, 1987 and from 1st November, 1987 his service was procured through a travel agent, namely, M/s. Jet Tours. However, while filling of the post of the driver by regular appointment through interview, the case of the workman would be considered if his name was sponsored by the employment exchange. Believing the version of the Management the workman though got his name sponsored through employment exchange but was not allowed to appear the interview. It is further pleaded by the workman that he having worked continuously for a period of 410 days, termination of his services by the management is illegal and violative of the principles of natural justice. In addition to it, he also urged that the management while putting an end to his service by way of termination/retracement did not comply with the mandatory provisions of Section 25 of the Act. Hence, he prays that the action of the management, as aforesaid, being illegal he should be reinstated in service with full back wages.

3. The Management, on the other hand, challenging the maintainability of the present reference has pleaded that the workman was employed as a driver on daily wage basis from 8th June, 1987 to 31st October, 1987. Thereafter the management entered into a contract with M/s. Jet Tours, a travel agent for engaging a driver. Accordingly, M/s. Jet Tours engaged the workman as a driver to drive the vehicles of the Management. However, to fill up the post of the driver permanently, vacancy was notified to the local employment exchange which sponsored the names of some candidates including the name of the present workman but in the interview the workman though appeared but was not found eligible as because he had no requisite educational qualification as well as five years' experience in driving heavy vehicles. So, by not possessing the requisite qualification and experience as stated above he can not claim for absorption in the service on regular basis merely because he had worked for some time on daily wage basis. It is further pleaded by the management that the workman having not worked continuously for a period of 240 days in a year he can not claim as a matter of right to be absorbed in the said post on regular basis.

4. In view of the pleadings of the parties, the following issues are settled :--

ISSUES

- (1) If the reference is maintainable?
- (2) If the second party--workman was engaged as a driver by the first party--management and worked as such from 6th August, 1987 till 22nd July, 1988?
- (3) If the alleged termination of employment of the second party driver with effect from 22nd July, 1988 is justified?
- (4) To what relief, if any, the second party--workman is entitled?

5. The learned counsel appearing for the management who argued the case at length submitted that provisions of Section 25 of the Act are not attracted as because the workman had not worked under the Management continuously for a period of 240 days in a year. To be more specific, he urged that the total period of employment of the workman by the management was 146 days whereafter his service was procured through a travel agent, namely, M/s. Jet Tours and therefore, he cannot be said to have worked continuously for 240 days being directly engaged by the management. In the circumstance, provisions of section 25-F of the Act are not attracted and hence the action of the Management terminating the services of the workman can not be said to be illegal and unjustified. His next contention is that the provisions of Contract Labour (Regulation & Abolition) Act, 1970 do not apply to both the Management, namely, Indian Air Lines as well as M/s. Jet Tours as because they have not employed 20 or more workmen as contract labours. However, when the services of the workman was procured through M/s. Jet Tours as a casual labour, there can not be said to have any relationship of employer and employee between the Management and the workman. Lastly, he submitted that to fill up the post of driver an interview was held by the Management and the workman appeared the interview but as he had no requisite qualification as well as five years' experience in driving heavy vehicle he was not found eligible.

Repelling the aforesaid contentions it is strenuously urged on behalf of the workman that there having sufficient evidence on record that the workman had worked continuously for more than 240 days in a year under the management as a driver, termination of his services by the management is illegal and violative of the principles of natural justice. It is further contended that the management has concocted a story of procuring the services of the workman through M/s. Jet Tours with an evil design to show that the workman had not worked under it continuously for 240 days or more in a year.

6. Keeping in view the submissions advanced on behalf of the management as well as by the workman the crux of the issue is whether the workman had continuously worked for 240 days or more within a period of one year or as submitted by the Management, he worked as a casual labour

for about five months whereafter his services were procured through M/s. Jet Tours.

Accepting the contention of the management that M/s. Jet Tours had come to the picture through whom the management had procured the services of the workman, in the circumstance whether the management of M/s. Jet Tours can be said to be the real employer.

7. Before averting to the evidence on these aspects, at the outset I would like to say that the management does not press Issue No. 1 regarding the question of maintainability of the reference. Hence, there is no need to give any finding on this issue.

8. Both parties in support of their respective cases have led both oral and documentary evidence. The workman in his evidence has stated that he served under the Indian Air Lines at Bhubaneswar as a Bus driver from 8-6-87 to 22-7-88 (wrongly typed as 22-7-87) on which date his service was terminated. His posting as a driver was made against a regular post consequent upon the retirement of the driver Sri Narayan Patra. He emphatically denies the case of the management that he was engaged as a driver by M/s. Jet Tours to drive the vehicles of Indian Air Lines. He speaks that during his tenure of service he discharged his duties to the best satisfaction of his authorities for which the Station Engineer issued him a certificate, Ext. 1.

On the other hand, witness No. 1 for the Management states that consequent upon the retirement of Narayan Patra, driver of Indian Air Lines, Bhubaneswar the workman was engaged on casual basis to meet the exigencies. Subsequently, he stopped his employment as a casual driver when he could see no possibility of immediate recruitment of a permanent driver. He then contacted two to three transport agencies including M/s. Jet Tours to supply a driver on contract basis. Finally, on the basis of an oral contract, M/s. Jet Tours engaged the workman to drive the vehicles of Indian Air Lines and the wages of the workman were being paid to the Jet Tours against their bills. It is borne out during his cross-examination that the workman was engaged as a casual driver for a span of 11 months.

The Management, in addition to the ocular testimony of M.W. 1 relies upon certain documents one of which is a certificate, Ext. C, issued by M/s. Jet Tours. This certificate comes from the custody of the management. It is mentioned therein that M/s. Jet Tours engaged the workman to drive the vehicles of Indian Air Lines. Even accepting the said certificate to be genuine, yet evidence is lacking as to why and under what circumstance and to whom it was issued. That apart, no one from M/s. Jet Tours has been examined by the management to say whether it had prior acquaintance with the workman and whether his services were at all availed of by it to drive any vehicle. Had anybody of M/s. Jet Tours been examined, truth would have been unveiled. Further, it does not appeal to common sense that the management had any reason to seek assistance from M/s. Jet Tours to supply a driver, particularly when the present workman was temporarily engaged by it to drive its vehicles. The explanation given by witness No. 1 for the management in paragraph 6 of his examination-in-chief that there having no possibility of immediate recruitment to the post of a permanent driver it was not possible to continue casual engagement of the workman indefinitely is ridiculous and far from belief.

In addition to what has been stated above, there is no evidence on record that the provisions of Contract Labour (Regulation & Abolition) Act, 1970 had been complied with both by the Management and M/s. Jet Tours. In course of argument, learned counsel appearing for the management urged that the provisions of the aforesaid Act are not applicable to the present case as the Management had never employed 20 or more workmen on any day as contract labours. Even accepting his contention that both management as well as M/s. Jet Tours are beyond the purview of the aforesaid Act, yet the workman shall be treated as an employee of the management because during the whole period of his service he was under its direct control. Evidence from the side of the management is practically nil to

the effect that M/s. Jet Tours had any control over the workman during the whole period of his employment. In this connection, I may refer to the decision of the Hon'ble Supreme Court in the case of Hussainbhai, Petitioner V. The Alath Factory Tezhilali Union and others, Respondents, reported in AIR 1978 SC 1410 where their Lordships have laid down the test determining the relationship of employer and employee in the following words :—

"The true test may, with brevity, be indicated once again. Where a worker or group of workers labours to produce goods or services and these goods or services are for the business of another, that other is, in fact, the employer. He, has economic control over the workers' subsistence, skill and continued employment. If he, for any reason, chokes off, the worker is, virtually, laid off. The presence of intermediate contractors with whom alone the workers have immediate or direct relationship ex contractu is of no consequence when, on lifting the veil or looking at the conspectus of factors governing employment, we discern the naked truth, though draped in different perfect paper arrangement, that the real employer is the Management, not the immediate contractor. Myriad devices, half hidden in fold after fold of legal form depending on the degree of concealment needed, the type of industry, the local conditions and the like, may be resorted to when labour legislation casts welfare obligations on the real employer, based on Arts. 38, 39, 42, 43 and 43-A of the Constitution. The court must be astute to avoid the mischief and achieve the purpose of the law and not be misled by the maya of legal appearances.

If the livelihood of the workmen substantially depends on labour rendered to produce goods and services for the benefit and satisfaction of an enterprise, the absence of direct relationship or the presence of dubious intermediaries or the make-believe trappings of detachment from the Management cannot snap the real-life bond. The story may vary but the inference defies ingenuity. The liability cannot be shaken off."

9. Lastly, it is submitted on behalf of the Management that the workman lacks requisite qualification and experience for being appointed as driver although much importance was not given to the same at the initial stage because of the fact that his employment was casual in nature. So, while hiring of the post permanently, the Management could not have given him employment violating the prescribed Rules. In the circumstance, therefore, the workman can not claim employment as a matter of right when he lacks requisite qualification and experience.

These contentions do not hold good because of the peculiar nature of the duty which the workman is required to perform. He is a driver and he is expected to drive heavy vehicles with care and caution. Earlier, he was engaged for the said purpose and he performed his duty to the best satisfaction of the management. So, when he performed his duty to the best satisfaction of the Management for more than a year, I do not find any reason why the Management would refuse him employment on the ground that he had no previous experience and educational qualification. In a recent decision, in the case of Bhagawati Prasad Vrs. Delhi State Mineral Development Corporation, reported in AIR 1990 SC 371, the Apex Court has observed thus :—

"Practical experience would always aid the person to effectively discharge the duties and is a sure guide to assess the suitability. The initial minimum educational qualification prescribed for the different posts is undoubtedly a factor to be reckoned with, but it is so at the time of the initial entry into the service. Once the appointments were made as daily rated workers and they were allowed to work for a considerable length of time, it would be hard and harsh to deny them the confirmation in the

respective posts on the ground that they lack the prescribed educational qualifications."

Keeping in view the dictum of the Hon'ble Supreme Court, I am of the opinion that lack of prescribed educational qualification and experience does not stand on the way of the workman to claim appointment, particularly when he has already served the Management for more than a year as a driver.

10. From the facts and circumstances as discussed above, my irresistible conclusion would be that with a view to denying job to the workman, the Management followed a peculiar device, brought M/s. Jet Tours to picture to create a make belief in the mind of this Tribunal that the services of the workman had been procured through it. When the workman has worked under the Management as a driver for more than 240 days continuously, termination of his services by the Management is illegal and unjustified. So, he be reinstated in service with full back wages. The back wages be paid to him within three months from the date of publication of this Award. Dictated & corrected by me.

Dt. 30-8-91. SHRI A. K. DASH, LL.B, Presiding Officer
[No. L-11012/2/89-IR(Misc)]

कॉ.अ. 2507 -- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार, मं. डा. बा. बान्दोदकर एण्ड सन्स प्रा. लि. पणजा गावा क प्रबन्धन में विवाद नियोजका और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1 बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करता है, जो केंद्रीय सरकार को 10-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2507.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of of M/s. D. B. Bandodkar & Sons Pvt. Ltd., Panji, Goa and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-9-91.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, AT BOMBAY

Reference No. CGIT-33 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Ms. D. B. Bandodkar and Sons Pvt. Ltd.,

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri Sharad V. Vengurlekar, Director.

For the Workmen—Shri Subhosh Naik, Secretary Goa Mining Labour Welfare Union.

INDUSTRY : Mining

STATE : Goa.

Bombay, dated 5th September, 1991

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal under section 10 of the Industrial Dispute Act, 1947, for adjudication;

"Whether the action of the Management of M/s. D. B. Bandodkar & Sons Pvt. Ltd., Panaji Goa in dismissing Shri Shantaram Raikar, Helper from service w.e.f. 21-11-1988 is justified. If not, to what relief the said workman is entitled?"

The parties have amicably settled the dispute. The terms of settlement are duly signed by the employer, the Secretary of Goa Mining Labour Welfare Union also by the workman himself. I am satisfied that the terms are fair to the workman. (The employers have paid Rs. 50,000 (Rupees Fifty Thousand only) to the workman by cheque in full settlement. The workman has filed his receipt also. Accordingly I pass an Award in terms of settlement annexed herewith. There will be no orders as to costs.

S. N. KHATRI, Presiding Officer
[No. L-26012/3/90-IR (Misc.)]

Memorandum of Settlement under Sec. 2(P) read with Sec. 18(1) of the Industrial Disputes Act, 1947, between M/s. D. B. Dandodkar & Sons Pvt. Ltd., Panaji, Goa and Shri Shantaram K. Raikar represented by Goa Mining Labour Welfare Union, Assonora, Goa, in the matter of dispute Reference No. CGIT-33 of 1990 before the Honourable Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay.

PARTIES

Representing Employer :

1. Shri Sharad V. Vengurlekar, Director.

Representing Workman :

1. Shri Subhash Naik, Secretary, Goa Mining Labour Welfare Union.
2. Shri Shantaram K. Raikar.

SHORT RECITAL

The Government of India in the Ministry of Labour, New Delhi vide Order No. L-26012/3/90-IR(Misc.) dated 8th May, 1990 referred the Industrial dispute of termination of services of Mr. Shantaram Raikar, Helper (in brief workman) by M/s. D. B. Dandodkar and Sons Pvt. Ltd., (in short "Employer") to the Central Government Industrial Tribunal, Bombay for adjudication.

Both, the workman and the employer submitted their say in their respective statement before the Central Government Industrial Tribunal-1 at Bombay (hereinafter referred to as "Tribunal-1") justifying their respective stand in the matter.

Both the parties showed interest to resolve the matter amicably, if possible and discussed the matter in joint meetings, from time to time, and finally in the meeting held on 15-4-91 both the parties reached the understanding and arrived at the Settlement as per the following terms :—

TERMS OF SETTLEMENT

(1) It is agreed by and between the parties that the employer will pay to the workman a sum of Rs. 50,000 (Rupees Fifty Thousand only) by way of Ex-gratia in full settlement of the dispute pending before the Tribunal-1 in reference No. 33/1990.

(2) The workman agreed to accept the amount as stipulated in Cl. No. 1 herein above.

(3) The workman further agrees that he has no other claim of whatsoever nature including his claim of reinstatement as per his prayer in his claim statement dated 20-6-90.

(4) The workman further agrees that in addition to the amount stipulated in Cl. 1 herein above, he has also received from the employer a sum of Rs. 9,895.95 (Rupees Nine Thousand Eight Hundred Ninety Five and Paise Ninety Five only) towards Gratuity, Leave Salary and difference as per the settlement dated 5th November, 1988 for a period from 01-01-88 to 21-11-88.

(5) The employer agrees to issue the workman the service certificate if the workman request for the same.

(6) The employer and the workman agrees to file this Settlement before the Honourable Tribunal-1 with a request

that Honourable Tribunal-1 should accept this Settlement and pass a consent award in favour of the parties.

(7) The employer shall effect the payment by cheque in favour of the workman drawn on Bank of Maharashtra, Panaji Branch. The workman shall pass the receipt in favour of the employer in full and final settlement of his claim as stated in Cl. No. 1 hereinabove.

Sd/-
(Sharad V. Vengurlekar),
Director.

Sd/-
(Subhash Naik),
Goa Mining Labour Welfare Union
Sd/-
(Shantaram K. Raikar)

Witnesses :

1. Sd/- (M. K. Kirtani)
2. Sd/- (S. B. Naik)

Date : 28-6-91

Place : Panaji, Goa.

का.आ. 2508-- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में. सेन बेल्नी पोर्ट ग्रेड सीमेन्ट कम्पनी लि. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1, धनबाद के पंचवट को प्रकटित करने, ई, जो केन्द्रीय सरकार को 10-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O 2508.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Sone Valley Portland Cement Company Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-9-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 50 of 1982

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Sone Valley Portland Cement Company
Ltd.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri G. Prasad, Advocate.

For the Workmen.—Shri D. K. Verma, Advocate.

STATE.—Bihar .

INDUSTRY.—Coal.

Dated, the 23rd August, 1991

AWARD

By Order No. L-29011/10/82-D.II(B), dated, the 14th May, 1982, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the

powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Messers Sone Valley Portland Cement Company Limited, Post Office Baulia (Rohtas) in declaring lock out in their Baulia Limestone Quarry with effect from 12-2-1982 is justified. If not, to what relief are the workmen entitled ?"

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the basis of terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-29011/10/82-D-II(B)]

S. S. PARASHER, Under Secy.

Before the Presiding Officer, Central Govt. Industrial Tribunal No. 1 Dhanbad

FORM H (RULE 58)

Memorandum of agreement arrived at between the management of Limestone Quarry, Baulia of M/s Sone Valley Cements Ltd., & the workmen represented through Baulia Quarry Mazdoor Sangh on 22-8-1991.

Ref 50/82

M/s Sone Valley Portland Cement Ltd. Vs. Workmen Management representative.

1. Shri M. N. P. Singh,
General Manager Mines,
2. Shri G. P. Singh,
Dy. Personnel Manager.

Workmen representative,

1. Shri Kasimuddin Khan
Vice President, B. Q. M. S.
2. Shri Jadubansh Singh,
General Secy. B. Q. M. S.
3. Shri Padum Prasad,
Asstt. Secretary, B. Q. M. S.

SHORT RECITAL OF THE CASE

The Management of Sone Valley Cements Ltd., Japla declared Lockout in Limestone Mines, Baulia from 12-2-82 to 14-5-1982. The Baulia Quarries Mazdoor Sangh raised an Industrial Dispute for the payment of wages to the workers for the period of Lockout.

The dispute was referred to the Industrial Tribunal No. I Dhanbad, for adjudication and was

numbered as Ref. No. 50 of 1982. However, both the parties, namely the employers in relation to M/s Sone Valley Cements Ltd., Japla and the workmen of Limestone Mines, Baulia, represented through the Baulia Quarries Mazdoor Sangh without prejudice wanted to settle the dispute among themselves out of the court and after protracted discussions, the following settlement was arrived at on 22-8-1991.

TERMS OF SETTLEMENT

The management agreed that the workers who could not attend their duties to Lockout with effect from 12-2-1982 to 14-5-1982 shall be given 15 days leave with wages which will be credited to their leave account irrespective of accrual limitations for leave under the provisions of Mines Act or Certified Standing Orders. The workers who were on the role of the company on 1-7-1991 will be entitled for this benefit and those who have retired or resigned from the services of the company, they will be entitled for leave wages for 15 days @ pay which was during the Lockout period. The female workers who were deprived of Maternity benefit during Lockout shall be paid the same and these payments will be made in December 1991.

It is further agreed that both the parties will jointly file this agreement before the presiding Officer, Industrial Tribunal (Central) No. 1 Dhanbad with a request to pass an award in terms of the agreement.

For the Management.

1. (M. N. P. SINGH)
General Manager (Mines)
2. (G. P. Singh)
Dy. P.M.

For the Union.

1. (Kasimuddin)
Vice President.
2. (Jadubansh Singh)
General Secretary
3. (Padum Prasad)
Asstt. Secy. B. Q. M. S.

WITNESS.

1. (Shri R. N. Pandey)
L. W. O.
2. (Shri B. D. Agrawal)
A. O.

WITNESS.

1. (Shri Lakshuman Chaudhary)
Clerk.
2. (Shri Sudama Ram)
E. No. 1866

का.आ. 2509--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार, गुनाइटेड वेस्टर्न बैंक लि. के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्वय में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधि-करण, नई दिल्ली के मंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-9-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 11th September, 1991

S.O. 2509.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial disputes between the employers in relation to the management of United Western Bank Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-9-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL NEW DELHI

I. D. No. 62/91

In the matter of dispute
BETWEEN :

Shri R. K. Bohat, through
Secretary,
United Western Bank Employers Union,
7—10, Ballimaran, Chandī Chowk,
Delhi-110006.

VERSUS

General Manager,
United Western Bank Ltd.,
2046, Gurudawara Road,
Karol Bagh,
New Delhi-110005.

APPEARANCES :

Workman in person.

Shri N. J. Mathura Branch Manager for Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/40/91-E. R. (B-3) dated 23/24-4-91 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

अनुसूची

क्या मजदूरों को हानिकारक या हार्डवर्क ईस्टर्न बैंक नई दिल्ली, द्वारा श्री ओ. के. बोहट, वर्कर्स यूनियन के कार्यकारी को कारोलबाग शाखा से पृष्ठ विहार नई दिल्ली में स्थानांतरण न करना उचित एवं वैध है यदि नहीं तो कर्मकार किस राहत को पाने का हकदार है।

2. The workman in this case made statement that a No. dispute award may be given in this case as he wanted to withdraw this dispute. In view of the statement of the workman. No Dispute award is given leaving the parties to bear their own costs.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

6th Sept. 1991

[No. L-12012/40/91-IR(B.III)]

S. C. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1991

का.आ. 2510--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलीफोन पेंसिली जबलपुर के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधि-

करण, जबलपुर के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-9-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 12th September, 1991

S.O. 2510.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecom Factory, Jabalpur and the workmen, which was received by the Central Government on 10-9-91.

ANNEXURE

BEFORE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(45)/1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Telecom Factory, Jabalpur (MP)

AND

their workmen, represented through the Secretary, Posts and Telegraphs Mazdoor Union, Telecom Factory, Jabalpur (M.P.)

APPEARANCES :

For Union

Shri R. K. Gupta, Advocate.

For Management

.. Shri C. K. Sharma, Advocate.

INDUSTRY : Telecom

DISTRICT : Jabalpur (M.P.)

AWARD

DATED : SEPTEMBER 3rd, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-40011/15/85-D.II(B) Dated 19th April, 1987 for adjudication of the following dispute :—

"Whether the demand of the Telegraphs Mazdoor Union for grant of hazardous allowance to Galvaniser Mistry, Head Galvaniser, Chargeman and Progressman of Forging and Galvanising Shop is justified? If yes to what relief these workmen are entitled to and from what date?"

2. Parties filed their respective statement of claims. Management has also filed certain documents. The case was fixed for evidence of parties. On 27-8-1991, Counsel for the Union, stated before this Tribunal that he pleads no instructions which means that he does not want to lead any evidence. In this case the Union has to prove its case. It appears, it does not want to pursue the reference. Under the circumstances No Dispute Award is passed without any order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-40011/15/85-D.II(B) (Pt.)]

का.आ. 2511—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सब डिवीजनल (हस्तशिल्प) (पोस्टल) रायपुर के प्रबन्धन के संबंध निराकरण और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 10-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2511.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sub-Divisional Inspector (Postal) Raipur and their workmen, which was received by the Central Government on 10-9-91.

ANNEXURE

BEFORE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

CASE NO CGIT/LC(R) (251)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sub-Divisional Inspector (Postal), Raipur Sub-division, Raipur (M.P.)

AND

Their workman, Shri Bihari Lal Verma, VIII 7 Posts Jarve, Thana Pallari, District Raipur (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman—None.

For Management—None.

INDUSTRY : Postal DISTRICT : Raipur (MP)

AWARD

Dated, September 3rd, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-40012/4/89-D-2(B) Dated 5th December, 1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Sub-Divisional Inspector (Postal), Raipur Sub-Division, Raipur in relation to their Jarvey Post Office in terminating the services of Shri Biharilal Verma, Extra Departmental Mail Carrier-cum-ED Delivery Agent, w.e.f. 3-9-88 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. After the above reference Order was received the case was registered on 18-12-1989, but nobody ever appeared on behalf of the parties despite repeated notices issued to the parties. Therefore, it appears that neither party is interested in the case. In the circumstances I have no alternative but to record a No Dispute Award. No Dispute Award is passed without any order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-40012/4/89-DII(B) (Pt.)]

का.आ. 2512—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलीकम्युनिकेशन भोपाल के प्रबन्धन के संबंध निराकरण और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2512.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of D/o Telecommunication, Bhopal and their workmen, which was received by the Central Government on 10-9-91.

ANNEXURE

BEFORE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT JABALPUR, (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R) (37)/1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of General Manager, Telecommunication, Bhopal (M.P.).

AND

Their workman, Shri Ganga Prasad Prajapati S/o Shri Sagar Kumar, Gram Dagdowa Post Pani, District Rewa (M.P.)-486001.

APPEARANCES :

For Workman None.

For Management : Shri A. K Choube, Advocate.

INDUSTRY : Telecommunication DISTRICT : Bhopal (M.P.)

AWARD

Dated : September 3rd, 1991

This is a reference made by the Central Govt., Ministry of Labour, vide its notification No. L-40012/87/89-D-2(B) dated 31st January, 1990, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Telecommunication, Bhopal (M.P.) in terminating the services of Shri Mangal Prasad Prajapati, Ex-Labour with effect from 2-7-88 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. The above reference order was received and registered on 2-2-1990. Repeated notices were issued to the workman concerned to file his statement of claim etc. but he did not care to do so. Even he did not participate in the proceedings on any dates.

3. It appears that the workman has no interest in the case. No dispute award is therefore passed but without any orders as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No.-L-40012/87/89-DII(B) (Pt.)]

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1991

का.आ. 2513--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कैंटीन स्टोर्स डिपार्टमेंट बम्बई के प्रबन्धन के संबंध में निरीक्षणों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-9-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 13th September, 1991

S.O. 2513.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Canteen Stores Deptt., Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 12-9-91.

ANNEXURE

BEFORE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 110/90

In the matter of dispute :

BETWEEN

General Secretary,
Canteen Stores Department Workers Association,
K.G-1/96, M.I.G. Flat, Vikaspuri,
New Delhi-18.

Versus

General Manager,
Canteen Stores, Department,
Adilli 119, M.K. Road,
Bombay-40002.

APPEARANCES :

None for the workmen.

Shri S. K. Bhalla, U.D.C. for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. I-14011/4/90-IR(DU) dated 20-9-90 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the demand of the General Secy. Canteen Stores Deptt. Workers Association for basic amenities and payment of salaries due etc. is justified ? If so, to what relief the workmen concerned are entitled to ?”

2. Notice was sent to the workmen who had not been appearing in this case for 21-7-91 and 28-8-91. No one else appeared on behalf of the workmen. In view of this situation, the no dispute award is passed in this case for want of prosecution leaving the parties to bear their own costs.

6th September, 1991.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer
[No.L-14011/4/90-IR(DU) (Pt.)]
K. V. BUNNY, Desk Officer

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1991

का.आ. 2514--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार अलाहाबाद बैंक के प्रबन्धन के संबंध में निरीक्षणों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण आसन-सोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-9-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 12th September, 1991

S.O. 2514.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Mgt. of Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 6-9-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 7/91

PARTIES :

Employers in relation to the Management of
Allahabad Bank, Ukhra Branch, Distt.
Burdwan.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers--None.

For the Workman--None.

INDUSTRY : Bank STATE : WEST BENGAL

Dated, the 23rd August, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. I-12012/360/90-IR. B(II) dated the 6th March, 1991.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Allahabad Bank, Ukhra Branch, Distt. Burdwan in dismissing Shri Sunil Kumar Rani, neon-cum-Barrack with effect from 3-9-87 is justified ? If not what relief the workman concerned is entitled to ?”

2. This reference dated 6-3-91 was referred by this Tribunal on 14-3-91. Simultaneously the Ministry of Labour sent copy of reference order to the Branch Manager of Allahabad Bank and to the General Secretary of the union. By that the party raising the dispute was asked to file a statement of claim within 15 days of the receipt of the order of reference. But both the Bank and the union have not appeared in this case till now. Registered notice upon the Bank was duly served. But the regd. notice sent to the union has

come back unserved. Attempt was made to serve the notice upon the union through the Bank, but in vain.

3. In the circumstances it is useless to drag with the case any more. It seems to me that no dispute exists. So the parties did not appear. In the circumstances a no dispute award is passed.

N. K. SAIJA, Presiding Officer

[No. L-12012|360|90-IR.B(II)]

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1991

का.सा. 2515.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक आफ इंडिया के प्रवर्तन के संबंध में गैर-सहमत और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बम्बई के पंचमठ को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-9-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 13th September, 1991

S.O. 2515.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Mgt. of Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-9-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 AT BOMBAY

Reference No. : CGIT-2|47 of 1987

PARTIES :

The Employers in relation to the Management of Bank of India,

AND

Their Workmen

APPEARANCES :—

For the Employer.—Shri. Dilip Harnagle Officer.

For the Workmen—No appearance.

INDUSTRY.—Banking.

STATE.—Maharashtra

Bombay, dated the 29th August, 1991

AWARD

The Central Government by their order No. L-12012|134|87-D.II(A) dated 14-9-1987 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

“Whether the action of the Management of Bank of India in dismissing from service Shri. Parkash K. Jaisinghpure, Agricultural Assistant is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. After the notices of this reference were served upon the parties, the Zonal Manager of the Bank of India firstly filed his written statement (Ex. 2) in support of the case of Bank, and in substance contended thus :—

The workman Shri. P. K. Jaisinghpure was working as an Agricultural Assistant in the Rejoli Branch of the Bank during the period of 9-4-1979 to 22-3-1983, and he has committed certain acts of misconduct during that period. On 9-5-1982 in the case of Smt. Parvatibhai Dandekar residing at Village Tekdi, the workman had obtained with mala fide intention an inflated receipt for Rs. 2,500/- for the amount of loan sanctioned towards the purchase of a pair of bullocks, whereas the agreed price was only Rs. 2,200/- and that was the amount paid to the seller. When the borrower asked the workman about the difference of Rs. 300/- he told her that it would be deposited into the borrower's loan account on the next day. However, the workman did not deposit the amount till 5-7-1980, when a complaint was received from the borrower's husband on 1-7-1980. The workman had thus misappropriated the amount of Rs. 300/-. The said acts of the workman amounted to the acts prejudicial to the interests of the Bank and also amounted to gross misconduct in terms of clause 19.5(j) of the First Bi-partite Settlement of 1966. He had committed similar acts of misappropriation of the amount of Rs. 150/- in the case of Chirkuta Shrirame, and of Rs. 200/- in the case of Shri. Linga Jivatode.

3. As per the practice of the Bank, the Agricultural Assistance are handed over the money either in cash or by Pay Order to attend the market along with the borrowers to purchase the animals like buffalows, bullocks etc. It is the responsibility of the Agricultural Assistant to see that the good animals are purchased and the agreed price is directly paid to the seller so as to obviate the chances of misappropriation of the Bank's funds by the borrower. However, the workman in question, instead of discharging his duties honestly and faithfully, had committed the acts of misappropriation, as above. Thereafter, a memo was issued to the workman on 30-3-1983 in that respect. In the reply to that memo the workman clearly admitted that he had obtained the inflated receipts for the purchases of the bullocks. He also admitted that he had kept in his possession the amount of Rs.300/- of the lady Mrs. Parvatibai Dandekar. During the investigation of the matter, the statement of workman was recorded on 10-5-1984, and he again admitted the fact of obtaining the inflated receipts contrary to the instructions and directions of the Branch Manager.

4. Thereafter, a chargesheet dated 4-6-1985 was issued by the disciplinary authority to the workman. Shri. A. G. Bhalerao, the Manager of the Gandhi Bag Branch, was appointed as the Enquiry

Officer in the enquiry conducted against the workman. During the course of the Departmental Enquiry, the workman was assisted by his defence representative namely, Shri. P. A. Kachare. The workman was given full opportunity to cross examine the witnesses examined on behalf of the Bank management, and also to produce the necessary witnesses on his behalf for their examination. The Enquiry Officer, after completing the enquiry, found the workman guilty of all the charges levelled against him. Thereafter, a notice was issued to the workman to show cause why he should not be dismissed from the Bank's services. A personal hearing was also given to the workman on the point of the proposed punishment. At that time the workman stated thus :—

"I feel sorry to what happened but looking towards my family circumstances and services I have put in the Bank, and as I have not taken any bribe as such, I may be forgiven. Regarding misconducts I feel very sorry".

5. As the Bank had lost the confidence in the workman, and as there were extenuating circumstances, the disciplinary authority passed the punishment of dismissal from service on the workman on 31-3-1986. Against that order, the workman filed an appeal to the Appellate Authority, i.e. the General Manager and the Appellate Authority, after giving a personal hearing to the workman and his defence representative, dismissed the appeal on 10-9-1986. The Bank management further contended that taking into consideration the seriousness of the charges levelled against the workman, the punishment of the dismissal from service imposed upon the workman, was quite just, proper and legal. The Bank management therefore prayed for deciding the reference in favour of the Bank.

6. The workman himself filed his statement of claim (Ex. 3A) and in substance alleged thus :—

He was working as an Agricultural Assistant in the said Bank from April 1979, and had put in 7 years of service till the date of his dismissal. His service record was clean and good. The chargesheet, as above, was issued to him. A departmental enquiry was conducted against him. However he had not misappropriated any amount. The enquiry held against him was not held properly, and the rules of natural justice were not followed. The findings of the enquiry officer are perverse. Before he was dismissed from service, no notice as contemplated under the laws 19.6(a) of the First Bi-partite Settlement of 1966 was given to him. During the course of the enquiry, it was pointed out by the workman that the inflated receipts are being obtained by the Bank as a practice for the purpose of subsidy, and also in the past such receipts were obtained by the Bank. The punishment of dismissal was passed against him without taking into consideration his good service record of the past period. The punish-

ment is also disproportionate to the charges levelled against him. The workman therefore lastly prayed that this Tribunal should set aside the order of dismissal passed against him and should direct the Bank management to reinstate him in service with full back wages and the continuity of service.

7. The necessary Issues were framed at Ex. on the basis of the pleadings of the parties.

8. Thereafter, while the reference was at the stage of evidence, the workman had remained absent on 13-3-1989. He had remained absent also on 6-11-1990. Therefore, the Bank management was asked to file the necessary affidavit of their witness in support of their case, and accordingly, Shri. R. D. Harnagale, the Industrial Relation Officer of the Bank at Nagpur filed his affidavit at Ex. 6 in support of the case of Bank management and their contentions as above, on 15-3-1991. The workman had remained absent on that day also, and again on 7-8-1991; and 9-8-1991. As such, what the said witness stated in his affidavit in support of the case on the Bank management, has gone unchallenged. In the absence of anything to the contrary on record, I see no reason to disbelieve any of the statements made by the said witness in his affidavit. Therefore, I accept the contentions of the Bank management, as above, and find the action of the Bank management as just and proper.

9. The following Award is therefore, passed.

AWARD

10. The action of the management of Bank of India in dismissing from service Shri. Prakash K. Jaisinghpure, Agricultural Assistant is just, proper, and legal.

11. The parties to bear their own costs of this reference.
29-08-1991.

P. D. APSHANKAR, Presiding Officer
[No. L-12012/134/87-DU(A)]

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1991

का.प्र. 2516.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अधुसूचन में, केन्द्रीय सरकार बैंक आफ बड़ोदा के प्रबन्धन के संबंध निधियों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध, में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बंगलौर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-9-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 16th September, 1991

S.O. 2516.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Mgt. of Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-9-91.

The workman Amin joined the II Party of Bombay Branch on 12-4-1988 and he gave the date of birth as 6-9-1928. This has been entered in the service record of workman. The service record has been assigned by the workman. Later, as stated in the claim petition he joined the II Party Branch at Mangalore. The Amin was an award staff member, who had joined service prior to July 1969. In respect of award staff members who had joined service before 1969 they had to be retired at the age of 60 years, at the end of the year in which the award staff member reaches superannuation. In view of this position, though Amin attained the age of superannuation on 6-9-1988 he was retired on 31-12-1988. Amin has received all the pension benefits from the Bank after superannuation. The Bank has retired Amin on 31-12-1988, relying on the entry in service record signed by Amin when he joined the Bank in 1948. The action taken by the II Party in retiring him with effect from 31-12-1988 is legal and valid. It is not true to suggest that when Amin entered service he stated that his date of birth was 8-4-1930 but the case worker wrote it as 6-9-1928 stating that nothing would happen on the date of birth could be corrected at a later stage. When there was a vacancy of Daftry at Mangalore Branch of the II Party, the I Party himself voluntarily resigned with effect from 23-11-1962. It is not true that the II Party asked workman to resign. Anyway the I Party. Workman was re-appointed at Mangalore Branch on 27-11-1962 with continuity of service. The II Party has legally superannuated the workman at the end of the year 1988 since the workman had given his date of birth as 6-9-1928 when he joined II Party's Branch at Bombay. It is not true the retirement is premature. It is not true that there is any unfair labour practice or victimisation. The workman Amin is not entitled to any relief. The reference has to be rejected.

6. On behalf of the I Party the workman WW-1 has got himself examined and closed his case. On behalf of the II Party management MW-1 B. K. Siddaramappa, Manager Personnel has been examined.

7. My learned predecessor has framed an issue on 2-2-1990 to the effect whether the I Party proves that it has been authorised to espouse the cause of the workman Amin. Subsequently evidence has been recorded on preliminary point and also on merits. No separate issue regarding merits has been framed since the point for determination is covered by the schedule to the reference.

8. Exhibit W-9 shows that the General Secretary of the Union has given representation to the Assistant General Manager of II Party on 19-8-1988 in which it is stated that the I Party has given his date of birth as 8-4-1930 and so he should be retired at the end of 1990 and not at the end of 1988 as proposed by the Bank. A copy of exhibit W-9 has been sent to workman Amin. Exhibit W-10, copy of which has been sent to workman, is another letter by the Joint Secretary championing the cause of the workman. Exhibit-W-11 dated 27-9-1988, copy of which has been sent to workman shows that the General Secretary of the union has been agitating the matter regarding the proposed premature retirement of workman in 1988. From these documents and the evidence of the workman WW-1 it is abundantly clear that the I Party has been authorised by the workman to espouse the cause of the workman. I hold accordingly on the preliminary issue framed by my learned predecessor on 2-2-1990.

9. Now I will discuss the merits of the case i.e. Whether the date of birth of the workman is 6-9-1928 or 8-4-1930?

10. At the outset I will dispute of the point of law. The case of the I Party is that at the Bombay Branch his date of birth was wrongly entered as 6-9-1928 by the concerned case worker. His further case is that his actual date of birth is 8-4-1930. The learned counsel for the II Party relied on 1984 FLR Vol. 49 page 115 (MOHD. AKBAR vs. UNION OF INDIA). In this authority the Delhi High Court was pleased to hold that once the date of birth has been recorded at the time of entering service, it cannot be altered, except in case of clerical error. The Delhi High Court has been pleased to hold further that no case was made out by the petitioner for inference by the High Court under Art. 226 of the Constitution. I have carefully and respectfully read the decision of the Delhi High Court. The Delhi High Court was interpreting Rules 116 and 117 of the General Financial Rules, and the jurisdiction of the High Court under Article 226 to alter the date of birth of a workman. This authority is clearly distinguishable and does not apply to the facts of the present case.

10. The power of the Tribunal to correct the date of birth of a workman has been laid down by our Hon'ble High Court in AIR 1976 Karnataka page 231. Relying on this authority, His Lordship the Hon'ble Mr. Justice K. A. Swami has been pleased to direct this Tribunal in W.P. No. 12,222/85

(Narayana-wamy vs. The Bharat Gold Mines Limited, & another) to agitate the matter regarding the correction of date of birth. In view of the law laid down by our Hon'ble High Court this Tribunal has jurisdiction to go into the matter regarding the correction of date of birth of the workman.

11. The I Party workman WW-1 has stated in his evidence that his native place is Hegmadi in Mangalore and his date of birth is 8-4-1930. The learned counsel for the II Party pointed out the say of I Party in cross-examination of para 5 wherein he has stated that he has put his signature in his service entry records where his date of birth is mentioned as 6-9-1928. On the strength of this say, it is argued, the I Party has admitted his date of birth as 6-9-1928. This is a far-fetched argument. At para 7 in cross-examination he has clearly denied that he has given his date of birth as 6-9-1928.

12. MW-1, Manager Personnel, has stated in his evidence that Exhibit M-1 is the xerox copy of the service entry record as maintained at Bombay where I Party was appointed first. MW-1 has stated in his evidence that as per Exhibit M-1 the date of birth of I Party is 6-9-1928. I have already stated that the case of the workman I Party is that this entry is wrong and is made by the case worker. It is significant to note that the II Party has not produced the original service records of the I Party maintained at Bombay Branch where he was working in the beginning. MW-1 has stated in his evidence that the I Party has signed the original of service entry record sheet of exhibit M-1, at exhibit M-1(a). I have carefully looked into exhibit M-1 and the exhibit M-1(a). Though the signature at Exhibit M-1(a) is that of the I Party has entered in the original, I find it difficult to hold that other entries in exhibit M-1 have been made by the I Party. I say this looking at the stylish handwriting in the other columns of exhibit M-1.

13. Exhibit M-2 is the original P.F. declaration form of the I Party. This is dated 30-8-1948, immediately after I Party joining service at Bombay. MW-1 the Manager Personnel has stated in his evidence that the original P.F. declaration form Exhibit M-2 is in the handwriting of I party. Exhibit M-2(a) is the signature of the I party. Looking at the I party's signature at Exhibit M-2(a) is written affectedly and the stylish English handwriting in the other columns. I am not prepared to accept the say of MW-1 that the entire handwriting in Exhibit M-2 is that of I party.

14. The I party has given an explanation, under what circumstances his date of birth was entered as 6-9-1928 at Bombay. MW-1 has stated in his evidence that part from Exhibit M-2 and Exhibit M-1 the date of birth will be mentioned in the service register of the employee but the service register has not been produced.

15. Exhibit W-8 is the xerox copy of the representation given by the I party to the II party Branch at Mangalore. As per Exhibit W-8, the I party has stated, he produced the original School Leaving Certificate wherein his date of birth is mentioned as 8-4-1930. The I party has stated in Exhibit W-8 that he gave the School Leaving Certificate when he joined Mangalore Branch in 1962. In Exhibit W-8 the I party has requested the II party to return the original School Leaving Certificate after verification.

Exhibit W-1 is dated 23-2-1989. Exhibit W-1 is request letter written by I party to the Senior Manager of II party branch at Mangalore. Exhibit W-1 it is clear that the I party has requested the II party to return the original School record sheet to show his real date of birth. But the II party has not made any attempt to produce school record produced by the I party when he joined the II party branch at Mangalore, though the II party has stated in Exhibit W-2 dated 28-2-1989 in reply to Exhibit W-1 that the original had been forwarded to their Regional Office for perusal and return. In Exhibit W-2 the II party has undertaken to deliver the original school record to I party. Even then the II party has not produced the original school record given by the I party to II party when he joined the service of the II party at Mangalore. It bears repetition. It is the case of the I party that in this School record his date of birth is mentioned as 8-4-1930. Since the II party has not produced the original school record of I party, adverse inference has to be drawn.

16. Ex. W-6 is the letter dated 19-8-1988 written by the Life Insurance Corporation of India to I party. From Exhibit W-6 it is abundantly clear that the L.I.C. has confirmed that the date of birth of the I party assured was 8-4-1930 and that this age stood admitted on the strength of the school certificate. It is not as if that the I party managed to obtain a letter on 19-8-1988 from the LIC Exhibit W-6 is a letter written to I party in reply to letter of the I party. To repeat, the L.I.C. has confirmed the date of birth of the I party as 8-4-1930. It is obvious that the I party had given his date of birth to the Insurance Company, long before this dispute started.

17. The I party has stated in his evidence that he does not know reading and writing except putting his signature. He has stated he had read upto 4th standard. In view of this it is difficult to believe suggestion made to the I party that the entire leave application W-4 dated 23-11-1962 given at Bombay is in the handwriting of I party.

18. Exhibit W-3 is the zerox copy of the School record sheet relating to the I party. The original of zerox copy. Exhibit W-3 has been issued by the Head Master, Government Higher Elementary School, Hejmade. I have already stated that the II party has not produced the original which was given to II party when I party joined the service of II party at Mangalore. Zerox copy of Exhibit W-3 mentions the name of I party as Mahabala and his father's name as Rama Poojary. In some records the name of I party appears as M.R. Amin. In leave application Exhibit W-4 the name of I party is shown as Mahabala R. Amin. On the strength of this discrepancy in describing the name of I party it is argued by the learned counsel for the II party that Exhibit W-4 does not relates to I party. When the surname is too long, the names of persons will sometimes described differently though different names refer to the same person. In Exhibit W-3 the name of I party is given as Mahabala and his father's name is Rama Poojary. In M. R. Amin, I am of opinion, 'R' stands for Rama Poojary. I am of opinion that Exhibit W-3 relates to I party. In Exhibit W-3 the date of birth of I party is mentioned as 8-4-1930. The I party was entitled to get his date of birth corrected. But the II party has refused to correct the date of birth.

19. It is argued by the learned counsel for the II party that there will be chaos if employees of public sector undertakings are allowed to get their dates of birth corrected, on the verge of retirement. It is not that every employee wants to get his date of birth corrected and every inference for correction of date of birth will be accepted. Correction of date of birth will be allowed only if there is convincing material, as in this case. In Civil Revision Petition No. 753 of 1989 D.D. 28-3-1989 (N.SIDHURAJ Vs. B. G. M.L. and another) His Lordship the Hon'ble Mr. Justice K. SHIVASHANKAR Bhat has been pleased to lay down that when a public sector undertaking is involved, the relationship between the workman and the management cannot be decided only with reference to the terms of the contract.

20. For the aforesaid reasons, I am of opinion, the date of birth of I party is 8-4-1930.

21. It has been laid down in 1987 Lab. I.C. page 6 (Brigadier Prithvi Raj Vs. Union of India and another) that an employee is entitled to the benefits on the basis of merits and seniority in service after correction of date of birth. MW-1 has stated that for the award staff who joined prior to 1969, the age of superannuation is 60 years. This means that the I party should have been retired with effect from 31-12-1990.

22. All other documents and evidence not referred to by me are not relevant. In any case they do not alter my conclusion reached above.

23. In the result, I pass the following :—

AWARD

It is hereby declared that the date of birth of I party is 08-04-1930 (eighth day of April Nineteen thirty) and he should have been retired with effect from 31-12-1990. The I party is entitled to all consequential monetary benefits. Award passed as stated herein. Reference accepted accordingly.

(Dictated to the Secretary, taken down by him, got typed and corrected by me).

27-8-91.

P.S. After the Award was typed and signed and was about to be sent to Government, the learned counsel for II party has submitted the authority 1986(2) FLR page 490. This is favourable to II party. This decision is rendered in view of "Contract of Service". I have relied on decision of our Hon'ble High Court rendered by the Hon'ble Mr. Justice SHIVASHANKAR BHAT. I have relied on the decision of the Hon'ble Mr. Justice K. A. SWAMY. These decisions are binding on me. I respectfully follow the law laid down by our Hon'ble High Court.

3-9-91.

M.B. VISHWANATH Presiding Officer

[No. 1-12012/172/89 D-II(A)]

का.प्र. 3517--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार बैंक आफ इंडोवा के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्वय में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2517.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the mgt. of Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-9-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVT INDUSTRIAL TRIBUNAL : NEW DELHI

I.D. No. 7/89

In the matter of dispute between :

Shri Ran Singh S/o Sh. Bhim Singh, Village & P.O. Pooth Khurd, Delhi-110039.

Versus

Zonal Manager, Bank of Baroda. Zonal Office, Sansad Marg, New Delhi-110001.

APPEARANCES :

Shri S.S. Duggal for the workman.

Shri T.C. Gupta for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/424/88-D.2(A) dated 5-1-89 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Bank of Baroda in dismissing from service Shri Ran Singh, Armed Guard, was justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?”

2. The case was fixed on 31-7-91 on which date Shri S.S. Dugal representative for the workman undertook to produce the workman and produce his evidence on the next date of hearing.

3. On 16-8-91 None approved for the workman nor the workman or his evidence was produced. It appears that the workman or his representative are not interested in proceeding further with the case and I, therefore, hold that a No Dispute Award may be given in this case leaving the parties to bear their own costs for want of prosecution. Parties are left to bear their own costs.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

[No. L-12012/424/88-D.II(A)]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1991

कां.आ. 2518.—खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री राम अवतार मल पाण्डेय को अगले आदेशों तक मुख्य निरीक्षक के अधीन खान निरीक्षक नियुक्त करती है।

[संख्या ए-12025/6/90-आर्. एस्. एच-1]

राम तिलक पाण्डेय, उप सचिव

- - - New Delhi, the 16th-September, 1991

S.O. 2518.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952) the Central Government hereby appoints Shri Ram Avtar Mal Parkash as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines, until further orders.

[F. No. A-12025/6/90-ISH-I]

R. T. PANDEY, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1991

कां.आ. 2519.—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार श्री ए.के. निगम, अनुभाग अधिकारी को दिनांक 10-9-91 से अगला आदेश जारी होने तक उत्प्रवास संरक्षी II, बम्बई के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-22012(1)91 उत्प्रवास]

आर. के. गुप्ता, अवसर सचिव

New Delhi, the 16th September, 1991

S.O. 2519.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of sub-section (1) of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints Shri A.K. Nigam, Section Officer as Protector of Emigrants-II, Bombay with effect from 10-9-1991 till further orders.

[No. A-22012/1/91-Emig.]

R. K. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1991

का.आ. 2520.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार मै. ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रबन्धतन्त्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-9-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 17th September, 1991

S.O. 2520.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the M/s. Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-9-1991.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 57 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of Mohanpur Colliery of M/s. Eastern Coalfields Limited.

AND

Their workmen

PRESENT :

Mr. Justice Manash Nath Roy

.....Presiding Officer.

APPEARANCE :

On behalf of management

Mr. B. N. Tala, Advocate.

On behalf of workmen

None.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Coal

AWARD

Over the alleged action of the management of Mohanpur Colliery of M/s. Eastern Coalfields Limited in not accepting the year of birth of Shri Haril Nunia as 1950 in the Identity card issued by the management and terminating his services w.e.f. 1-7-1985, reference being made by the Government of India, Ministry of Labour, vide Order No. L-19012(97)/86-D. IV(B) dated 7th May, 1987, parties completed their pleadings.

2. No one was present on behalf of the workmen, although the notice fixing the date of hearing was duly served. Mr. Tala for the management led evidence and the witness was not cross examined and his evidence not controverted.

3. On the basis of the evidence as recorded, I feel that nothing to be decided in the case and the management's action is held to be justified.

This is my Award.

Dated, Calcutta,

The 27th August, 1991.

MANASH NATH ROY, Presiding Officer

[No. L-19012(97)/86-D. IV(B)]

का.आ. 2521:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार मै. ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अन्वय में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2521.--In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the M/s. E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-9-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL.

Reference No. 34/90

PRESENT :

Shri N. K. Saha, Presiding Officer.

2446 GI/91-12

PARTIES :

Employers in relation to the Management of North Jambad Colliery of M/s. E. C. Ltd.

AND

Their Workman.

APPEARANCES :

For the Employers--Sri P. K. Das, Advocate.

For the Workman--Sri Manoj Mukherjee, Advocate.

INDUSTRY : Coal

STATE : West Bengal

Dated the 22nd August, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(72)/90-IR(C. II) dated the 1st August, 1990.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of North Jambad Unit of Bahula Colliery of M/s. E. C. Ltd., P.O. Bahula, District Burdwan in refusing employment to Sh. Pandi Goura underground loader is Justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. The case of the union in brief is that the concerned workman Sh. Pandi Goura was a permanent underground loader of North Jambad Unit of Bahula Colliery under M/s. Eastern Coalfields Ltd. The workman is illiterate and belongs to schedule caste community. He was compelled to remain absent from his duty on medical ground. But when he came to join his duty he was informed that he had been dismissed from service. No notice was served upon him. The principles of natural justice were violated. Due to his mental disorder he could not attend his duty. The workman was not given any opportunity to defend himself which amounts to denial of natural justice.

3. The attempts of conciliation failed. The matter was sent to the Ministry of Labour and ultimately the Ministry has referred the dispute to this Tribunal for adjudication.

4. The case of the management in brief is that Sh. Pandi Goura was a loader of North Jambad Colliery. He absented himself from duty w.e.f. 7-11-83 without any permission or any intimation to the management. For his unauthorised absence a chargesheet dated 23-4-84 was issued and the same was sent to the workman by regd. post which came back unserved. There was a domestic enquiry and on the result of the domestic enquiry the workman was dismissed from service. The action of the management is fully justified.

5. At the initial stage the union challenged the domestic enquiry contending that it was not properly and fairly held and principles of natural justice were violated. But at this stage it is no longer challenged by the union.

Considering the materials on record and the facts and circumstances of the case, I find that no principles of natural justice were violated in holding the domestic enquiry. I find that the learned Enquiry Officer of the domestic enquiry has rightly found the workman guilty for his unauthorised absence.

6. As it has been found that the domestic enquiry was properly and fairly held and there was no violation of any principle of natural justice, the power of this Tribunal is very limited. Now according to Section 11-A of the Industrial Disputes Act, 1947 this Tribunal has only the jurisdiction to see whether the punishment imposed upon the concerned workman is proportionate with the wrong committed by him.

Admittedly this workman was a permanent underground loader of the establishment. It is also admitted that he absented from his duty w.e.f. 7-11-83 without any permission or intimation to the authority. The domestic enquiry was held ex parte. It has been urged by the learned Lawyer of the union that due to mental disorder the workman was compelled to absent himself from duty for the period referred in the charge-sheet. He has urged before me that this Court as a man of prudence must hold that for some unavoidable circumstances the workman was prevented from attending his duty. I am in agreement with the learned Lawyer of the union on this point. The learned Lawyer of the Management has urged before me that the management had to suffer a lot due to absence of the concerned workman without intimation. There cannot be any doubt in it. But the fact remains that a man was dismissed from service for absence from duty. The dismissal from service is worse than capital punishment. The Hon'ble Supreme Court has held that capital punishment should be imposed in a rare of the rarest cases. I find that the wrong committed by the concerned workman does not come to such rarest category. So I find that the dismissal from service of the concerned workman was not justified. I find that in a case like the present one forfeiture of entire back wages as punishment shall meet the ends of justice.

7. In the result I find that the action of the management in refusing employment to the concerned workman was not justified and it is directed that—

- (i) the management shall refer the concerned workman to a Medical Board and if the Medical Board is of the opinion that the workman is now physically and mentally fit to resume his duty, then the management shall reinstate him in service without back wages.
- (ii) if the Medical Board finds that the workman is not mentally fit to resume his duty then the workman shall not get any relief, and
- (iii) if the workman is reinstated in service, his entire back wages shall stand forfeited as punishment.

This is my award.

N. K. SAHA, Presiding Officer
[No. L-22012(72)90-IR (C. II)]

का.श्रा. 2522:— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय

सरकार में, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्राथ सरकार को 16-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2522.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-9-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 6/89

PARTIES :

Employer, in relation to the Management of
Poniat Workshop of M/s. E. C. Ltd.

AND

Their Workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Sri P. K. Das, Advocate.

For the Workman—Sri S. N. Chatterjee, Representative of the Union.

INDUSTRY : Coal

STATE : West Bengal

Dated, the 21st August, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(117) 88-D. IV. B dated the 30th December, 1988.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Poniat Workshop of M/s. E. C. Ltd., Sripur Area, P.O. Jamuriahat, District Burdwan in not referring Sri Nakur Gope, Asstt. Foreman, to the Area Disablement Board Medical Board inspite of recommendations by the Area Medical Officer and thus depriving him from the benefit of Clause 9.4.3 of NCWA-III, was justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The case is called for hearing, Sri P. K. Das the learned Advocate for the management and Sri S. N. Chatterjee the representative of the union appear Sri Chatterjee submits that the union has no instruction to proceed with the case.

3. In such circumstances I find no other alternative but to pass a no-dispute award. Accordingly a no-dispute award is passed in this case.

N. K. SAHA, Presiding Officer

[No. L-22012(117)88-D. IV B]

का.अ. 2523— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड प्रबंधकों के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2523.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-9-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 13/90

PRESENT :

Shri N. K. Saha, Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Kuardi Colliery under Satgram Area of M/s. E.C. Ltd.

AND

Their Workman

APPEARANCES :

For the Employers—Sri P. K. Das, Advocate.

For the Workman—Sri Bijoy Kumar, Joint Secretary of the Union.

INDUSTRY.—Coal. STATE.—West Bengal.

Dated, the 27th August, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(316)89-IR(C.II) dated the 19th March, 1990.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kuardi Colliery under Satgram Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd., P. O. Kalipahari, Dist. Burdwan in not certifying the loss of employment sustained by the

workman Sri N. C. Dey, Mining Sirdar from May 1988 and denying the benefit of Clause 9.4.3 of NCWA-III, was justified? If not, to what relief the workman was entitled?"

2. The case of the union in brief is that Sri. N. C. Dey was a Mining Sirdar of Kuardi Colliery under Eastern Coalfields Ltd. He had been suffering from various ailments coupled with short of vision in both eyes and he was prevented from going down to the mine to work as Mining Sirdar and as a result of the same there was clear loss of employment from May '88.

3. Sri Dey the concerned workman had requested the management to certify the loss of employment in terms of Clause 9.4.3 of NCWA-III. The authority sent him for medical examination by the Area Medical Board on 14-12-88. The Medical Board after examination opined "advised to continue treatment (fit for duty)". The workman represented against that observation of the Area Medical Board as he was not in a position to continue work. His prayer for review was turned down. The authority advised him to take voluntary retirement which was not acceptable to the workman. He was not sent to the Apex Medical Board in spite of his request. He was superannuated from service w.e.f. 1-7-89. The action of the management was mala fide and against the principles of natural justice.

4. The attempts of conciliation failed. The matter was sent to the Ministry of Labour and ultimately it has come to this Tribunal for adjudication.

5. The case of the management in brief is that Sri N. C. Dey the concerned workman requested the management for arranging to examine his fitness to determine his disability in terms of Clause 9.4.3 of NCWA-III and accordingly he was sent to the Area Disablement Medical Board. Sri Dey was examined by the Area Disablement Medical Board and the Board declared him fit for duty and advise him to continue treatment for his ailment (diabetes). The opinion of the Medical Board was only communicated to the workman. The decision of the Medical Board was final as the higher authority for assessment of disability. It is denied that with some mala fide intention he was not referred to Apex Medical Board. The action of the management is justified.

6. Admittedly Sri Dey the concerned workman was a Mining Sirdar and he applied for determining his fitness. It is also admitted that he was sent to the Area Disablement Medical Board and after examination the Medical Board submitted the report that the workman was fit for duty and he was advised to continue treatment. It is the only grievance of the workman that he had no capacity to work underground due to his disablement. It is his claim that it was the duty of the management to refer him to Apex Medical Board for determining his condition of health as according to the Area Disablement Medical Board also he was suffering from some ailment and the Board advised him for continuous treatment. The learned Advocate for the management has urged before me with all force that this Tribunal shall accept the finding of the Area Disablement Medical Board as final and the workman

S.O. 2525.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of

the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employer in relation to the Bahula Colliery of M/s. E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-9-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 9/90

PRESENT :

Shri N. K. Shah, Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Bahula Colliery of M/s. E.C. Ltd.

AND

Their Workman.

APPEARANCES :

For the Employers.—Sri P. K. Das, Advocate.

For the Workman.—Sri Sanjiv Banerjee, Representative of the Union.

INDUSTRY : Coal STATE : West Bengal

Dated, the 21st August, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012 (261)/89-IR (C. II) dated the 8th February, 1990.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Bahula Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd., in making anomaly in the fixation of pay of S/Sri N. B. Banerjee, N. M. Qunji and J. N. Das, Senior Clerks, is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. On call of the case Sri P. K. Das the learned Advocate for the management and Sri Sanjiv Banerjee the representative of the union appeared. Sri Banerjee submits that the union has no instruction from their workmen to proceed with this case and for that he is unable to proceed with the case.

3. In view of the circumstances I find no other alternative but to pass a no dispute award. Accordingly a no dispute award is passed in this case.

N. K. SAHA, Presiding Officer.

[No. L-22012(261)/89-IR (C. II)]

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1991

का.अ. 2526:— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में, केन्द्रीय सरकार निमचा कोलियरी, मै. ई. सी. लि. के प्रबन्धन के संबद्ध निोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अन्तर्गत में निर्दिष्ट औद्योगिक

अधिकरण, कलकत्ता के फाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-9-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 18th September, 1991

S.O. 2526.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Nimcha Colliery, M/s. E.C. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on the 17-9-1991.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 7 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of Nimcha Colliery of Messrs Eastern Coalfields Limited, Post Office Jaykaynagar (Burdwan).

AND

Their workmen.

PRESENT :

Mr. Justice Manoh Nath Ray.—Presiding Officer.

APPEARANCES :

On behalf of management.—Mr. Arunava Ghosh, Advocate with Mr. D. Mukhopadhyay, Advocate.

On behalf of the workmen.—None.

STATE : West Bengal INDUSTRY : Coal

AWARD

On reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication by the Govt. of India, Ministry of Labour & Rehabilitation (Deptt. of Labour) by Order No. L-19012(145)/82-D.IV(B) dated 13th January, 1983—

"Whether the action of the management of Nimcha Colliery of Messrs Eastern Coalfield Ltd., Post Office Jaykaynagar (Burdwan), in dismissing Shri K. C. Dutta, General Asstt./Audit Clerk with effect from 11-4-1981 is justified? If not to what relief the workman concerned is entitled.

Pleadings were completed and some evidence were also recorded.

2. In spite of service of the notice, the union was not present. Mr. Ghosh for the management was also not ready with his evidence. He not only referred to the deposition recorded earlier, but also to the pleading. Particular reference was made by him to paragraph 1 of the management written statement wherein it was stated that the workman concerned has died and such fact has been admitted in the rejoinder of the union to the effect that the workman concerned has died on 21-8-1983.

3. Such being the position, agreeing with Mr. Ghosh I hold that there is nothing to decide in this case now. As such the reference is disposed of. But I keep on record that this award is made without going into the merits of the case and subject to respective liberties of the parties.

Dated, Calcutta,
The 2nd September, 1991

MANASH NATH ROY, Presiding Officer
[No. L-19012/145/82-D.IV(B)]

का.आ. 2527.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस. ई. सी. लि. के प्रबंधन के संबंध में निर्यातकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2527.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the South Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-9-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (M.P.)
Case No. CGIT/LC(R)(177)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bistrampur Group of Mine of South Eastern Coalfields Ltd., P.O. Bistrampur Colliery, District Surguja (M.P.) and their workman, Shri Sital Prasad S/o. Shri Dharmmal, Cat. I Mazdoor, Kumda Colliery, Post Bistrampur Colliery, District Surguja (M.P.).

APPEARANCES:

For Workman.—Shri Vishnu Kotha, Advocate.
For Management.—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mine DISTRICT : Surguja (M.P.)

AWARD

Dated, August 20, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(43)/89-IR (C.II) dated 19th September, 1989 for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the Management of Bistrampur Group of Mines of South Eastern Coalfields Ltd., P.O. Bistrampur Colliery Dist. Surguja in terminating the services of their workman Sri Sital Prasad son of Sri Dharmmal, Ex. Category I Mazdoor, Kumda Colliery w.e.f. 2-6-1980, legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. Parties filed their respective statement of claim and rejoinder. Workman is not participating in the proceedings from 28-11-1990 onwards

3. On 20-8-1991 again none appeared on behalf of the workman. Management Counsel Shri Rajendra Menon appeared and filed a Memorandum of Settlement dated 12-11-1990 duly signed by the workman concerned also. Shri Menon verifie the settlement. The terms of settlement are as under :—

1. He may be reinstated without back wages subject to his medical fitness and after proper identification.
2. The period of his absence will be treated as No work No pay.
3. This is a final settlement of the case and neither the workman nor the union will claim any other relief in any form or nature whatsoever and the case will not be reopened in future in any form and thus settles all the claims of Sri Sital Prasad and union fully and finally.
4. This will not be quoted as precedence in future.

4. I have gone through the terms of Settlement which appear to be just and fair and in the interest of the workman concerned. I therefore record my award in terms of the Settlement. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer.

[No. L-22012(43)/89-IR (C.II)]

का.आ. 2528.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ईस्टर्न कोलफील्ड्स के लि. प्रबंधन के संबंध में निर्यातकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2528.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the M/s. Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-9-91.

ANNEXURE
BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL
TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 49/89

PARTIES :

Employers in relation to the Management of
Kuardih Colliery of M/s. E. C. Ltd.

AND

Their Workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Sri P. K. Das, Advocate.

For the Workman—Sri S. N. Chatterjee, Representative of the Union.

INDUSTRY : Coal. **STATE :** West Bengal.

Dated, the 30th August, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(184)/89-IR(C. II) dated the 5th/6th December, 1989.

SCHEDULE

“Whether the action of the Management of Kuardih Colliery under Satgram Area of M/s. E. C. Ltd., P.O. Kalinahari, District Burdwan in terminating services of Sri Jamuna Singh, Mining Sirdar w.c.f. 1-7-89, is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. The case of the union in brief is that the concerned workman Sri Jamuna Singh was a Mining Sirdar of Kuardih Colliery under Satgram Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd. The management arbitrarily terminated his service w.c.f. 11-5-88. According to Mining Sirdarship Certificate his date of birth is 15-4-1928. According to original 'B' Form Register of Kuardih Colliery his year of birth is 1930 and according to recently constructed 'B' Form Register he has been shown as aged 53 years in 1981 which means his year of birth is 1928. according to Family Register maintained by the Gram Panchayat his date of birth is 15-4-1936 and according to School Certificate his date of birth is 15-4-1936.

After termination of service the union raised dispute. But attempts of conciliation failed. The matter was sent to the Ministry of Labour and ultimately the Ministry of Labour has referred the dispute to this Tribunal for adjudication.

3. The case of the management in brief is that the concerned workman was correctly superannuated w.c.f. 11-5-88 as per date of birth recorded in Mining Sirdarship Certificate which is a statutory certificate as per Mines Act. The management does not admit the other records as stated by the concerned workman. The management has denied all the material averments made by the union in the written statement.

4. Admittedly Sri Jamuna Singh was a Mining Sirdar and it is the case of both the parties that his service was terminated w.c.f. 11-5-88 and not from 1-7-88. It appears from the materials before me that different dates were recorded as date of birth of this workman on different records. At the very initial stage the workman raised dispute regarding his age. But it appears that he was referred to a Screening Committee for examination of records of the workman. The learned Advocate for the union has urged before me that in a case like the present one it was the duty of the management to refer the workman to Apex Medical Board for determination of his age. The learned Advocate for the management has urged before me that the management acted on Mining Sirdarship Certificate which is a statutory certificate, so it was not even necessary to refer him to any Screening Committee far from the question of referring him to the Apex Medical Board.

Considering all the materials before me and the facts and circumstances of the present case I find that to satisfy the principles of natural justice in a case like the present one, it was the duty of the management to refer the concerned workman to Apex Medical Board for determination of his age. But the management had failed to do the same. Consequently I am inclined to direct the management to refer the concerned workman to Apex Medical Board for determination of his age.

5. In the result I find that the action of the management in terminating the services of Sri Jamuna Singh was not justified. The Management shall refer Sri Jamuna Singh to Apex Medical Board for determination of his age :

- (a) If the Apex Medical Board finds that the age of Jamuna Singh was more than 60 years on 11-5-88 and he has served beyond the period of 60 years then the management shall be at liberty to recover the superannuation benefits drawn in excess by Jamuna Singh for serving beyond 60 years.
- (b) If the Apex Medical Board finds that Jamuna Singh was aged 60 years on 11-5-88 then he will not get any benefit.
- (c) If the Medical Board finds that Jamuna Singh has completed 60 years after 11-5-88, then the management shall pay all the back wages and other superannuation benefits to Jamuna Singh for the period from 11-5-88 to the date when he completed the age of 60 years.
- (d) If the management finds that Jamuna Singh has not yet completed the age of 60 years then Jamuna Singh shall be reinstated in service by the management with immediate effect with full back wages.

This is my award.

N. K. SAHA, Presiding Officer
[No. L-22012(184)/89-IR(C. II)]

क.आ. 2529.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुषरण में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न कोयल्डिल्ड्स लि. के प्रबंधन के संबंध निर्योजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2529.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Western Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-9-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT[LC(R)(241)]1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Damua Colliery of Western Coalfields Ltd., Kanhan Area, District Chhindwara (M.P.) and their workman, Shri Rup Lal Son of Shri Khubba, Wagon Loader, Village Khamkhara, Post Kahanbara, Via Hirdagarh, District : Chhindwara (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman—None.

For Management—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining

DISTRICT : Chhindwara (M.P.)

Dated, the 3rd September, 1991

AWARD

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(162)89-IR(Coal-II) dated 9-11-1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the Management of Damua Colliery of M/s. W. C. Ltd. Kanhan Area in dismissing Sri Rup Lal son of Sri Khubba, Wagon Loader, from services w.e.f. 14-7-88, is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. The above reference Order was received and registered on 17-11-89. Repeated notices were issued to the parties. Nobody ever appeared on behalf of the workman. Nor statement of claim filed till 29-8-91.

3. It appears that the workman concerned has no interest in the case as none appeared on his behalf nor filed any statement of claim in the case. A No

Dispute Award is therefore passed. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012(162)89-IR(C II)]

क.आ. 2530.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुषरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम भोपाल के प्रबंधन के संबंध निर्योजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2530.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Management of F.C.I. Bhopal and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-9-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT[LC(R)(7)]1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of the Food Corporation of India, Regional Office, Chetak Building Maharana Pratap Nagar, Habibganj, Bhopal (M.P.)-462011 and their workman Shri Abhai Kumar Shivhare, 403, Bhartipur, Near Laxmi Talkies, Jabalpur (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman—None.

For Management—Shri R.K. Gupta, Advocate.

INDUSTRY : Food Corporation

DISTRICT : Bhopal (M.P.)

Dated, 3rd, September, 1991

AWARD

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-22012(242)89-IR(Coal-II) dated 10-1-1990, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the Management of Food Corporation of India in terminating services of Shri Abhai Kumar Shivhare, Ex-AG Grade III w.e.f. 26-2-1985, is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. After the reference Order was received and registered in this Tribunal notices were issued to the parties to file their respective statement of claims etc. Management has filed its statement of claim. Despite several adjournments and repeated notices to the workman none appeared on his behalf nor filed any statement of claim on behalf of the workman, except on 14-2-91 Shri R. P. Kanodia, Advocate, appeared only just to seek adjournment.

3. It appears that the workman has no interest in prosecuting his case. In the circumstances No Dispute Award is passed without any order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012(242)|89-IR(C.II)]

का. आ. 2531.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2631.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-9-91.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 3 of 1986

PARTIES :

Employers in relation to the management of Dhemomai Colliery of M/s. Eastern Coalfields Limited.

AND

Their workmen

PRESENT :

Mr. Justice Manash Nath Roy—Presiding Officer.

APPEARANCES :

On behalf of Management—Mr. D. Mukhopadhyay, Advocate.

On behalf of workmen—Mr. S.K. Bose, Advocate.

2446-GI/91—13

STATE : West Bengal.

INDUSTRY : Coal.

AWARD

Over the alleged action of the management of Dhemomai Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd. in not duly regularising the workmen mentioned in the order of reference, on reference being made by the Government of India, Ministry of Labour vide Order No. L-19012(31)|85-D.IV(B) dated 7th January, 1986, parties completed their pleadings.

2. Thereafter on 30th July, 1991 a petition for No Dispute Award for the reasons mentioned therein was filed with corresponding prayer to pass such award.

3. After considering the petition, I allow the same and pass a No Dispute Award.

Dated, Calcutta,

The 27th August, 1991.

MANASH NATH ROY, Presiding Officer

[No. L-19012(31)|85-D.IV(B)]

का.आ. 2532.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार राजगमार कोलियरी के एस. ई.सी. लि. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2532.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Rajgamar Colliery, S.E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 17-9-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(29)|1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Rajgamar Colliery of S.E.C. Ltd. Post Rajgamar Colliery, District Bilaspur (M.P.) and their workman, Shri Jait Ram S/o Paras Ram, represented through the Branch Secretary, Rashtriya Koyla Khadan Mazdoor Sangh (INTUC), Distt. Bilaspur (M.P.)-497559.

APPEARANCES :

For Union.—None.

For Management.—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining

DISTRICT : Bilaspur (M.P.)

Dated, 3rd, September, 1991

AWARD

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. 22012(380)/90-IR(C-II) dated 20-2-1991, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the management of Sub-Area Manager, SECL, Rajgamar Colliery, Bilaspur is justified in denying promotion/regularisation to Shri Jait Ram S/o Paras Ram as Under-ground Manshi w.e.f. January 1985. If not, to what relief the workman concerned is entitled to ?”

2. In this case neither party filed their respective statement of claim. On 8-7-1991 a Memorandum of Settlement dated 5-4-1991 was received by post. Therefore the case was fixed for 23-8-91 for verifying the Settlement by the parties and notices were accordingly issued. But on 23-8-91 none appeared on behalf of the workman. Shri R. Menon, Counsel for Management verified the Settlement. The terms of Settlement duly signed by the representatives of parties are as under :—

1. It was agreed that Shri Jaitram S/o Parasram, Clipman will be re-designated as Haulage Khalasi Cat-III with pay protection as per Rules.
2. In view of the above settlement, Secretary, RKKMS (INTUC) Rajgamar Branch agreed to withdraw the case from the CGIT, Jabalpur.
3. This settlement will be implemented within 15 (Fifteen) days by both the parties.

3. The above terms of Settlement are just and fair. I therefore record my award in terms of Settlement. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012(380)/90-IR(C.II)]

का. आ. 2533.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार मै. ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्वय में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2533.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the M/s Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 17-9-91.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 25 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Parbelia Colliery of M/s. E.C. Ltd., P.O.
Nottoria (W. B.).

AND

Their workmen

APPEARANCES :

On behalf of management—Mr. B. N. Lala,
Advocate.

On behalf of workmen—None.

STATE : West Bengal.

INDUSTRY : Coal.

AWARD

On reference of the dispute to this Tribunal for adjudication by the Govt. of India, Ministry of Labour vide Order No. L-19012(71)/86-D.IV(B) dated 5th March, 1987 regarding the action of the management in superannuating one Shri Sita Ram Mahato and claiming the same to be unjustified, pleadings were completed.

2. In spite of service of the notice, no one was present on behalf of the workmen even on second call.

3. From the pleadings it appears that the year of birth of the employee concerned was recorded as 1926. From Ext. M-1 and Ext. M-2 these facts are also established. It appears that the union have admitted the age as 26 but disputed the said age on the basis of some identity card.

4. Since no evidence was tendered by the union and the evidence of MW-1 Mr D. D. Roy was unchallenged, I think there is no justification in answering the reference in favour of the workmen. Thus the reference is disposed of accordingly.

Dated, Calcutta,

The 2nd September, 1991

MANASH NATH ROY, Presiding Officer
[No. L-19012(71)/86-D.IV(B)]

का. आ. 2534.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्वय में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2534.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Western Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 17-9-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (M.P.)

CASE NO. CGIT/LC(R)(77)/1987.

PARTIES :

Employers in relation to the Management of
WCL (now SECL), Korba, Bilaspur (M.P.)
and their workmen through the General
Secretary, K.S.S. (H.M.S.), Korba, Bilas-
pur (M.P.).

APPEARANCES :

For Union.—Shri R. C. Shrivastava Advocate.
For Management.—Shri R. Menon, Ad-
vocate.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Bilaspur
(M.P.).

AWARD

Dated : September 3rd, 1991.

This is a reference made by the Central Govern-
ment, Ministry of Labour, vide its Notification No.
L-21012/16/86-D.III(B), dated 27th May, 1987, for
adjudication of the following dispute :—

“Whether demand of the Koyla Shramik Sabha,
Korba, Bilaspur regarding re-employment
of Shri Bihari S/o Bandhan with all bene-
fits is justified? If so, to what relief the
workman is entitled for?”

2. This reference was received and registered on
17-6-1987. Since then as many as 26 adjournment
have been granted to the workman to file his state-
ment of claim. But he except for asking for adjourn-
ment did not file any statement of claim till 30-8-91.
Therefore the Tribunal has reasons to presume that
he has no case hence there appears to be no dispute.
No Dispute Award is accordingly passed. No order
as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer.
[No. L-21012/16/86-D.III(B)]

आ.आ. 2535.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947
(1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय
सरकार राजगमार कोलियरी के आफ एम. ई. सी. लि. के
प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच,
अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार
औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती
है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2535.—In pursuance of section 17 of the
Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the
Central Government hereby publishes the award of
the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur
as shown in the Annexure in the Industrial Dispute
between the employers in relation to the
Rajgamar Colliery of S.E.C. Ltd. and their workmen,
which was received by the Central Government on
the 17-9-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (M.P.)

CASE NO. CGIT/LC(R)(97)/1991.

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Rajgamar Colliery of S.E.C. Ltd., P.O.
Rajgamar, Bilaspur (M.P.) and their
workman, Shri Thandaram, Trammer Cat.
III, represented by the Branch Secretary,
R.K.K.M.S. (INTUC) at Block 15, Quarter
No. G-64 (SECL), Post Korba Colliery,
District Bilaspur (M.P.)-495 679.

APPEARANCES :

For Workman/Union.—None.

For Management.—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Bilaspur
(M.P.).

AWARD

Dated : September 3rd, 1991.

This is a reference made by the Central Govern-
ment, Ministry of Labour, vide its Notification No.
L-22012/327/90-IR(Coal-II), dated 2-5-1991, for ad-
judication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Sub-
Area Manager, SECL, Rajgamar Colliery,
Bilaspur, in not promoting Shri Thandaram,
Trammer Cat. III as Underground Munshi
w.e.f. 1-1-89 is justified? If not, to what
relief the concerned workman is entitled
and from what date?”

2. Neither party filed their respective statement of
claim. A Memorandum of Settlement dated
5-4-1991 duly signed by the representative of the
parties was received on 8-7-1991. The case was
therefore fixed for verification of Settlement on
11-7-91 and 26-8-91. On both the date nobody
appeared on behalf of the workman to verify the
Settlement. However, Shri R. Menon, Counsel for
Management, verified the Settlement on 26-8-91.
The terms of Settlement are as under :—

1. It was agreed that Shri Thandaram S/o
Chatter Singh, Trammer will be re-designated
as Gen. Maz. Cat. II surface, with pay protection.
2. In view of the above settlement, Secretary,
RKKMS, Rajgamar Branch agreed to with-
draw the case from the CGIT, Jabalpur.
3. This settlement will be implemented within
15 (Fifteen) days by both the parties.

3. The above terms of Settlement appears to be
just, fair and in the interest of the workman concern-
ed. I therefore give my award in terms of the
Settlement duly arrived at between the parties and
make no order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer.
[No. L-22012/327/90-IR(C. II)]

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1991

क्र.आ. 2536.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार जायकायनगर कोलियरी, ई.सी.लि. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-9-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th September, 1991

S.O. 2536.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employer in relation to the Jaykaynagar Colliery, E.C. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-9-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

REFERENCE NO. 3/91

PRESENT :

Shri N. K. Saha, Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the Management of
Jaykaynagar Colliery under Satgram Area
of E.C. Ltd.

AND

Their Workman.

APPEARANCES :

For the Employers.—Sri P. K. Das, Advocate.

For the Workman.—Sri S. N. Chatterjee, Representative of the Union

INDUSTRY : Coal. STATE : West Bengal.

Dated, the 26th August, 1991.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by Clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(301)/90-IR(C. II) dated the 7th February, 1991.

Schedule

"Whether the action of the management of Jaykaynagar Colliery of M/s. E.C.L., in not providing employment to the dependant of Sri Shyama Pada Choudhury, Ex Despatch Superintendent, as per Clause 10-4-3 of

NCWA-II was justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The case is called for hearing to-day (26-8-91). Sri S. N. Chatterjee the representative of the union submits that the union has no instruction to proceed with the case.

In view of the circumstances, I find no other alternative but to pass a no dispute award. Accordingly a no-dispute award is passed in this case.

N. K. SAHA, Presiding Officer.

[No. L-22012(301)/90-IR (C. II)]

क्र.आ. 2537.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम आगरा के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2537.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the F.C.I. Agra and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-9-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESID-
ING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUS-
TRIAL TRIBUNAL : NEW DELHI

I.D. No. 60/89

In the matter of dispute between :

Shri Tarachand Chaturvedi, Asstt. Grade-II,
Through General Secretary, F.C.I. Emp-
loyees Congress, D-22, New Agra Sant
Marg, Agra.

versus

Zonal Manager (North), Bhartiya Khadya
Nigam, 8, Kasturba Gandhi Marg, Ansal
Bhawan, New Delhi.

APPEARANCES :

Shri G. P. Mishra alongwith the workman.

Shri L.K. Nathani, D.M.I.R. for Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its order No. L-42018(6)/88-D-4(B) dated 14-6-89 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the Distt. Manager(North), Food Corporation of India, Agra in not granting seniority to Sri Tara Chand Chaturvedi, Asstt. Grade-II in Accounts Section and depriving him for promotion to Asstt. Grade I, is justified, If not, to what relief the workman is entitled?"

2. Parties arrived at settlement during the proceedings of this case. According to the settlement the Management filed settlement Ex.M1 which was accepted by the workman. Ex.M1 shall form part of this settlement and the management shall make the payment of salary and other allowances as per their rules to the workman. In view of the settlement the management shall fix the seniority as per settlement and shall be bound by the terms of Ex.M1. The award is accordingly granted in this case leaving the parties to bear their own costs.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

[No. L-42018(6)|88-D-4(B)]

BEFORE PRESIDING OFFICER, C.G.I.T., NEW DELHI-1.

I.D. No. 60/89

Tara Chand Chaturvedi .. Workman
Vs.

FCI .. Employer

Management submits as under :—

1. Management was directed during the proceedings held on 26-7-91 to intimate seniority number to be assigned in the Accounts Cadre as Asstt. Gr. II (A|cs).
2. The workman's claim that he was entitled to get the seniority position above the name of Shri Banarsilal Khandelwal found to be correct. The workman's seniority will be at Sl. No. 259A above the name of Shri Babulal Sonkhiya in the Zonal Seniority List of Asstt. Gr. II (A|cs) as on 31-12-81 whereas Shri Khandelwal is appearing at Sl. No. 260B.

The seniority to be assigned will be without prejudice to his seniors.

The Hon'ble Court may accordingly close the case.

L. K. NATHANI, Dy. Manager (IR)

Accepted in the all consequential benefit after re-fixation of workman's seniority at Sl. No. 259A in accounts cadre as AG-II.

Sd|—

Not Illegible

का.ग्रा. 2538.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. आई.आई. एस.सी. ओ. कुल्ती वृद्धवान के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2538.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of

the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the M/s. IISCO, Kulti (Burdwan) and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-9-91.

ENCL : 1

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 56 of 1983

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ramnagore Colliery, M/s. IISCO, P.O. Kulti (Burdwan).

AND

Their workmen.

PRESENT :

Mr. Justice Manash Nath Roy.—Presiding Officer.

APPEARANCE :

On behalf of management—Mr. Nilay Ghosh, Advocate.

On behalf of workmen—None.

STATE : West Bengal. INDUSTRY : Coal.

AWARD

After the dispute for adjudication to the following effect :

“Whether the action of the Manager, Ramnagore Colliery, M/s. Indian Iron & Steel Company, P.O. Kulti, Distt. Burdwan in dismissing S/Shri Jagannath Mahali and Sudhanowa Satnami w.e.f. the 7th April, 1981 is justified ? If not to what relief the workmen are entitled ?”

was made to this Tribunal by the Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation (Dept. of Labour) vide Order No. L-19012(157)|82-D.IV(B) dated 3rd November, 1983, pleadings were completed.

2. In spite of due notice none appears for the workmen, although Mr. Nilay Ghosh, Advocate appears for the management. As such I find no justification in keeping the reference pending. Thus I dispose of the reference without entering into the merits.

Dated, Calcutta,

The 13th August, 1991.

MANASH NATH ROY, Presiding Officer.

[No. L-19012(157)|82-D.IV(B)]

का.ग्रा. 2539.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध

में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण उड़ीसा, भुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2539.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the M/s. South Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-9-91.

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL : ORISSA : BHUBANESWAR

PRESENT :

Sri R. K. Dash, LL.B., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 10 of 1988 (Central)

Dated Bhubaneswar, the 27th August, 1991

BETWEEN :

The Management of Talcher Colliery of M/s. South Eastern Coalfields Ltd., At P.O. Dera Colliery, Dist. Dhenkanal.

First Party-Management

And

Their workman Sri Janak Sahu, represented through Talcher Coal Mines Employees' Union, S.C. Ghose Building, Vill : Remua, P.O. Talcher, Dist. Dhenkanal.

Second Party-Workman.

APPEARANCES

Sri K.K. Singh, Personnel Officer—For the First Party-Management.

Sri A.K. Ray, General Secretary of the Union—

For the Second Party.—Workman.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred upon them by clausd (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) and by their order No. L-24012(128)/87-D.IV(B) dated 5-2-88 have referred to the following dispute for adjudication by this Tribunal :

“Whether the action of the Management of Talcher Colliery of South Eastern Coalfields Ltd., Talcher in refusing employment to Sri Janaka Sahoo, Underground Loader w.e.f. 26-8-86 to 3-3-87 is lawful and justifi-

fied ? If not, to what relief the workman is entitled ?”

2. In brief, the case of the workman, an underground loader of Talcher Colliery is that he being ill was hospitalised in the Colliery Hospital and finally being cured was declared fit to resume his duty on 25-8-86. He then approached the authority for being taken back to his job but for some reason or other he was not allowed. Finally he was transferred to Bharatpur Colliery and was allowed to join his duty on 31-3-87. The present dispute has been raised to find out the legality and justifiability of the action of the authority in not giving him employment from 26-8-86 to 3-3-87.

3. The Management in its written statement has denied the case of the workman regarding refusal of employment for the aforesaid period. Its positive assertion is that the Area Medical Board having examined the second party on 1-7-86 declared him unfit for the original job. In view of such declaration the workman was stopped from his duty as a Loader and was advised to apply for voluntary retirement. Since he did not accept the proposal as aforesaid and further no light job could be given to him by the Management his case was taken up at the Area level so that his service could be utilised at some other unit. Finally, he was allowed to join in Bharatpur Project of Talcher area, where he was given a light work. It is further pleaded that the workman being a piece rated worker is not entitled to wages for the period from 26-8-86 to 3-3-87 for his not having any work.

4. In view of the pleadings of the parties, the sole question for consideration is whether refusal of employment to the workman from 26-8-86 to 3-3-87 by the Management is legal and justified. If this is answered in favour of the workman, the next question would be, what relief he is entitled to ?

5. To substantiate his case the workman has examined himself as a witness. It would transpire from his evidence that he had undergone treatment as an indoor patient from 8-11-85 to 25-08-86 and after being discharged and having been declared fit to resume his duty he approached the Manager with the original discharge certificate requesting to engage him in duty. The Manager then sent him to the Shift Incharge who having put signature on the discharge certificate asked him to meet the Attendance Clerk. The Attendance Clerk on verification of the attendance register did not allow him duty. Thereafter, he approached several times to his authority to employ him but nobody did hear him. Lastly, he sent an application to the Project Officer to allot him work. On 3-3-87 he was served with the order Ext. 5 transferring him from Talcher Colliery to Bharatpur. In response to the said transfer order he joined his duty at Bharatpur as a Mazdoor.

It stands admitted by the Management that the workman remained unengaged from 26-8-86 to 3-3-87. The reason for not giving him employment for the aforesaid period, it is stated by witness No. 1 for the Management that on examining the workman the Medical Board opined that he was unfit for his original job. It, however, suggested to entrust

him light job. As there was no light job available with the Management it could not be provided to him. It transpires from his evidence that he received the report of the Medical Board dated 1-7-86 in the first week of August, 1986. This report, Ext.A, was issued by the Medical Board prior to the issuance of the discharge certificate, Ext. I. It is evident from the aforesaid two documents that the doctors have given contradictory opinion. While the treating physician has declared the workman fit to resume his duty, the Medical Board, on the other hand opined that he was unfit for the original job. In view of such contradictory opinion, the Management should not have refused employment to the workman merely basing on the report of the Medical Board Ext. A. Furthermore, while the workman was undergoing treatment, the Management ought not to have referred him to the Medical Board to obtain any opinion. To me, this action of the Management was with a view to refuse employment to the workman. This observation of mine gains support from the evidence of witness No. 1 for the Management who speaks to have suggested the workman to apply for voluntary retirement. From this, it is evident that the motive of the Management was malafide.

6. In view of my discussions made above, I hold that the action of the Management refusing employment to the workman from 26-8-86 to 3-3-87 is quite illegal and unjustified. Hence, the workman shall be deemed to be in service and entitled to the back wages for the aforesaid period.

The reference is answered accordingly.

Distated & corrected by me.

Dt. 27-08-91.

R. K. DASH, Presiding Officer
[No. L-24012/128/87-D.IV(B)]

का.आ. 2540.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-9-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2540.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the M/s. Eastern Coalfields Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on the 18-9-91.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 25 of 1986

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Bahulla Colliery of M/s. Eastern Coalfields
Limited.

AND

Their workmen.

PRESENT :

Mr. Justice Manash Nath Roy,—Presiding
Officer.

APPEARANCE :

On behalf of management—None.

On behalf of workmen.—None.

STATE : West Bengal.

INDUSTRY : Coal.

AWARD

By Order No. L-19012(40)/85-D.IV(B) dated 6th February, 1986, the Government of India, Ministry of Labour referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the Management of Bahulla Colliery of M/s. Eastern Coalfields Limited, P.O. Bahulla, Distt. Burdwan in dismissing from service Sh. Sukdeo Majhi, U/G Loader is justified? If not, to what relief the workman is entitled?”

2. None of the parties appear inspite of notice and after going through the order sheets, I find no written statement has been filed by the workman. As such I feel that no useful purpose will be served in keeping the reference pending and I dispose of the reference without entering into the merits.

Dated, Calcutta,

The 21st August, 1991,

MANASH NATH ROY, Presiding Officer.

A. H. MADNANI, Desk Officer

[No. L-19012(40)/85-D.IV(B)]

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1991

का.आ. 2541.—जबकि केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित है कि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (खख) में यथापरिभाषित बैकिंग कम्पनी द्वारा चलाये जा रहे बैकिंग उद्योग को, जो उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 2 के अन्तर्गत आता है, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिये।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ख) के उप-खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय

सरकार इसके द्वारा उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये छः मास की अवधि के लिये तत्काल प्रभाव से लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं. एस-11017/13/85-डी-1(ए)]

टीनू जोशी, उप सचिव

New Delhi, the 19th September, 1991

S.O. 2541.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Banking Industry carried on by a Banking Company as defined in clause (bb) of section 2 of the Indus-

trial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), which is covered by entry 2 in the First Schedule to the said Act, should be declared to be a public utility service for the purpose of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a 'public' utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

No. S-11017/13/85-D.I(A)]

TINOO JOSHI, Dy. Secy.